रांची, शनिवार
25.07.2026
वर्ष : 11, अंक : 233, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

राज्य में कल से 29 तक भारी बारिश के आसार

रांची। झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के कई जिलों में 26 से 29 जुलाई के बीच भारी बारिश होने की संभावना है। इस दौरान 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं। मौसम की इस स्थिति को देखते हुए भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची मौसम केंद्र ने येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, 26 जुलाई को राज्य के दक्षिणी एवं उससे सटे मध्यवर्ती क्षेत्रों, 27 जुलाई को उत्तरी-मध्य और निकटवर्ती पूर्वी भागों तथा 28 जुलाई को मध्यवर्ती एवं उससे लगे उत्तरी क्षेत्रों में कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है। विभाग ने चेतावनी दी है कि तेज हवा और बारिश के कारण कुछ स्थानों पर जनजीवन प्रभावित हो सकता है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सर्वाधिक 52.5 मिलीमीटर वर्षा कोडरमा में दर्ज की गई। इस अवधि में सबसे अधिक तापमान पाकुड़ में 34.3 डिग्री सेल्सियस और सबसे कम तापमान लातेहार में 20.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

एनटीए ने 47 अधिकारियों को किया बर्खास्त

नई दिल्ली: राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षा प्रणाली को अधिक पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने की दिशा में कदम उठाते हुए शुक्रवार को 47 अधिकारियों की सेवाएं समाप्त कर दी। शिक्षा मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई एजेंसी में व्यापक सुधार प्रक्रिया के तहत की गयी है। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई केवल सेवा समाप्ति तक ही सीमित नहीं रहेगी। कुछ अधिकारियों के खिलाफ कानूनी और आपराधिक कार्रवाई भी शुरू की जायेगी। परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही सुनिश्चित करने और अनियमितताओं पर सख्त नियंत्रण के लिए यह कदम उठाया गया है। बताया जा रहा है कि एनटीए में सुधारों का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा और आने वाले समय में प्रशासनिक तथा संरचनात्मक स्तर पर कई और महत्वपूर्ण फैसले लिए जा सकते हैं। इसका उद्देश्य परीक्षा संचालन को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और निष्पक्ष बनाना है। गौरतलब है कि नीट प्रश्नपत्र लीक और परीक्षा संबंधी विवादों को लेकर कुछ दिनों से युवा आनदोलन कर रहे है हैं और इस मामले में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं ।

पेपर लीक पर सरकार सख्तः 10 साल की जेल और 10 करोड़ जुर्माने वाले सख्त बिल को कैबिनेट की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने परीक्षा पेपर लीक पर रोक लगाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को पेपर लीक रोकथाम कानून (प्रिवेंशन ऑफ पेपर लीक एक्ट) में संशोधन को मंजूरी दे दी। प्रस्तावित संशोधन के तहत पेपर लीक के दोषियों के लिए सजा और जुमार्ने को पहले से कहीं अधिक कड़ा किया गया है। सूत्रों के अनुसार, नए प्रावधानों में अधिकतम 10 वर्ष की जेल और 10 करोड़ रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, पेपर लीक के मामलों में दोषी पाए जाने वाले लोगों के लिए न्यूनतम सजा तीन वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष करने का भी प्रस्ताव है। इस बीच, केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि सरकार जल्द ही इस संशोधन विधेयक को संसद में पेश करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि छात्रों से जुड़े इस महत्वपूर्ण विधेयक को लाने में किसी भी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। रिजिजू ने कहा कि सरकार कैबिनेट के फैसले की जानकारी देने के बाद विधेयक को संसद में

पेश करने की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस इस विधेयक पर चर्चा में बाधा डालती है और संसद की कार्यवाही में व्यवधान पैदा करती है, तो उसे देश के युवाओं और जनता के आक्रोश का सामना करना पड़ेगा।

सरकार का कहना है कि यह संशोधन प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता बनाए रखने, पेपर लीक की घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाने और छात्रों के भविष्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

पीएम मोदी ने पहले ही दिए थे संकेत

कैबिनेट के फैसले से एक दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 23 जुलाई की देर रात को छात्रों के लिए वीडियो संदेश जारी किया था। जिसमे पेपर लीक के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के संकेत दिए थे। उन्होंने कहा था कि 24 जुलाई को होने वाली कैबिनेट बैठक में फास्ट ट्रैक कोर्ट और दोषियों को कठोर सजा देने वाले कानून के मसौदे पर विचार किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा था कि पेपर लीक जैसी घटनाएं लाखों छात्रों और उनके परिवारों के भविष्य से जुड़ा गंभीर विषय हैं। सरकार इस समस्या को रोकने के लिए मजबूत और प्रभावी कानूनी व्यवस्था लागू करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

फास्ट ट्रैक कोर्ट पर भी रहेगा जोर

प्रधानमंत्री ने संबंधित विभागों को आवश्यक प्रक्रिया तत्काल शुरू करने के निर्देश दिए थे। प्रस्तावित व्यवस्था के तहत पेपर लीक से जुड़े मामलों की फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर समयबद्ध तरीके से निर्णय सुनिश्चित करने की योजना है।

राज्य में अवैध मदिरा निर्माण, भंडारण व तस्करी पर हर हाल में लगाएं अंकुश : मुख्यमंत्री सोरेन

बिभा संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने शुक्रवार को झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने बैठक में विभाग की ओर से संचालित योजनाओं के कार्य प्रगति, राजस्व संग्रहण सहित राज्य में अवैध शराब निर्माण, भंडारण एवं तस्करी पर रोक लगाए जाने को लेकर की जा रही कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य में अवैध मदिरा निर्माण, परिवहन, बिक्री एवं तस्करी पर पूरी कठोरता के साथ अंकुश लगाई जाए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि अवैध रूप से हो रहे मदिरा निर्माण न केवल सरकारी राजस्व को प्रभावित करती है, बल्कि मदिरा सेवन करने वाले लोगों के जीवन और स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न करती है। अतएव यह जरूरी है कि अवैध कारोबार से जुड़े लोगों के विरुद्ध त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई हर हाल में सुनिश्चित की जाए।

बैठक में उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद मौजूद रहे। बैठक में अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के राजस्व संग्रहण की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग ने निर्धारित 3,885.11 करोड़ रुपये के लक्ष्य को पार करते हुए 4,013.53 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया। वहीं, चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 4,500 करोड़ रुपये राजस्व संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि जुलाई 2026 के मध्य तक विभाग ने 1,376 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रह कर लिया है, जो वार्षिक लक्ष्य का 30.57 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री ने उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के कार्यों में आधुनिक तकनीक का अधिकतम उपयोग किए जाने का निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उत्पाद इकाइयों के निरीक्षण एवं पर्यवेक्षण में नई तकनीक का उपयोग बहुत ही आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों में उत्पाद विभाग के गोदाम निर्माण कार्यों में स्थानीय आदिवासी समुदाय को प्राथमिकता और सहयोग दी जाए। इससे स्थानीय रोजगार सृजन के साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभागीय गतिविधियों का दायरा बढ़ाते हुए उन्हें जनहित और विकासोन्मुखी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री ने उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग में रिक्त पदों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि विभाग के लिए चिन्हित सभी रिक्तियों पर नियुक्ति की प्रक्रिया में तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि आवश्यक औपचारिकताओं को शीघ्र पूरा करते हुए झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) के माध्यम से विभिन्न पदों पर नियमित बहाली सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि विभागीय योजनाओं एवं दायित्वों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पर्याप्त एवं दक्ष मानव संसाधन की उपलब्धता अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि रिक्त पदों के कारण किसी भी स्तर पर कार्य प्रभावित नहीं होने चाहिए। इसलिए नियुक्ति प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूरा करते हुए योग्य अभ्यर्थियों की बहाली सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभाग में पर्याप्त मानवबल उपलब्ध होने से प्रशासनिक कार्यों में गति आएगी, निगरानी व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ होगी तथा उत्पाद एवं मद्य निषेध से संबंधित योजनाओं और नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता, गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा का विशेष रूप से पालन किया जाए, ताकि विभाग की कार्यक्षमता और जनसेवा दोनों को मजबूती मिल सके।

बैठक में मुख्यमंत्री के समक्ष अधिकारियों ने जानकारी दी कि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग के माध्यम से चयनित 583 उत्पाद सिपाहियों को नियुक्ति पत्र देने के लिए आवश्यक प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मदिरा परिवहन वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग और डिजिटल (डीजी) लॉक की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि वाहनों की रियल-टाइम निगरानी की जा सके तथा उनके मार्ग, ठहराव और गंतव्य की सटीक जानकारी प्राप्त हो सके। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि परिवहन वाहनों को आधुनिक तकनीक से पारदर्शिता आएगी और अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि राज्य में मदिरा के अलावा स्पिरिट की खपत का व्यापक अध्ययन किया जाए। स्पिरिट की वर्तमान एवं भविष्य की मांग, औद्योगिक उपयोग और राजस्व वृद्धि की संभावनाओं का आकलन कर एक ठोस कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने राज्य में विभिन्न प्रकार के मदिरा विनिर्माण संबंधित नीति गठन किए जाने का निर्देश अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक अल्कोहल के विनियमन के लिए नीति गठन किए जाने की बात कही। उन्होंने अधिकारियों से लेवल रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया को सुगम बनाएं जाने की बात कही, ताकि पॉपुलर ब्रांड्स की उपलब्धता हो सके।

जेपीएससी परीक्षा अनियमितता मामले में सीआईडी ने टीडीपीएल के तीन कर्मचारी को किया गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की ओर से आयोजित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही सीआईडी ने मामले में बड़ी कार्रवाई की है। सीआईडी ने टीएसआर डाटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीडीपीएल) के तीन कर्मचारियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में हेमंत वर्मा, प्रदीप कुमार सिंह और संजय कुमार शामिल हैं।

सीआईडी के अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में सीआईडी थाना कांड (संख्या 16/2026) 22 जुलाई 2026 को दर्ज किया गया था। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर तीन आरोपितों हेमंत वर्मा, प्रदीप कुमार सिंह और संजय कुमार को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही रांची पुलिस के सहयोग से रांची के कुछ क्षेत्रों में स्थित दो होटलों में भी छापेमारी की गई, जहां से जांच से जुड़े महत्वपूर्ण सुराग जुटाए गए हैं। सीआईडी ने बताया कि इस मामले में पूर्व में गिरफ्तार किए गए पांच आरोपितों उप परीक्षा नियंत्रक श्वेता गुप्ता, टीएसआर डाटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड रामवीर सिंह, मो उस्मान, मो एबाद और अभय कुमार तिवारी को भी पांच दिनों की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। रिमांड के दौरान उनसे पूछताछ कर परीक्षा में कथित गड़बड़ियों के नेटवर्क, तकनीकी प्रक्रिया और अन्य संभावित संलिप्त लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

उल्लेखनीय है कि जेपीएससी परीक्षा अनियमितता मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया है। एसआईटी पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है और अब तक मिले साक्ष्यों के आधार पर आगे भी विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी। सीआईडी के अनुसार जांच अभी जारी है और जैसे-जैसे नए तथ्य सामने आएंगे, वैसे-वैसे अन्य आरोपियों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

वहीं दूसरी तरफ सीआईडी ने आम लोगों से भी सहयोग की अपील की है. यदि किसी व्यक्ति के पास इस मामले से संबंधित कोई सूचना, दस्तावेज या अन्य महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध हो, तो वह मोबाइल नंबर 9934309058 या ई-मेल आईडी कंप्लेंट जेपीएससी स्लैश सीआईडी एट दि रेट जेएच पुलिस डॉट जीओवी डॉट इन पर साझा कर सकता है। विभाग ने भरोसा दिलाया है कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

तीन और कर्मचारियों की गिरफ्तारी के बाद माना जा रहा है कि जेपीएसएसी परीक्षा अनियमितता मामले की जांच अब और व्यापक होगी। सीआईडी इस बात की पड़ताल कर रही है कि परीक्षा प्रक्रिया में किसी संगठित नेटवर्क, तकनीकी हेरफेर या अन्य व्यक्तियों की क्या भूमिका रही, आने वाले दिनों में इस मामले में और गिरफ्तारियां या बड़े खुलासे होने की सम्भवना है।

रवनीत बिट्टू ने दिया मंत्रिपरिषद से इस्तीफा

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल एवं खाद्य प्रसंस्करण उद्योग राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सलाह पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इसे स्वीकार कर लिया है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार राष्ट्रपति ने भारतीय संविधान के

अनुच्छेद 75(2) के तहत तत्काल प्रभाव से उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया है।

पंजाब से आने वाले पूर्व कांग्रेस नेता रवनीत सिंह बिट्टू का जून में राज्यसभा कार्यकाल समाप्त हो गया है। उन्हें दोबारा राज्यसभा नहीं भेजा गया है और पार्टी उन्हें आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों में सक्रिय कर रही है।

धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे समेत तीन मांगों से कोई समझौता नहीं करेगी कांग्रेसः राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। नीट प्रश्नपत्र लीक मुद्दे पर संसद में चर्चा को लेकर सरकार और विपक्ष के बीच गतिरोध जारी है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने स्पष्ट किया है कि कांग्रेस तीन मांगों पर अड़ी है, जिनमें शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के दोषियों पर कार्रवाई

और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा छात्रों से माफी की मांग शामिल है। हम इन मांगों से कोई समझौता नहीं करेंगे।

राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद भवन परिसर में पत्रकारों से कहा कि संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने उनसे कहा कि चर्चा होने दी जाए। जब वह जवाब देना चाह रहे थे तो उनका माइक बंद कर दिया गया और उन्हें बोलने का अवसर नहीं दिया गया। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष का रुख स्पष्ट है। पहली मांग है कि भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार शिक्षा मंत्री को पद छोड़ना चाहिए। दूसरी मांग है कि जिन लोगों ने छात्रों पर हमला किया, उन पर कार्रवाई और जवाबदेही तय होनी चाहिए। तीसरी मांग है कि प्रधानमंत्री छात्रों से माफी मांगें। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा केवल राजनीतिक नहीं बल्कि छात्रों के भविष्य से जुड़ा है और कांग्रेस इस पर कोई समझौता नहीं करेगी।

सरकार के लिखित आश्वासन पर 26 दिनों बाद सोनम वांगचुक ने तोड़ा अनशन

एजेंसी

नई दिल्ली। पर्यावरणविद् एवं सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने शुक्रवार तड़के 26 दिनों से जारी अपना आमरण अनशन समाप्त कर दिया। उन्होंने कहा कि सरकार और विभिन्न राजनीतिक दलों के 65 सांसदों से लिखित आश्वासन मिलने के बाद उन्होंने यह फैसला लिया। सरकार ने संसद में नीट प्रश्नपत्र लीक, परीक्षा प्रणाली में जवाबदेही और शिक्षा सुधार पर विस्तृत चर्चा कराने, हालिया नीट प्रश्नपत्र लीक से जुड़े आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिजनों को उपयुक्त मुआवजा देने तथा जंतर-मंतर और 20 जुलाई के संसद मार्च में शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले छात्रों एवं युवाओं के खिलाफ कोई

मामला दर्ज नहीं करने का आश्वासन दिया है। हालांकि, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर कोई लिखित आश्वासन नहीं दिया गया। इस पर सोनम वांगचुक ने कहा कि यदि सरकार इस मांग पर फैसला नहीं करती है तो इसका नुकसान छात्रों का नहीं बल्कि स्वयं सरकार का होगा।

सोनम वांगचुक ने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के जंतर-मंतर स्थित आंदोलन के समर्थन में 28 जून को आमरण अनशन शुरू किया था। अनशन के दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने पर पहले उन्हें सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश पर उन्हें गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में स्थानांतरित किया गया।

वांगचुक ने देर रात जारी अपने वीडियो संदेश में बताया कि शुक्रवार तड़के केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और डॉ. जितेंद्र सिंह उनसे मिलने पहुंचे। वीडियो में दोनों नेताओं ने पहले उन्हें सरकार का लिखित आश्वासन पढ़कर सुनाया फिर उन्हें तरल पदार्थ पिलाकर उनका अनशन तुड़वाया।

आश्वासन पत्र में लिखा था, सरकार नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन करने वाले प्रदर्शनकारियों तथा 20 जुलाई को संसद मार्च में भाग लेने वाले लोगों के खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं करने के प्रति सकारात्मक है। सरकार पहले ही यह आश्वासन दे चुकी है कि प्रश्नपत्र लीक की समस्या के समाधान और परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए संसद में विस्तृत चर्चा कराई जाएगी। इसके अलावा, हालिया नीट प्रश्नपत्र लीक प्रकरण से जुड़े आत्महत्या पीड़ितों के परिजनों को उपयुक्त मुआवजा देने पर भी सरकार सकारात्मक रूप से विचार करेगी।

सोनम वांगचुक ने कहा कि पिछले दो दिनों से सरकार के साथ लगातार बातचीत चल रही थी। उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि केवल मौखिक भरोसे पर वह अनशन समाप्त नहीं करेंगे और उन्हें लिखित आश्वासन चाहिए। इसी कारण उन्हें दो दिन अतिरिक्त अनशन पर बैठना पड़ा। अंततः सरकार ने लिखित आश्वासन दिया, जिसके बाद उन्होंने अनशन समाप्त करने का निर्णय लिया।

राज्यसभा में राष्ट्रगीत को राष्ट्रगान के समान दर्जा देने वाला विधेयक पेश, संसद के दोनों सदन सोमवार तक स्थगित

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय ने शुक्रवार को राज्यसभा में राष्ट्रगीत वंदेमातरम को राष्ट्रगान के समान दर्जा दिलाने वाले वाला विधेयक पेश किया। नित्यानंद राय ने सदन में आरोप लगाया कि विपक्ष विधेयक को लेकर लोगों को गुमराह कर रहा है। उन्होंने कहा कि 24 जनवरी 1950 को डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम को भी सम्मान प्राप्त होगा। राष्ट्रीय गान और राष्ट्रीय गीत दोनों का समान रूप से सम्मान किया जाना चाहिए।

लोकसभा और राज्यसभा में शुक्रवार को भी विपक्ष के हंगामे के चलते कामकाज प्रभावित रहा। लोकसभा और राज्यसभा में सदन की कार्यवाही की शुरूआत में करगिल दिवस (26 जुलाई) पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी गई । इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही पहले 12 बजे और बाद में सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई। दूसरी ओर राज्यसभा में पहले कार्यवाही 12 बजे, फिर 02 बजे और फिर सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

राज्यसभा में दोपहर 2 बजे कार्यवाही प्रारंभ होने पर नित्यानंद राय ने सदन में राष्ट्र गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 में संशोधन किए जाने वाला विधेयक पेश किया। विधेयक को पेश किये जाने का सीपीआई नेता संदोष कुमार पी और सीपीआई (एम) नेता जॉन ब्रिटास ने विरोध किया। ब्रिटास ने कहा कि संसद साधारण कानून बनाकर संविधान की मूल व्यवस्था को नहीं बदल सकती। संविधान सभा ने लगभग तीन वर्षों के गहन विचार-विमर्श के बाद जानबूझकर राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान को समान संवैधानिक दर्जा नहीं दिया। यदि संविधान निमार्ताओं की ऐसी मंशा होती तो वे इसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करते। उन्होंने कहा कि कानून के माध्यम से देशभक्ति और राष्ट्रवाद को गढ़ा नहीं जा सकता। इस विधेयक का उद्देश्य समाज का ध्रुवीकरण करना प्रतीत होता है।

पीसी-पीएनडीटी एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन एवं घटते लिंगानुपात की रोकथाम को लेकर कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची : सदर अस्पताल रांची मे पूर्व गभार्धान एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994 के प्रभावी क्रियान्वयन, कानूनी प्रावधानों की जानकारी एवं अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य समाज में बेटियों के प्रति समान दृष्टिकोण को बढ़ावा देना तथा लिंगानुपात को संतुलित बनाए रखना है।

कार्यक्रम में जिले के अल्ट्रासाउंड केंद्रों के संचालकों एवं चिकित्सकों को अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों एवं आवश्यक दिशा-निर्देशों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

कार्यक्रम में राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह, सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार, उपाधीक्षक सदर अस्पताल डॉ बिमलेश सिंह, जिला क्षय रोग पदाधिकारी डॉ. एस. बास्की, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी श्री मती सुरभि कुमारी, राज्य समन्वयक रफत फरजाना, जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह, जिला समन्वयक राकेश राय, जिला डाटा प्रबंधक संजय तिवारी सहित जिला के अल्ट्रासाउंड केंद्रों के संचालक एवं चिकित्सक सहित अन्य पदाधिकारी एवं संबंधित प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

इस कार्यशाला में लगभग 250 से ज्यादा अल्ट्रासाउंड सेंटर के संचालक एवं चिकित्सक शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने पूर्व गभार्धान एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994 के उद्देश्य, महत्व एवं आवश्यकता पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम कन्या भ्रूण हत्या की रोकथाम तथा समाज में लिंगानुपात को संतुलित बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों एवं चिकित्सकों से अधिनियम के प्रावधानों का पूर्णतः पालन करने की बाते कही ।

राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार सिंह ने कहा कि घटता लिंगानुपात समाज के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसे संतुलित बनाए रखने के लिए समाज में बेटा-बेटी के बीच भेदभाव को समाप्त करते हुए व्यापक जन-जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि हमें केवल जन्म के समय लिंगानुपात को बेहतर बनाने पर ही नहीं, बल्कि शिशु लिंगानुपात में सुधार लाने पर भी समान रूप से ध्यान देना होगा।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि कुमारी ने कहा की पीसी-पीएनडीटी अधिनियम का पालन करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है तथा सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है।साथ ही उन्होंने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को पीसी-पीएनडीटी अधिनियम के प्रावधानों के प्रभावी अनुपालन हेतु जागरूक एवं प्रतिबद्ध रहने का संदेश दिया एवं कहा की हमारा उद्देश्य इस सेवा को अधिक सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं विधिसम्मत बनाना है।

कार्यक्रम के दौरान जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ एस बास्की के द्वारा सभी निजी अस्पताल के चिकित्सकों से अनुरोध किया गया कि वह टीबी के मरीजों को चिन्हित करें एवं उन्हें सरकारी दवा एवं सरकारी लाभ लेने हेतु प्रेरित करें।

राज्य समन्वयक रफत फरजाना ने प्रशिक्षण सत्र के दौरान अल्ट्रासाउंड केंद्रों के संचालकों एवं चिकित्सकों को अधिनियम के विभिन्न कानूनी प्रावधानों, केंद्रों के पंजीकरण एवं नवीकरण, अभिलेख संधारण, निर्धारित प्रपत्रों के रख-रखाव तथा अनुपालन से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की। उन्होंने अधिनियम के उल्लंघन की स्थिति में लागू होने वाले कानूनी प्रावधानों एवं दंडात्मक कार्रवाई के संबंध में भी विस्तार से जानकारी साझा की साथ ही कहा की पीसीपीएनडीटी अधिनियम किसी चिकित्सक या अल्ट्रासाउंड केन्द्र के विरुद्ध नहीं, बल्कि कन्या भ्रूण हत्या एवं लिंग चयन जैसी सामाजिक बुराइयों के विरुद्ध एक सशक्त कानूनी व्यवस्था है।

कार्यशाला में जिला कार्यक्रम प्रबंधक प्रवीण कुमार सिंह ने सभी अल्ट्रासाउंड केंद्रों से अधिनियम के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने की अपील की।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की समस्या

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर/चांडिलः साप्ताहिक जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की समस्याएँ, संबंधित विभागों को समयबद्ध निष्पादन के दिए निर्देश।समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आज जन शिकायत निवारण दिवस के अवसर पर उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी नितिश कुमार सिंह की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया। जनता दरबार में जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से आए नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत एवं जनहित से संबंधित समस्याओं एवं मांगों से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए। जनता दरबार के दौरान उपायुक्त ने सभी आवेदकों की शिकायतों को क्रमवार सुना तथा प्राप्त आवेदनों पर आवश्यक संज्ञान लेते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को नियमानुसार एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जनता दरबार में गम्हरिया प्रखंड के यशपुर पंचायत अंतर्गत उदयपुर ग्राम में वर्षा जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराने, कृषि कार्य में प्रयुक्त उर्वरक (खाद) की कालाबाजारी की रोकथाम हेतु उर्वरक विक्रेताओं का औचक निरीक्षण कराने, कपाली नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत कमारगोड़ा पुनर्वास स्थल के समीप प्रस्तावित बीयर बार की अनुमति नहीं दिए जाने संबंधी स्थानीय ग्रामीणों की सामूहिक मांग, सरायकेला नगर पंचायत क्षेत्र के मझनाघाट पर सीढ़ी निर्माण, भूमि विवाद, जन्म प्रमाण-पत्र सत्यापन, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, लंबित मानदेय भुगतान सहित विभिन्न विभागों से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए।

प्राप्त आवेदनों में से कई मामलों का ऑन-द-स्पॉट निष्पादन किया गया, जबकि शेष मामलों को आवश्यक कार्रवाई हेतु संबंधित विभागों को हस्तांतरित करते हुए उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर नियमानुसार निष्पादन सुनिश्चित करने तथा आवेदकों को यथाशीघ्र राहत उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

संक्षिप्त खबरें

चोरेया-तरंगा मार्ग पर सड़क हादसा, बाइक सवार दो युवक घायल

चान्हो(बिभा)। चोरेया-तरंगा मार्ग पर शुक्रवार दोपहर करीब एक बजे भेड़ी दोन के समीप एक स्कूल बस और बाइक की टक्कर में दो युवक घायल हो गए। घायलों की पहचान तरंगा निवासी 35 वर्षीय जियाउल हक और 30 वर्षीय इमरोज खान के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक हुटार बाजार से बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रही एक स्कूल बस ने उनकी बाइक को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को मांडर स्थित रेफरल अस्पताल पहुंचाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद जियाउल हक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार, हादसे में जियाउल के कूल्हे और जांघ की हड्डी टूट गई है। वहीं, इमरोज खान का इलाज करने के बाद उन्हें घर भेज दिया गया। बताया जाता है कि जियाउल हक सब्जी का व्यवसाय करते हैं। शुक्रवार को काम समाप्त कर वे इमरोज के साथ घर लौट रहे थे। दूसरी ओर, स्कूल बस तरंगा में बच्चों को उतारकर वापस लौट रही थी। इसी दौरान भेड़ी दोन के पास दोनों वाहनों की टक्कर हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाने में सहयोग किया। दुर्घटना के बाद क्षेत्र में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बना रहा।

घूरती रथ मेला के अवसर पर हुनरवाजों को किया गया सम्मानित

रांची(बिभा): छात्र क्लब श्रमिक कल्याण मंच यूनिट,छात्र क्लब ग्रुप एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के संयुक्त तत्वावधान मे घूरती रथ मेला के शुभअवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा के अध्यक्षता में दि हैमर इंटीरियर्स, हरमू रोड होंडा शोरूम के सामने,किशोरगंज,रांची मे किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ठ अतिथि के तौर पर क्लब के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांस एवं मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजेश कुमार शर्मा उर्फ राजू उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान, काष्ठकला,इंटीरियर होम डेकोरेटर,कंप्यूटर शिक्षा, मेंहदी आर्ट आदि के क्षेत्र में उत्कृष्ठ प्रर्दशन करने वाले हुनरवाज अवधेश शर्मा, शशिभूषण शर्मा,अरविंद शर्मा,नन्ददेव शर्मा,विद्यानंद शर्मा,स्मृति अग्रवाल, हरिकिशोर शर्मा,विद्यानंद शर्मा को अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित करते हुए हौसला बढ़ाया गया।इसके पूर्व छात्र क्लब ग्रुप के संरक्षक रोहित कुमार के जन्मदिन उत्सव पौधारोपण एवं केक काटकर मनाई गई। मौके पर संतोष कुमार श्रेयांस ने सभी सम्मानित हुनरवाजों के उज्जवल भविष्य की कामना की वही राजेश कुमार शर्मा उर्फ राजू ने भगवान जगन्नाथ जी के जयकारे के साथ कार्यक्रम समापन की घोषणा किए।कार्यक्रम को सफल बनाने में शुभम चौधरी, नमिता देवी,शशिवीणा कुमारी एवं प्रगतिशील विश्वकर्मा सेवा समिति रांची जिला के पदाधिकारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने बेड़ो प्रखंड क्षेत्र का किया दौरा, शोकाकुल परिवारों को दी सांत्वना

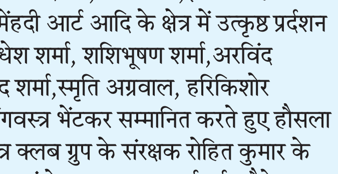

बेड़ो(बिभा): झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने बेड़ो प्रखंड के विभिन्न गांवों का दौरा क्या ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा जरूरतमंद परिवारों से मुलाकात कर हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। दौरे की शुरूआत उन्होंने बेड़ो प्रखंड के चचकोपी गांव निवासी नूर मल्लिक के घर पहुंचकर की। उनके पिता स्वर्गीय तस्लीम मल्लिक के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की तथा परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया। इसके बाद उन्होंने चचकोपी के ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं से अवगत हुए। इसके उपरांत पूर्व मंत्री बंधु तिर्की बेड़ो प्रखंड के जामटोली पंचायत अंतर्गत बोदा गांव पहुंचे, जहां हाल की जोरदार बारिश से क्षतिग्रस्त मकानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रभावित परिवारों—रीता देवी, मिनी देवी, बाबर खान, सारयन बारला सहित अन्य लोगों से मुलाकात कर आर्थिक सहयोग प्रदान किया तथा भविष्य में भी हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। दौरे के क्रम में उन्होंने जरिया स्थित आवासीय विद्यालय का भी निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने कहा कि दौरे के दौरान ग्रामीणों द्वारा रखी गई कुछ समस्याओं का तत्काल समाधान कर दिया गया है, जबकि शेष समस्याओं का भी शीघ्र समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग रक्फ़से संबंधित अपना फॉर्म जल्द से जल्द ऑनलाइन करा लें, ताकि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम सूची से वंचित न रह जाए। मौके पर उप प्रमुख सह मंत्री प्रतिनिधि मुदस्सिर हक, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष पंचू मिंज, विधायक प्रतिनिधि सोमरा लोहरा, मुन्ना मल्लिक, बुधराम लोहरा, चरवा उरांव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

जन शिकायत निवारण दिवस में उपायुक्त ने सुनीं लोगों की समस्याएं

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन द्वारा आयोजित जन शिकायत निवारण दिवस में जिले के विभिन्न प्रखंडों और शहरी क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने अपनी समस्याएं सीधे उपायुक्त राजीव रंजन के समक्ष रखीं। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित इस कार्यक्रम में उपायुक्त ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुना और संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी मामलों का समयबद्ध, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जन शिकायत निवारण दिवस प्रशासन और आम नागरिकों के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का एक प्रभावी मंच बनता जा रहा है, जहां लोग बिना किसी मध्यस्थ के अपनी समस्याएं प्रशासन तक पहुंचा रहे हैं। शिक्षा, पेंशन, रोजगार और स्वास्थ्य से जुड़े मामलों पर हुई सुनवाई जन शिकायत निवारण दिवस के दौरान नागरिकों ने शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा, राजस्व, नियोजन, स्वास्थ्य, कृषि और अन्य जनहित से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। प्राप्त आवेदनों में छात्रवृत्ति, आरटीई के तहत नामांकन, जन्म प्रमाण पत्र, रोजगार, लंबित पेंशन राशि का भुगतान, घरेलू विवाद, चिकित्सीय सहायता, जाति प्रमाण पत्र, स्थानांतरण, फीस माफी, झारखंड आंदोलनकारियों को प्रमाण पत्र तथा किसानों की समस्याएं प्रमुख रूप से शामिल रहीं। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन का नियमानुसार परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित किया जाए ताकि लोगों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।समन्वय बनाकर जल्द समाधान करने का निर्देश

उपायुक्त ने कहा कि कई शिकायतें ऐसी होती हैं जिनका समाधान एक से अधिक विभागों के समन्वय से संभव होता है। ऐसे मामलों में सभी संबंधित विभाग आपसी तालमेल बनाकर शीघ्र कार्रवाई करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक मामले में संवेदनशीलता और प्राथमिकता के आधार पर कार्रवाई करते हुए पात्र आवेदकों को सरकारी नियमों के अनुरूप आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि जन शिकायत निवारण दिवस का उद्देश्य प्रशासन को अधिक जवाबदेह, पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित बनाना है।

जन शिकायत निवारण दिवस बना भरोसे का मंच

पूर्वी सिंहभूम जिला प्रशासन नियमित रूप से जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन कर रहा है ताकि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान सीधे प्रशासनिक स्तर पर किया जा सके। इस पहल से लोगों को अपनी शिकायतें रखने का बेहतर अवसर मिल रहा है और विभिन्न विभागों की जवाबदेही भी बढ़ रही है। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी समस्याओं से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों के साथ जन शिकायत निवारण दिवस में भाग लें, ताकि शिकायतों का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

नगड़ी में रिम्स - टू के निर्माण पर रोक लगाने की मांग को लेकर रैयतों ने उपायुक्त से मुलाकात की

बिभा संवाददाता

रांचीः नगड़ी में प्रस्तावित रिम्स - टू के निर्माण पर रोक लगाने की माँग को लेकर पूर्व मंत्री बंधु तिर्की के नेतृत्व में नगड़ी के रैयतों ने रांची के उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात की. उपायुक्त के समक्ष अपनी समस्या रखते हुए रैयतों ने अपनी जमीन संबंधी समस्याओं से उपायुक्त को अवगत कराया. उन्होंने कहा कि रिम्स - टू के निर्माण में रैयतों की खेती वाली भूमि का अधिग्रहण किये जाने से ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर हो जायेगी. उन्होंने कहा कि उनकी जमीन खेती योग्य उर्वर भूमि है और खेती ही उनका मुख्य पेशा है जिससे वे जीवन-यापन करते हैं. ग्रामीणों की समस्याओं को उपायुक्त श्री भजंत्री ने गंभीरता पूर्वक सुना. इस दौरान काँके के अंचलाधिकारी अमित भगत और झारखण्ड उच्च न्यायालय के अधिवक्ता सुभाशीष सोरेन भी उपस्थित थे. श्री सोरेन ने इस संदर्भ में उपायुक्त को अनेक कानूनी पहलुओं से अवगत कराया.

ड्राइविंग लाइसेंस शिविर में 277 को मिला लर्नर लाइसेंस, सड़क सुरक्षा पर दिया गया विशेष जोर

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः पूर्वी सिंहभूम जिले के घाटशिला प्रखंड में राज्य सरकार के विशेष अभियान के तहत आयोजित ड्राइविंग लाइसेंस निर्माण शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया। जिला प्रशासन की पहल पर आयोजित इस शिविर में कुल 309 आवेदकों ने आवेदन किया, जिनमें से सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी करने वाले 277 आवेदकों को लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया गया। शिविर का आयोजन जिला परिवहन कार्यालय द्वारा जिला परिवहन पदाधिकारी दिलीप कुमार के नेतृत्व में किया गया। राज्य सरकार के निर्देश पर उपायुक्त राजीव रंजन के मार्गदर्शन में पूर्वी सिंहभूम जिले के सभी प्रखंडों और ग्राम पंचायतों में 02 जुलाई 2026 से 08 सितंबर 2026 तक विशेष ड्राइविंग लाइसेंस निर्माण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इस अभियान का उद्देश्य ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के अधिक से अधिक योग्य नागरिकों को वैध ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराना तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना है।

घाटशिला प्रखंड परिसर में आयोजित शिविर भी इसी व्यापक अभियान का हिस्सा था, जहां युवाओं और वाहन चालकों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी निभाई।

शिविर के दौरान कुल 309 लोगों ने आवेदन जमा किए। दस्तावेजों की जांच, सत्यापन और अन्य निर्धारित प्रक्रियाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने वाले 277 आवेदकों को मौके पर ही लर्नर लाइसेंस प्रदान किया गया। शेष आवेदनों में आवश्यक दस्तावेजों या निर्धारित मानकों की कमी पाए जाने के कारण नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है। सफल आवेदकों को जिला परिवहन पदाधिकारी दिलीप कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी युनिका शर्मा, मोटरयान निरीक्षक निशांत कुमार महतो एवं ईश्वर लाल साव द्वारा लर्नर लाइसेंस सौंपे गए।

शिविर के दौरान केवल लाइसेंस वितरण ही नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा को लेकर भी विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। उपस्थित सभी अभ्यर्थियों को सुरक्षित वाहन संचालन, हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग, गति सीमा का पालन, नशे की हालत में वाहन नहीं चलाने तथा ट्रैफिक नियमों के महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई।

पंचायत समिति सदस्य झरना मिश्रा ने निजी खर्च से विद्यालय में लगवाई लाइटें, दूर की वर्षों पुरानी समस्या

बिभा संवाददता

जमशेदपुरः बागबेड़ा कॉलोनी रोड नंबर -1 स्थित प्राथमिक विद्यालय में महीनों से बनी हुई प्रकाश व्यवस्था की समस्या का समाधान पंचायत समिति सदस्य झरना मिश्रा ने अपने निजी खर्च से कर दिया।उन्होंने विद्यालय के दोनों कमरों में चार एलईडी ट्यूब लाइट तथा विद्यालय परिसर के बाहर एक हैलोजन लाइट लगवाकर बच्चों,शिक्षकों और स्थानीय लोगों को बड़ी राहत प्रदान की।

गौरतलब हैं कि कुछ दिनों पूर्व विद्यालय की प्रधानाध्यापिका द्वारा स्कूल परिसर में पंचायत प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई थी।बैठक में विद्यालय में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने की समस्या को प्राथमिकता से उठाया गया था। समस्या सुनते ही पंचायत समिति सदस्य झरना मिश्रा ने अपने निजी खर्च से लाइट लगाने की घोषणा की थी।अपने वादे को निभाते हुए शुक्रवार को उन्होंने विद्यालय में चार एलईडी ट्यूब लाइट एवं बाहर एक हैलोजन लाइट लगवाकर समस्या का स्थायी समाधान कर दिया। लाइट लगने के बाद अब विद्यार्थियों को बेहतर रोशनी में पढ़ाई करने की सुविधा मिलेगी, वहीं शिक्षकों को भी पठन झ पठान कार्य में होने वाली कठिनाइयों से राहत मिलेगी। विद्यालय परिसर के बाहर हैलोजन लगने से शाम के समय होने वाले अंधेरे की समस्या दूर होगी तथा असमाजिक तत्वों के जमावड़े पर भी रोक लगने की उम्मीद है।

इस अवसर पर पंचायत समिति सदस्य झरना मिश्रा ने कहा कि विद्यालय की अन्य समस्याओं के समाधान के लिए भी वे लगातार प्रयासरत रहेगी,ताकि बच्चों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।

विद्यालय की प्रधानाध्यापिका उषा कुमारी एवं शिक्षिका सरिता कुमारी ने झरना मिश्रा के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा कीइस मौके पर पंचायत समिति सदस्य सुनील गुप्ता,वार्ड सदस्य उमेश पांडे,सीमा पांडे, विद्यालय की प्रधानाध्यापिका उषा कुमारी,शिक्षिका सरिता कुमारी सहित अनेक स्थानीय लोग उपस्थित थे।

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा बचाओ मोर्चा की नवगठित पदाधिकारियों का पूर्व मंत्री बन्धु तिर्की ने किया स्वागत

बिभा संवाददाता

रांची : पुर्व शिक्षा मंत्री एवं झारखंड सरकार समन्वय समिति सदस्य बन्धु तिर्की ने शुक्रवार को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा बचाओ मोर्चा की नवगठित समिति के मुख्य संयोजक के साथ ही सभी नौ भाषाओं के संयोजकों, सहसंयोजकों एवं प्रवक्ता का राजधानी रांची में अभिनंदन किया गया ।

दीनदयाल नगर स्थित बन्धु तिर्की के आवास पर आयोजित कार्यक्रम में 22 जुलाई को आयोजित संवाद कार्यक्रम मे घोषित मुख्य संयोजक विक्की मिंज के साथ ही प्रवक्ता डॉ. दिनेश कुमार दिनमणि को भी सम्मानित किया गया.

रांची विश्वविद्यालय की जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ हरि उरांव और खालिद अहमद की उपस्थिति में विभिन्न भाषाओं के संयोजकों एवं सहसंयोजकों का भी अभिनंदन किया गया. इनमें मुंडारी भाषा के संयोजक बिनाधर सांडिल एवं सह संयोजक सेरोफिना हेमरोम और लेबयान मुंडू, कुरमाली भाषा के संयोजक कुमार रिषि और सह संयोजक संतोष टिडुआर और जगतपाल महतो, नागपुरी भाषा के संयोजक विकी मिंज और सह संयोजक पप्पू कुमार महतो और धीरज नायक, कुँडुख भाषा के संयोजक प्रियंका उरांव और सह संयोजक सुखराम उरांव एवं जगदीश उरांव, संथाली भाषा के संयोजक डॉ. डुमनी माई मुर्मू और सह संयोजक नारायण मरांडी, सलमा टुडू और दिव्या मुर्मू, खोरठा भाषा के संयोजक डॉ. दिनेश दिनमणि और सह संयोजक डॉ. बसंत कुमार और परशुराम मानकी, खड़िया भाषा के संयोजक बंदना सोरेंगे और सह संयोजक सोनिया कल्लू और किरण डुंगडुंग, पंचपरगनिया भाषा के संयोजक डॉ. एंथोनी मुंडा और सह संयोजक सहदेव महतो और विद्यासागर यादव के साथ ही, हो भाषा के संयोजक डॉ. सरस्वती गगराई और सह संयोजक डॉ. जय किशोर मंगल और कृष्णा हेम्ब्रम शामिल हैं.

उन्होंने कहा मुझे विश्वास है कि नयी कमेटी पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और विशेषज्ञता के साथ काम करेगी और सभी झारखण्डी भाषाओं के संयोजकों एवं सह संयोजकों के बीच सटीक समन्वय होगा.

घूस लेते कैमरे में कैद हुए तीन ट्रैफिक पुलिसकर्मी निलंबित, जांच के आदेश

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। शहर में ट्रैफिक जांच अभियान के दौरान कथित रूप से रिश्वत लेने का मामला सामने आने के बाद पुलिस विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। वायरल वीडियो के आधार पर जमशेदपुर के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. एहतेशाम वकारिब ने ट्रैफिक शाखा के असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर ललन सिंह तथा आरक्षी प्रकाश कुमार और पंकज कुमार को सस्पेंड कर विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। जानकारी के अनुसार, बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान के समीप गुरुवार सुबह ट्रैफिक पुलिस की वाहन जांच चल रही थी। लंबे अंतराल के बाद शुरू किए गए इस अभियान के दौरान बिना हेलमेट चल रहे एक बाइक सवार को रोककर पूछताछ की गई। आरोप है कि कार्रवाई का भय दिखाकर उससे अवैध रूप से रुपये की मांग की गई। बाद में पुलिसकर्मियों ने कैमरे की नजर से बचने का प्रयास करते हुए उससे रुपये भी ले लिए। हालांकि पूरी घटना किसी व्यक्ति द्वारा कैमरे में रिकॉर्ड कर ली गई। कुछ ही देर में वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया,जिसके बाद मामला पुलिस मुख्यालय तक पहुंच गया।

वीडियो सामने आने के बाद एसएसपी डॉ.एहतेशाम वकारिब ने मामले को गंभीरता से लेते हुए ट्रैफिक डीएसपी नीरज पाठक से विस्तृत रिपोर्ट मांगी। प्रारंभिक रिपोर्ट मिलने के बाद एसएसपी ने तीनों पुलिसकर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही पूरे प्रकरण की विभागीय जांच शुरू कर दी गई है।

राज्य में 720 नई एंबुलेंस खरीदेगा स्वास्थ्य विभाग

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए राज्य सरकार ने 720 नई एंबुलेंस खरीदने का निर्णय लिया है। इनमें एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस), बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और पेशेंट ट्रांसपोर्ट व्हीकल (पीटीवी) शामिल हैं। इस संबंध में शुक्रवार को नेपाल हाउस में स्वास्थ्य विभाग के अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

बैठक में एंबुलेंस खरीद, संचालन व्यवस्था और निविदा प्रक्रिया की विस्तृत समीक्षा की गई। अपर मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नई एंबुलेंसों की खरीद के लिए टेंडर प्रक्रिया एक माह के भीतर पूरी की जाए, ताकि इन्हें जल्द से जल्द स्वास्थ्य सेवाओं में शामिल किया जा सके। बैठक में पूर्व में स्वीकृत 30 एडवांस लाइफ सपोर्ट (एएलएस) एंबुलेंसों की खरीद प्रक्रिया जारी रखने के साथ 20 अतिरिक्त एएलएस, 270 बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) एंबुलेंस और 400 पेशेंट ट्रांसपोर्ट व्हीकल (पीटीवी) खरीदने का निर्णय लिया गया। इस प्रकार कुल 720 नई एंबुलेंस राज्य के स्वास्थ्य तंत्र में शामिल की जाएंगी।

अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि नई एंबुलेंस के शामिल होने से राज्य की आपात चिकित्सा एवं रेफरल व्यवस्था को उल्लेखनीय मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कई पुराने और जर्जर वाहनों के कारण विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) से मरीजों को समय पर बड़े अस्पतालों तक पहुंचाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को दूर करने के उद्देश्य से 400 पेशेंट ट्रांसपोर्ट व्हीकल खरीदे जा रहे हैं, जिन्हें राज्य के सीएचसी और पीएचसी स्तर पर उपलब्ध कराया जाएगा।

उन्होंने बताया कि निर्णय के अनुसार पीटीवी का संचालन आउटसोर्स व्यवस्था के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) प्रत्येक वाहन के संचालन पर प्रतिमाह 50 हजार रुपये उपलब्ध कराएगा। वहीं एडवांस लाइफ सपोर्ट एंबुलेंसों की तैनाती सदर अस्पतालों और मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में की जाएगी, जबकि बेसिक लाइफ सपोर्ट एंबुलेंसों का संचालन चयनित एजेंसी के माध्यम से होगा।

बैठक के दौरान अपर मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी एएलएस एंबुलेंस अत्याधुनिक जीवनरक्षक उपकरणों से सुसज्जित हों तथा उनकी खरीद और संचालन में निर्धारित गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य मरीजों को समय पर और गुणवत्तापूर्ण आपात चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है, ताकि दुर्घटना, गंभीर बीमारी अथवा अन्य आपात स्थितियों में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित की जा सकें।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग की विशेष सचिव डॉ. नेहा अरोड़ा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के मिशन निदेशक शशि प्रकाश झा, संयुक्त सचिव ललित मोहन शुक्ला, उप सचिव ध्रुव प्रसाद सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

विधि पोर्टल 2.0 लॉन्च : झारखंड में सरकारी मुकदमों के डिजिटल प्रबंधन को मिलेगी नई रफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार ने सरकारी न्यायालयीन प्रकरणों के समग्र और प्रभावी डिजिटल प्रबंधन की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए विधि पोर्टल 2.0 का शुभारंभ किया। झारखंड उच्च न्यायालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में महाधिवक्ता रोहिताश्व रॉय ने पोर्टल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर सचिव आईटी पूजा सिंघल, सचिव, विधि विभाग नीरज कुमार श्रीवास्तव, वरीय एएजी अच्युत केशव सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में विकसित ह्वाविधि पोर्टल 2.0ह्न को राज्य की डिजिटल सुशासन यात्रा में एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है। यह पोर्टल आधुनिक तकनीक के माध्यम से सरकारी मुकदमों के प्रबंधन को अधिक पारदर्शी, दक्ष और जवाबदेह बनाने में मदद करेगा।

नए पोर्टल के जरिए विभिन्न विभागों, विधि विभाग, महाधिवक्ता कार्यालय और सरकारी अधिवक्ताओं को एकीकृत डिजिटल मंच पर जोड़ा गया है। इसमें रियल-टाइम मॉनिटरिंग, स्वचालित अलर्ट, स्मार्ट कार्य प्रवाह और उन्नत विश्लेषण जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जो समयबद्ध निर्णय और प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करेंगी।

पोर्टल के इस संस्करण में 20 से अधिक नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं। इनमें ई-कोर्ट्स प्रणाली के साथ एकीकरण, स्मार्ट कॉज लिस्ट, दैनिक-साप्ताहिक केस डाइजेस्ट, एग्जीक्यूटिव डैशबोर्ड, केंद्रीकृत नोटिस प्रबंधन और मोबाइल एप जैसी सुविधाएं शामिल हैं। साथ ही भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कानूनी विश्लेषण को भी इसमें शामिल करने की योजना है।

महाधिवक्ता रोहिताश्व रॉय ने कहा कि यह पोर्टल राज्य में मुकदमों के बेहतर प्रबंधन और न्यायालयों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं सचिव पूजा सिंघल ने इसे तकनीक आधारित पारदर्शी शासन व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

पोर्टल के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी विभागों के अधिकारियों और उपयोगकर्ताओं को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षण भी दिया जाएगा, ताकि इसकी सभी सुविधाओं का अधिकतम लाभ लिया जा सके।

संक्षिप्त खबरें

सीसीएल के कर्मचारियों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन

रांची(बिभा) : सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के विभिन्न क्षेत्रों के श्रेणी-1 कर्मचारियों के कौशल उन्नयन के उद्देश्य से बीटीआई, भुरकुंडा द्वारा 20 से 24 जुलाई, 2026 तक कौशल विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वित्तीय वर्ष 2026-27 के दौरान सीसीएल के मानव संसाधन विकास (एचआरडी) विभाग के मार्गदर्शन में बीटीआई द्वारा आयोजित की जा रही कौशल विकास पहलों की श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कार्यक्रम का समापन समारोह शुक्रवार को आयोजित किया गया, जिसमें रंजय सिन्हा, महाप्रबंधक (खनन), बरका-सयाल क्षेत्र, एम. एफ. हक, महाप्रबंधक (एचआरडी), सीसीएल तथा विकास कुमार सिंह, मुख्य प्रबंधक (एचआरडी) सहित बीटीआई, भुरकुंडा के अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों ने प्रतिभागियों से परिचय प्राप्त किया, उनसे संवाद स्थापित किया तथा उन्हें अपने कौशल का निरंतर विकास करने और भविष्य की कार्य आवश्यकताओं के अनुरूप स्वयं को तैयार रखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को कक्षा आधारित प्रशिक्षण के साथ-साथ कंप्यूटर पर व्यावहारिक (हैंड्स-ऑन) प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। इस कौशल विकास कार्यक्रम में कुल 63 कर्मियों ने भाग लिया।

किसानों के बीच उन्नत बीज का वितरण

रांची(बिभा)। दलहन, मक्का एवं अरहर संबंधी अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाओं की जनजातीय उप योजना के तहत शुक्रवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में चान्हो और बुढ़मू प्रखंड के 80 किसानों के बीच मकई, उड़द एवं अरहर के लगभग 550 किलो उन्नत बीज वितरित किए गए। यह सभी जनजातीय किसान हैं। उन्हें राइजोबियम कल्चर एवं बीज उपचार की दवा भी वितरित की गई। वितरण कार्य कुलपति डॉ एससी दुबे, अनुसंधान निदेशक डॉ पीके सिंह और संबंधित परियोजनाओं के वैज्ञानिकों ने किया। वैज्ञानिकों ने किसानों को फसल उत्पादन एवं प्रबंधन की वैज्ञानिक तकनीक की भी जानकारी दी।

सड़क सुरक्षा-सिविक सेंस के लिए रांची में वॉकथॉन, उत्कृष्ट यातायात कर्मी सम्मानित

रांची(बिभा)। सड़क सुरक्षा और नागरिकों में सिविक सेंस को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुक्रवार को मोरहाबादी मैदान से अल्बर्ट एक्का चौक तक सड़क सुरक्षा वॉकथॉन का आयोजन किया गया। इसके साथ ही बेहतर कार्य करने वाले यातायात कर्मी और जवानों को सम्मानित किए गए। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिवहन विभाग के सचिव राजीव रंजन ने सभी प्रतिभागियों को सड़क सुरक्षा की शपथ भी दिलाई। उन्होंने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जनभागीदारी और अनुशासित यातायात व्यवहार आवश्यक है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने, जिम्मेदार नागरिक व्यवहार को प्रोत्साहित करने, उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों और प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करना रहा। इधर, वॉकथॉन के दौरान सबसे पहले बापू वाटिका से शुरू हुए पैदल मार्च में प्रतिभागियों को यातायात नियमों का पालन, हेलमेट और सीट बेल्ट का नियमित उपयोग, ट्रैफिक संकेतों का सम्मान और सार्वजनिक स्थलों पर जिम्मेदार नागरिक व्यवहार अपनाने का संदेश दिया गया। सड़क सुरक्षा विषयक पेंटिंग और निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया। साथ ही रांची शहर में यातायात व्यवस्था को प्रभावी ढंग से संचालित करने वाले उत्कृष्ट यातायात पुलिस पदाधिकारियों और जवानों को प्रशस्ति पत्र और हेलमेट देकर सम्मानित किया गया। कांटाटोली, लालपुर, फिरायालाल, मुंडा चौक, रेडियम चौक, जाकिर हुसैन पार्क और अन्य प्रमुख यातायात स्थलों पर तैनात पुलिसकर्मियों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मान मिला। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थी, खिलाड़ी, स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित बड़ी संख्या में आम लोग शामिल थे।

राज्य सहकारी विकास समिति की बैठक में 15 महत्वपूर्ण एजेंडों पर हुआ विचार-विमर्श

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्य सचिव अविनाश कुमार ने राज्य सहकारी विकास समिति की अध्यक्षता में शुक्रवार को समिति की चौथी बैठक हुई।

बैठक में झारखंड में सहकारिता क्षेत्र के विस्तार, आधुनिकीकरण, विविधीकरण एवं संस्थागत सुदृढ़ीकरण से संबंधित कुल 15 महत्वपूर्ण एजेंडों पर विचार-विमर्श किया गया। उसमें केन्द्र प्रायोजित योजना के अंतर्गत पैक्स (पीसीपीएस) के कम्प्यूटरीकरण,विश्व की सबसे बड़ी विकेन्द्रीकृत अन्न भंडारण योजना के पायलट प्रोजेक्ट के लिए जिला एवं एमपीसीएस का चयन, प्रत्येक जिला एवं अंचल में प्रतिमाह कम-से-कम दो पंचायत अथवा ग्राम स्तरीय दुग्ध एवं मत्स्य उत्पादक सहयोग समितियों के गठन तथा सहकारी बैंकों द्वारा 'सहकार से समृद्धि' की विभिन्न पहलों के क्रियान्वयन पर चर्चा की गई।

इसके अलावा पीएसीएस व एमपीसीएस को जन-सुविधा केन्द्र (सीएससी) एवं प्रधानमंत्री किसान समृद्धि केन्द्र के रूप में विकसित करने,दुग्ध उत्पादक एवं मत्स्यपालन सहयोग समितियों की त्रिस्तरीय संरचना स्थापित करने तथा कम्प्यूटरीकृत 240 एमपीसीएस में डिपॉजिट मोबाइलेजेशन स्कीम प्रारम्भ करने पर विचार किया गया। वहीं निबंधक,सहयोग समितियों के कार्यालयों के कम्प्यूटरीकरण तथा प्रस्तावित झारखण्ड राज्य सहकारिता नीति पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सभी प्रस्तावों की वर्तमान स्थिति से समिति को अवगत कराया गया। प्रत्येक एजेंडे पर विस्तृत समीक्षा के उपरान्त आवश्यक निर्णय लिए गए तथा संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को निर्धारित कार्यों का समयबद्ध एवं प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया।

बैठक में सचिव,कृषि,पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, सचिव, एससीडीसी, वित्त विभाग, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग, झारखण्ड राज्य सहकारी बैंक के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, धनबाद केन्द्रीय सहकारी बैंक के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी एवं अन्य संबंधित निगमों सहित नाबार्ड व अन्य संबंधित संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

रांची विश्वविद्यालय की वित्त समिति की बैठक संपन्न

रांची(बिभा): रांची विश्वविद्यालय की वित्त समिति की बैठक शुक्रवार को कुलपति कार्यालय में कुलपति प्रो सरोज शर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में वित्तीय सलाहकार, कुलसचिव, वित्त पदाधिकारी सहित समिति के अन्य सदस्य एवं विशेष आमंत्रित सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में विश्वविद्यालय से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण वित्तीय एवं प्रशासनिक विषयों पर विचार-विमर्श किया गया, जिनमें संविदा कर्मियों के मानदेय में वृद्धि, सातवें वेतनमान का भुगतान, विभिन्न बैंक खातों की समीक्षा, स्थापना दिवस के व्यय की स्वीकृति, तथा 39वें दीक्षांत समारोह हेतु बजट स्वीकृति जैसे विषय प्रमुख रहे। इसके अतिरिक्त घटक महाविद्यालयों हेतु आकस्मिक निधि वृद्धि एवं अन्य प्रशासनिक विषयों पर भी अनुमोदन प्रदान किया गया। कुलपति ने विश्वविद्यालय के वित्तीय प्रबंधन को सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाए रखने पर बल दिया।

चेन छिनतई गिरोह का खुलासा, दो गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। रांची पुलिस ने महिलाओं से चेन छिनतई करने वाले एक संगठित गिरोहका खुलासा करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में बीआईटी सिरतनगर निवासी सद्दाम अंसारी और बीआईटी मोड़ स्थित ज्वेलरी दुकानदार रमेश प्रसाद स्वर्णकार शामिल हैं।

डीएसपी अमर कुमार पांडेय ने शुक्रवार को बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि चोरी की बाइक पर सवार अपराधी नामकुम की ओर आ रहे हैं। सूचना के आधार पर रेलवे फ्लाईओवर के पास वाहन जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान एक युवक को बाइक पर आते देख रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन वह भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। जांच में बाइक चोरी की निकली और उसका चेसिस नंबर भी मिटाया गया था। पूछताछ में सद्दाम अंसारी ने बताया किया कि बाइक दो माह पहले पतरातु पार्क के पास से चोरी की गई थी और इसी वाहन का इस्तेमाल रांची के विभिन्न थाना क्षेत्रों में महिलाओं से सोने की चेन छिनने के लिए किया जाता था।

आरोपित की निशानदेही पर उसके घर से एक चोरी की टीवीएस स्कूटी भी बरामद की गई। पूछताछ में उसने नामकुम, कांके, लालपुर और बरियातू थाना क्षेत्र में वर्ष 2026 के दौरान हुई कई चेन स्नैचिंग की घटनाओं में अपनी संलिप्तता स्वीकार की।

सद्दाम ने बताया कि छीने गए सोने के आभूषण बीआईटी मेसरा चौक स्थित वर्मा ज्वेलर्स के संचालक रमेश प्रसाद स्वर्णकार को कम कीमत पर बेच दिए जाते थे। पुलिस ने दुकान पर छापेमारी कर करीब 19 ग्राम गलाया हुआ सोना बरामद किया और दुकानदार को भी गिरफ्तार कर लिया।

साथ ही पुलिस ने आरोपितों के पास से एक हीरो पैशन प्रो बाइक, एक टीवीएस स्कूटी जब्त किया है।

प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि गिरोह चोरी के वाहनों का इस्तेमाल कर महिलाओं से चेन छिनतई करता था और लूटे गए गहनों को ज्वेलरी दुकानों में खपाता था। मामले में गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी जारी है।

लिंक लाइन लोधमा और इलू-सिल्ली योजना के लिए समय सीमा के भीतर दें मुआवजा : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रांची। उपायुक्त भजन्त्री की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित सभागार में शुक्रवार को जिले में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं, भू-अर्जन कार्यों, राष्ट्रीय राजमार्ग, रेलवे एवं फ्लाईओवर परियोजनाओं की प्रगति से संबंधित समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों एवं कार्यकारी एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने परियोजनावार अद्यतन स्थिति की जानकारी दी। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने कहा कि जनहित से जुड़ी आधारभूत संरचना परियोजनाओं का समय पर पूरा होना राज्य के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी विभागों को समन्वित रूप से कार्य करते हुए लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने और परियोजनाओं में आ रही बाधाओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने के निर्देश दिया।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने नारो-टिकराटोली परियोजना के अंतर्गत शेष रैयतों को मुआवजा भुगतान जल्द पूरा करने को कहा, ताकि निर्माण कार्य की गति प्रभावित न हो। साथ ही कोयलारी-रामपुर इंटरचेंज परियोजना में मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया में और तेजी लाने के निर्देश दिया।

बैठक में रेलवे से संबंधित लिंक लाइन लोधमा और इलू-सिल्ली परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने दोनों परियोजनाओं में लंबित मुआवजा भुगतान को निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्यों में लापरवाही या शिथिलता पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मियों की जवाबदेही निर्धारित की जाएगी।

वहीं पथ निर्माण विभाग की ओर से संचालित फ्लाईओवर और अन्य सड़क परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान कांटाटोली-सिरमटोली फ्लाईओवर सहित विभिन्न निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति पर विस्तार से चर्चा हुई। उपायुक्त ने सभी परियोजनाओं में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के साथ नियमित मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों की प्रगति में भूमि अधिग्रहण और मुआवजा भुगतान की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, इसलिए पात्र रैयतों को मुआवजा राशि का भुगतान प्राथमिकता के आधार पर किया जाए।

झारखंड में निजी अस्पतालों की मनमानी फीस पर लगेगा अंकुश, इलाज की दरों के लिए जल्द लागू होगी एसओपी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड सरकार मरीजों के हितों की सुरक्षा और निजी अस्पतालों में उपचार शुल्क की पारदर्शिता सुनिश्चित करने की दिशा में बड़ा कदम उठाने जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार जल्द ही आईसीयू सहित विभिन्न उपचारों की दरों के निर्धारण के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू करेगी। इसके लागू होने के बाद निजी अस्पताल मनमाने ढंग से इलाज का शुल्क नहीं वसूल सकेंगे और मरीजों को उपचार की दरों में अधिक पारदर्शिता मिलेगी।

शुक्रवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रस्तावित व्यवस्था लागू होने के बाद झारखंड में निजी अस्पतालों की मनमानी फीस पर प्रभावी अंकुश लगेगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय विशेष रूप से आम, गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बड़ी राहत साबित होगा, जिन्हें गंभीर बीमारी या आपातकालीन उपचार के दौरान अत्यधिक चिकित्सा खर्च का सामना करना पड़ता है।

डॉ. अंसारी ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य सभी मरीजों को पारदर्शी, सुलभ और सम्मानजनक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि इलाज के दौरान आर्थिक शोषण की किसी भी आशंका को समाप्त करना सरकार की प्राथमिकता है। इसी सोच के तहत उपचार शुल्क को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने की दिशा में यह पहल की जा रही है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक सुधार के लिए लगातार कार्य कर रही है। मरीजों के अधिकारों की रक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक जवाबदेह, जनहितैषी तथा आम लोगों की जरूरतों के अनुरूप बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार जल्द ही मरीजों के हित में एक और महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय लेने जा रही है, जिसकी घोषणा उचित समय पर की जाएगी। उनका कहना था कि सरकार का प्रयास केवल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करना नहीं, बल्कि उन्हें अधिक पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण और आमजन की पहुंच के भीतर बनाना भी है।

डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि जनता का विश्वास ही सरकार की सबसे बड़ी ताकत है। इसी विश्वास के आधार पर राज्य सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार के लिए लगातार निर्णायक कदम उठा रही है और भविष्य में भी मरीजों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक नीतिगत फैसले लिए जाते रहेंगे।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई–निविदा सूचना संख्या: **GEM/2026/ B/7790110**
धनबाद, दिनांक 22.07.2026

वरिष्ठ मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय), पूर्व मध्य रेल धनबाद के द्वारा निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–खुली निविदा (e-open tender) Two Packet System में GeM Portal में आमंत्रित की जाती है। **1. कार्य का नाम:** धनबाद मंडल के किसी भी डिपो से भारतीय रेलवे के किसी भी डिपो, इकाई, स्टोर अथवा उत्पादन इकाई तक एवं इनके विपरीत, 20 टन या अधिक क्षमता वाले ट्रक के माध्यम से बोगी, व्हील सेट, एम.एस. शीट तथा अन्य रेलवे सामग्री के सड़क परिवहन कार्य का आउटसोर्सिंग। **2. GEM मेंआइटम श्रेणी/ सेवा विवरण:** माल परिवहन सेवा – प्रति मी.टन प्रति कि.मी. दर आधारित सेवा रेलवे सामग्री यथा बोगी, व्हील सेट, एम.एस. शीट आदि के लिए न्यूनतम 20 टन क्षमता के ओपन बॉडी टॉरस/प्लेटफॉर्म ट्रक/फ्लैटबेड ट्रक, 20 टन या अधिक। **3. G E M बोली संख्या एवं दिनांक:** जी ई एम/ 2026/बी/7790110, दिनांक: 21.07.2026. **4. संविदा की अवधि:** 24 माह। **5. कार्य– स्थान:** बेस डिपो – वैगन डिपो, बरवाडीह, धनबाद डिवीजन के अंतर्गत। **6. विज्ञापित निविदा मूल्य:** मात्र रुपये 1,71,97,250.00 (एक करोड़ इकहत्तर लाख सतानवे हजार दो सौ पचास रुपये मात्र)। **7. बयाना राशि (निविदा सूचना के तदनुसार):** मात्र 3,44,000 रुपये (तीन लाख चवालीस हजार रुपये मात्र)। **8. ई–निविदा जमा करने का तारीख तथा समय: तारीख 21.07.2026 से 11.08.2026 को 20:00 बजे तक। 9. ई–निविदा खुलने का तारीख तथा समय:** 11.08.2026 को 20:30 बजे। **10. वेब साइट विवरण:** http://www.gem.gov.in (ई–निविदा के तहत मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं की जाएगी।)

वरीय मण्डल यांत्रिक अभियंता (समन्वय)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद
पीआर/0603/डीएचएन/सीएण्डडब्लू/टी/26–27/44

श्रद्धा और उल्लास के साथ निकली भगवान जगन्नाथ की बहुड़ा यात्रा

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो इस्पात नगर में भगवान जगन्नाथ की बाहुड़ा यात्रा (वापसी यात्रा) शुक्रवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के वातावरण में संपन्न हुई। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भ्राता बलभद्र के दर्शन कर रथ खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया। पूरे मार्ग में भक्तिमय माहौल बना रहा और जय जगन्नाथ के जयघोष से शहर गूंज उठा।

बाहुड़ा यात्रा से पूर्व भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद मंदिर प्रांगण से देव प्रतिमाओं को ससम्मान बाहर लाकर आकर्षक ढंग से सुसज्जित रथ पर विराजमान कराया गया। यात्रा शुरू होने से पहले परंपरा के अनुसार बोकारो इस्पात संयंत्र के अधिशासी निदेशक (सामग्री प्रबंधन) ने 'छेरा-पन्हारा' की रस्म निभाते हुए रथ की विधिवत सफाई की।

जनवृत्त-1 स्थित राम मंदिर परिसर से बाहुड़ा यात्रा का शुभारंभ हुआ। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ रथ को खींचते हुए यात्रा में भाग लिया। यात्रा पत्थरकट्टा चौक, गांधी चौक (सिटी सेंटर) और बोकारो जनरल अस्पताल मार्ग से होकर जगन्नाथ मंदिर पहुंची। पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रही और धार्मिक भजनों व जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

यात्रा के दौरान विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं, बोकारो महिला समिति और शहर के कई सामाजिक संगठनों ने श्रद्धालुओं के लिए पेयजल एवं शीतल शरबत की व्यवस्था की। इस सेवा कार्य की श्रद्धालुओं ने सराहना की। कार्यक्रम में बोकारो महिला समिति की सदस्याओं, शहर के गणमान्य नागरिकों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की सक्रिय भागीदारी रही।

बोकारो इस्पात संयंत्र की ओर से आयोजित यह धार्मिक आयोजन शहर की सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकजुटता को मजबूत करने का माध्यम बना। बाहुड़ा यात्रा ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज में आपसी सौहार्द, भाईचारे, सेवा भावना और सामुदायिक सहभागिता को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सेल कर्मचारी की मौत के आठ दिन बाद भी चल रहा धरना, पूर्व विधायक लम्बोदर महतो पहुंचे आंदोलन स्थल

बिभा संवाददाता

बोकारो । बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) में 30 जून को हुए हादसे में घायल होकर भर्ती किए गए एक इरछ कर्मचारी की उपचार के दौरान आठ दिन पहले मृत्यु हो जाने के बावजूद परिजन न्याय की आस लगाकर हड़ताल और धरना-प्रदर्शन जारी रखे हुए हैं। मृतक का शव अभी भी बीजीएच के मर्चरी में रखा हुआ है और परिजन नियोजन (प्लांट में नियुक्ति) व मुआवजे की मांग पर अड़े हुए हैं।

आजसू के पूर्व विधायक डॉ. लम्बोदर महतो धरना स्थल पर पहुँचे और घटना की गम्भीरता पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यदि मृतक के आश्रित को नियोजन प्रदान नहीं किया गया तो और बड़ा आंदोलन किया जाएगा, जिसकी सारी जवाबदेही बोकारो स्टील प्लांट प्रबंधन की होगी। महतो ने बीएसएल प्रबंधन के रवैये को तानाशाही करार देते हुए सरकार और जिला प्रशासन की संवेदनहीनता पर भी सवाल उठाए।

आंदोलन के दौरान मृतक के परिजन, आश्रित परिवार और स्थानीय विस्थापितों ने प्लांट के एडियम बिल्डिंग के गेट को जाम कर दिया। भारी भीड़ व सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सीआईएसएफ के कई जवान तैनात किए गए थे ताकि स्थिति नियंत्रण में रहे।

घटना के संबंध में जानकारी देते हुए परिजनों ने बताया कि मृतक की पत्नी अनशन पर बैठी हुई है। परिजनों का कहना है कि नियम के अनुसार मृतक कर्मी के एक आश्रित सदस्य को प्लांट में नियुक्ति मिलनी चाहिए, परन्तु अब तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया गया है। मृतक का नाम सुभाष मोदी बताया गया है और वे उसी प्लांट के कर्मचारी थे। डॉ. लम्बोदर महतो ने कहा कि आज एक आदिवासी महिला अनशन पर बैठी है, उनके पति सुभाष मोदी हादसे में घायल हुए थे और इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने आगे कहा कि न तो राज्य सरकार और न ही जिला प्रशासन इस मामले में संवेदनशीलता दिखा रहा है, वहीं यूनियन भी परेशान परिवारों को न्याय दिलाने में गंभीर नहीं दिख रही है। महतो ने आश्वासन दिया कि वे इस मामले को केंद्र सरकार के समक्ष भी उठाएंगे ताकि पीड़ित परिवारों को न्याय और नियोजन मिल सके। मौके पर गोमिया पूर्व विधायक डॉ. लम्बोदर महतो, आजसू जिला अध्यक्ष सचिन महतो, अजय सिंह आजसू केंद्रीय सदस्य, अशोक महतो आजसू नेता सहित परिजन लोग मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

एमजीएम स्कूल के संस्थापक सदस्य पी. ए. जकारिया को दी गई श्रद्धांजलि

बोकारो(बिभा)। एमजीएम हायर सेकेंड्री स्कूल सेक्टर चार एफ में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। स्कूल के प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस, शिक्षक, शिक्षिकाओं व विद्यार्थियों ने उनकी तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस ने कहा कि पीए जाकरिया 1968 में बोकारो आए। यहां अपने व्यवसाय की शुरूआत की। वह एमजीएम हायर सेकेंडरी स्कूल के संस्थापक सदस्य रहे। उन्होंने क्षेत्र में शिक्षा का अलख जगाया। वह एक सफल व्यवसायी व मृदुभाषी व्यक्ति थे। वह बोकारो रोटरी के आजीवन सदस्य रहे। उन्होंने क्लब के अध्यक्ष पद को भी सुशोभित किया। वह अपने पीछे दो बेटी छोड़ गए हैं। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक निवास केरल में सोमवार को किया जाएगा। रांची में इलाज के दौरान हृदय गति रुकने से उनकी मृत्यु हो गई। उनके निधन से बोकारो में शोक की लहर दौड़ गई। उन्होंने उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। इधर बोकारो के ईसाई समुदाय के लोगों ने बोकारो के सेक्टर चार स्थित सेंट मेरी चर्च में उनके अंतिम दर्शन किए। एमजीएम स्कूल के प्राचार्य फादर डा.जोशी वर्गीस, सेंत मेरी नर्सरी स्कूल के प्राचार्य फादर दीनू एम डैनियल, एमजीएम बालवाड़ी के प्राचार्य बी तिवारी, उप प्राचार्या राखी बनर्जी, हेडमिस्ट्रेस सपना जोशी, सेंट मेरी स्कूल एवं एमजीएम स्कूल के शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी व ईसाई समुदाय के लोगों ने उनका अंतिम दर्शन किया। उन्होंने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया।

मॉर्निंग वॉक पर निकली वृद्धा से चेन झपटी

बोकारो(बिभा)। बोकारो के सिटी थाना क्षेत्र स्थित कैंप-2 इलाके में शुक्रवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली एक वृद्ध महिला से चेन झपटने की घटना सामने आई। घटना सुबह करीब 6:15 बजे की है। पीड़िता रामदुलारी देवी ने बताया कि वह रोज की तरह मॉर्निंग वॉक कर घर लौट रही थीं। इसी दौरान पीछे से लाल गमछा बांधे एक युवक ने उनके गले की चेन झपटने की कोशिश की। पहली बार में चेन नहीं निकलने पर महिला सड़क पर गिर गईं। इसके बाद आरोपी ने दोबारा झपट्टा मारकर करीब 10 से 15 ग्राम वजन की सोने की चेन छीन ली। पीड़िता के अनुसार, घटना के दौरान एक अन्य युवक काला गमछा बांधे मोटरसाइकिल पर कुछ दूरी पर खड़ा था। वारदात के बाद दोनों आरोपी बाइक से फरार हो गए। महिला के शोर मचाने पर आसपास के लोग पहुंचे, लेकिन तब तक बदमाश निकल चुके थे। सिटी डीएसपी राजीव रंजन ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी। पुलिस फिलहाल यह स्पष्ट नहीं कर रही है कि वारदात में शामिल आरोपी स्थानीय हैं या बाहर से आए थे। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर जांच की जा रही है। लगातार हो रही चेन छिनतई की घटनाओं से इलाके के लोगों में दहशत का माहौल है।

डीएवी स्पोर्ट्स क्लस्टर स्तरीय खेल प्रतियोगिता के लिए 1700 खिलाड़ियों की मेजबानी को विद्यालय पूरी तरह तैयार

बोकारो(बिभा)। डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर-4 में आयोजित होने वाले डीएवी स्पोर्ट्स क्लस्टर लेवल की तैयारियाँ अंतिम चरण में हैं। इस भव्य खेल आयोजन में डीएवी बीएनएस गिरिडीह, डीएवी सीसीएल गिरीडीह, डीएवी बीएनएस जुनियर विंग गिरीडीह, डीएवी डोरी, डीएवी इस्पात 12/ई, डीएवी इस्पात 2/सी, डीएवी इस्पात 8/बी, डीएवी इस्पात 9/ई, डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-4, डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर -6 के लगभग 1700 खिलाड़ी विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा, कौशल और खेल भावना का प्रदर्शन करने के लिए शिरकत करेंगे। खिलाड़ियों के स्वागत, आवासन, खान-पान, सुरक्षा तथा प्रतियोगिताओं के सुचारु संचालन को लेकर विद्यालय प्रबंधन द्वारा व्यापक और पुख्ता तैयारियाँ की जा रही हैं। खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएँ उपलब्ध कराने के लिए विद्यालय के प्लेग्राउंड, टेनिस कोर्ट एवं अन्य खेल परिसरों को सुव्यवस्थित किया जा रहा है। आयोजन को सफल बनाने के लिए प्रत्येक छोटी-बड़ी आवश्यकता, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य बारीकियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयोजन समिति के सदस्य एवं शिक्षक पूरी तत्परता, सजगता और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं, ताकि प्रतिभागी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट एवं यादगार अनुभव प्राप्त हो सके।

भाजपा ने झारखंड भर्ती घोटालों के विरोध में बोकारो में जुलूस निकालकर राहुल गांधी का पुतला फूंका

बिभा संवाददाता

बोकारो : झारखंड में जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल और उत्पाद सिपाही सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को प्रदेशव्यापी आंदोलन किया। इसी कड़ी में भाजपा बोकारो जिला अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र राज व पूर्व विधायक बिरंची नारायण के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने नया मोड़, बिरसा चौक पर कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी का पुतला दहन कर राज्य सरकार और कांग्रेस की 'चुप्पी' पर जमकर नारेबाजी की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक बिरंची नारायण ने कहा कि ₹झारखंड के लाखों युवा पिछले कई सालों से जेपीएससी और जेएसएससी की तैयारी कर रहे हैं। पेपर लीक, धांधली और परीक्षाओं के रद्द होने से उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है। कांग्रेस सरकार सत्ता में आने के बाद युवाओं से किए गए वादे भूल गई है। राहुल गांधी देशभर में 'युवा न्याय' की बात करते हैं, लेकिन अपने ही राज्य में युवाओं के साथ हो रहे अन्याय पर चुप हैं। यह दोहरा रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।₹

भाजपा बोकारो जिला अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र राज ने उत्पाद सिपाही परीक्षा में हुई गड़बड़ी को शर्मनाक बताया और कहा कि अभ्यर्थियों के साथ धोखा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जांच के नाम पर लीपापोती कर रही है और इसके खिलाफ कड़ा कदम उठाने की मांग की। डॉ. राज ने कहा, ₹हम मांग करते हैं कि सभी विवादित परीक्षाओं की सीबीआई जांच कराई जाए और दोषियों को सजा दी जाए। अगर सरकार ने युवाओं की आवाज नहीं सुनी तो भाजपा सड़क से लेकर सदन तक आंदोलन करेगी।₹प्रदर्शनकारियों ने ₹युवाओं के साथ धोखा बंद करो₹, ₹पेपर लीक करने वालों को जेल भेजो₹, ₹सभी भर्ती परीक्षाओं की निष्पक्ष और उच्च स्तरीय जांच₹, ₹पेपर लीक माफिया पर कड़ी कार्रवाई₹ तथा ₹रद्द परीक्षाओं की नई तिथि जल्द घोषित हो₹ जैसे नारे लगाए। नेता-कर्मचारियों ने परीक्षाओं में पारदर्शिता, मुआवजा देने और पुनः भरती प्रक्रिया जल्द शुरू करने की भी मांग की।

कार्यक्रम में प्रदेश व जिला स्तर के कई नेताओं और कार्यकताओं ने भाग लिया। उपस्थित नेताओं में पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष जयदेव राय, महामन्त्री संजय सिन्हा, जिला उपाध्यक्ष संजय त्यागी, गिरजा देवी, जिला मंत्री मनोज ठाकुर, विभीष सिंह, एंजेला सिंह, मंडल अध्यक्ष चंद्रशेखर सिंह, विशाल गौतम, विक्रम गोस्वामी, कमलेश राय, मनोज सिंह, विनय किशोर, भानु प्रताप सिंह चौधरी, अनिल सिंह, धनंजय चौबे, उमेश शर्मा, अवधेश यादव, विक्रम महतो, अभय कुमार गोलू, विनय कुमार, संजीव कुमार, राजेश चौबे, अजीत पाण्डेय, जय प्रकाश साव, नीरज पाण्डेय, गोविंद गोप, करमचन्द गोप, नीरज कुमार, सुनील कुमार यादव, शिव कुमार पांडे, रवि कुमार, शक्ति सिंह, दिलीप सिंह, सक्षम सिंह, भोला साव, नितिन ज्ञानचंद साहू, शंकर त्रिपाठी, राजा कुमार, कुश कुमार, अमरजीत झा, विकाश कुमार, जितेन रविदास और सरदार तेजपाल सिंह आदि प्रमुख थे।

तांतरी में स्कूल समिति का गठन

बिभा संवाददाता

बोकारो। शुक्रवार को जरीडीह प्रखंड के तांतरी उत्तरी पंचायत के धोवाटांड और नूतनडीह मिडिल स्कूल में ग्रामीण लोगों के बीच बैठक कर स्कूल प्रबंधन समिति का गठन किया गया। धोवाटांड स्कूल में सर्वमान्य से शंकर कुमार को अध्यक्ष तथा नूतनडीह स्कूल में प्रसादी सिंह को अध्यक्ष चुने गए। दोनों अध्यक्षों ने स्कूल को अच्छे समन्वय स्थापित कर चलाने की शपथ ली। मौके पर मुखिया गिरिन्द्र मिश्रा , पंसस माधुरी देवी , एचएम धीरेंद्र सिंह , दयाशंकर ठाकुर , दयानंद मिश्रा , महानंद केवट व ग्रामीण मौजूद रहे।

पर्वतपुर में सिलनक्स्ट इंफ्राकॉन के ग्रीन बिल्डिंग सेंटर यूनिट-2 का हुआ उद्घाटन

बिभा संवाददाता

तलगडिया (बोकारो)। अदानी सीमेंट के सहयोग से सिलनक्स्ट इंफ्राकॉन ने पर्वतपुर में ग्रीन बिल्डिंग सेंटर यूनिट-2 का शुभारंभ किया। यह केंद्र बोकारो एवं आसपास के क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण एवं पर्यावरण-अनुकूल निर्माण सामग्री उपलब्ध कराएगा। समारोह में लेस्ली डी सूजा, पुष्पा राज तथा निशीथ सक्सेना सहित उद्योग एवं निर्माण क्षेत्र के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में लेस्ली डी सूजा ने इस पहल को हरित निर्माण और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने वाला कदम बताया। पुष्पा राज ने गुणवत्ता एवं ग्राहक सेवा पर बल दिया, जबकि निशीथ सक्सेना ने इसे क्षेत्रीय विकास के लिए महत्वपूर्ण पहल बताया।

सिलनक्स्ट इंफ्राकॉन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनीन्द्रनाथ सिल ने कहा कि सिंदरी से धनबाद की सेवा के बाद अब पर्वतपुर से बोकारो की सेवा का नया अध्याय शुरू हो रहा है।

उन्होंने कहा हर ईंट एक सपना लेकर आती है, और हर सपने को समाज के आशीर्वाद की आवश्यकता होती है। हम केवल ईंटें नहीं, बल्कि विश्वास और विकास की नींव रख रहे हैं।

अंत में सेल्स हेड श्री आकाश सिल ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी अतिथियों, ग्राहकों, डीलरों, मीडिया प्रतिनिधियों ,ग्रामीण गणमान्य एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बोकारो चैंबर ने नगर आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज का एक प्रतिनिधिमंडल अध्यक्ष श्री मनोज चौधरी के नेतृत्व में चास नगर निगम के नगर आयुक्त संजीव कुमार से उनके कार्यालय में मिला। प्रतिनिधिमंडल ने चास शहरी क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं से अवगत कराते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की।

चैंबर के अध्यक्ष मनोज चौधरी ने कहा कि बरसात का मौसम प्रारंभ होने के साथ ही मच्छरों का प्रकोप काफी बढ़ गया है। डेंगू एवं अन्य संक्रामक बीमारियों की रोकथाम के लिए पूरे शहर में नियमित रूप से फॉगिंग कराई जानी चाहिए।

चैंबर के महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने कहा कि मुख्य सड़कों के किनारे बनी नालियों की तत्काल सफाई कराई जाए तथा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ब्लीचिंग पाउडर का नियमित छिड़काव कराया जाए। उन्होंने बताया कि गुजरात कॉलोनी की नाली बरसात के दौरान क्षतिग्रस्त होकर उखड़ गई है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसका निर्माण प्राथमिकता के आधार पर कराया जाना आवश्यक है। इसके अलावा चास शहर के कई मोहल्लों की नालियां पूरी तरह जर्जर एवं क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जिनका नए सिरे से निर्माण कराया जाना चाहिए।

नगर आयुक्त संजीव कुमार ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा उठाए गए सभी बिंदुओं पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए आश्वस्त किया कि इन समस्याओं के समाधान के लिए नगर निगम द्वारा शीघ्र ही आवश्यक एवं सकारात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रतिनिधिमंडल में विनय सिंह, सिद्धार्थ पारीख, किशन रिटोलिया, राजीव कुमार सहित चैंबर के कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

जीजीपीएस चास में अंग्रेजी कहानी वचन तथा हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो। गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल, चास में शुक्रवार को प्राइमरी विंग के कक्षा 1, 2 एवं 3 के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी कहानी वाचन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में अंग्रेजी भाषा के प्रति रुचि बढ़ाना, आत्मविश्वास विकसित करना तथा प्रभावशाली अभिव्यक्ति और उच्चारण कौशल का विकास करना था। विद्यार्थियों ने नैतिक मूल्यों पर आधारित प्रेरणादायक कहानियाँ जैसे Honesty is the real treasure", "Mobile phone addiction ", Eklavya- The True Guru Bhakt","Melodies of nature का सुंदर एवं प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण किया। सभी प्रतिभागियों ने स्पष्ट उच्चारण, उचित हाव-भाव और आत्मविश्वास के साथ अपनी कहानियाँ प्रस्तुत कीं।

दूसरी ओर प्री प्राइमरी के प्री-नर्सरी से प्रेप तक के विद्यार्थियों के लिए हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया गया। हमारे नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने आत्मविश्वास से भरपूर प्रस्तुति, स्पष्ट उच्चारण, प्रभावशाली हाव-भाव तथा आकर्षक मंच संचालन से सभी का मन मोह लिया।

विद्यालय की प्राचार्या सुमन नांगिया ने बच्चों की सराहना करते हुए उनके आत्मविश्वास, उत्साह और उत्कृष्ट प्रस्तुतियों की प्रशंसा की। उन्होंने बच्चों को भविष्य में भी ऐसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया, जिससे उनके संप्रेषण कौशल, आत्मविश्वास और व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सके। उन्होंने यह भी कहा कि कहानी केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह बच्चों में नैतिक मूल्यों, आत्मविश्वास, कल्पनाशक्ति और प्रभावी अभिव्यक्ति का विकास करती है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उन्हें नियमित रूप से पढ़ने, सुनने और आत्मविश्वास के साथ अपनी बात प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया।

भगवान जगन्नाथ की बाहुड़ा रथ यात्रा में चिन्मय विद्यालय बोकारो ने लगाया सेवा कैंप

बिभा संवाददाता

बोकारो। शुक्रवार को पूरे भारत में भगवान जगन्नाथ की बाहुड़ा रथ यात्रा मनाई गई, जिसमें भगवान जगन्नाथ, बड़े भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा अपनी मौसी के घर से वापस मुख्य मंदिर लौटे। इस दौरान बोकारो के श्री राम मंदिर से जगन्नाथ मंदिर तक भव्य रथ यात्रा निकली, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं एकत्रित हुए। इन भक्तों की सेवा करने एवं रथ यात्रा को सुगम बनाने के लिए अपने योगदान के रूप में चिन्मय विद्यालय बोकारो के चिन्मय ट्रांसफॉर्मेशन सर्कल (सीटीसी) के विद्यार्थियों ने जलपान की व्यवस्था की। विद्यार्थियों ने रथ यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को शीतल जल ग्रहण करवाया।

विद्यार्थियों के इस सकारात्मक भाव के लिए चिन्मय मिशन बोकारो की आवासीय आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंदा सरस्वती, विद्यालय के अध्यक्ष श्री बिस्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव श्री महेश त्रिपाठी, प्राचार्य श्री सूरज शर्मा, वरीय उप प्राचार्य श्री नरमेंद्र कुमार एवं उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा ने हार्दिक शुभकामनाएं दीं। विद्यार्थियों के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन के लिए उन्होंने शिक्षक संजीव मिश्रा, सुब्रता गुप्ता एवं आकांक्षा कुमारी को भी शुभकामनाएं दी।

सुरक्षित मातृत्व अभियान में राज्य में सर्वश्रेष्ठ बना रामगढ़ जिला

बिभा संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिले के सरकारी अस्पतालों में सुरक्षित मातृत्व अभियान में चिकित्सकों की भूमिका काफी अहम है। चिकित्सकों और मेडिकल स्टाफ की इमानदारीपूर्वक दी गई सेवा का लाभ भी उन्हें मिल रहा है। पूरे झारखंड में रामगढ़ जिला सुरक्षित मातृत्व अभियान चलाने मैं सर्वश्रेष्ठ घोषित किया गया है। शुक्रवार को डीसी ऋतुराज ने स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सभी लोगों को इस सफलता के लिए शुभकामनाएं दी हैं। डीसी ने बताया कि रामगढ़ सदर अस्पताल, सीएचसी और पीएचसी में हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्ण देखभाल की जा रही है। इससे रामगढ़ जिले ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है।

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति (स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग) ने रामगढ़ जिले को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान सेवाओं के तहत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाला जिला घोषित किया गया है। रामगढ़ जिले की तरफ से डॉ विश्वनाथ उरांव और प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी गोला डॉक्टर अपराजित ने पुरस्कार ग्रहण किया। यह प्रतिष्ठित सम्मान जिले को वर्ष 2026 की पहली तिमाही में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने, उच्च गुणवत्ता वाली प्रसव पूर्व देखभाल सुनिश्चित करने और सेवा वितरण में व्यापक सुधार करने के लिए दिया गया है।

झारखंड में रामगढ़ जिला पोषण पोटली बांटने में रहा अव्वल

रामगढ़। प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत रामगढ़ जिले में राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम को उल्लेखनीय सफलता मिल रही है। उपायुक्त ऋतुराज ने शुक्रवार को बताया कि जिले के लोगों की सहभागिता और निक्षय मित्रों के सहयोग से अभियान को लगातार मजबूती मिल रही है। उन्होंने कहा कि अब तक जिले में 173 निक्षय मित्र अभियान से जुड़ चुके हैं, जिनके सहयोग से टीबी मरीजों को नियमित उपचार और आवश्यक पोषण सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। उपायुक्त ने बताया कि अभियान को और व्यापक बनाने के लिए एक विशेष पहल के तहत निक्षय मित्रों के लिए बैंक खाता भी खोला गया है। इस खाते के माध्यम से जिले के पदाधिकारी, कर्मचारी, औद्योगिक प्रतिष्ठानों के संचालक, निजी संस्थानों के प्रतिनिधि तथा समाजसेवी सहयोग राशि जमा कर निक्षय मित्र बन सकते हैं और टीबी उन्मूलन अभियान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। राष्ट्रीय यक्ष्मा उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जिले में अब तक टीबी के संभावित लक्षण वाले 13,195 लोगों की आधुनिक मशीनों से जांच की गई। जांच के दौरान 500 टीबी मरीजों की पहचान की गई, जबकि 16 मल्टी ड्रग रेजिस्टेंट (एमडीआर) टीबी मरीज भी चिन्हित किए गए। उन्होंने बताया कि जिले में टीबी मरीजों के उपचार की सफलता दर 98 प्रतिशत दर्ज की गई है, जो अभियान की प्रभावशीलता को दशार्ती है।

उपायुक्त ने बताया कि विशेष अभियान के तहत जिले के 82 हाई-रिस्क गांवों में शिविर आयोजित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसके मुकाबले 148 शिविर आयोजित कर लक्ष्य से कहीं अधिक उपलब्धि हासिल की गई। इन शिविरों के दौरान 6,710 लोगों का एक्स-रे तथा 2,960 लोगों के बलगम के नमूनों की जांच की गई। जांच के दौरान 14 नए टीबी मरीजों की पहचान कर उनका उपचार तत्काल शुरू कराया गया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान को जनभागीदारी से जोड़ने का सकारात्मक परिणाम सामने आ रहा है। प्रशासन का प्रयास है कि समय पर जांच, उपचार और जनजागरूकता के माध्यम से जिले को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य को जल्द से जल्द हासिल किया जाए।

गणना प्रपत्र जल्द जमा करें शेष बचे मतदाता : उपायुक्त

जिले के 17085 मतदाताओं ने अब तक नहीं जमा किया है गणना प्रपत्र, 29 जुलाई तक करें अनिवार्य रूप से जमा

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने जिले के सभी मतदाताओं से अपील की है कि जिन्होंने अब तक अपना गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बीएलओ के पास जमा नहीं किया है, वे 29 जुलाई 2026 तक अनिवार्य रूप से इसे जमा कर दें।

उपायुक्त ने बताया कि 5 अगस्त 2026 को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाना है। ऐसे में जिन मतदाताओं द्वारा निर्धारित अवधि तक भरा हुआ गणना प्रपत्र जमा नहीं किया जाएगा, उनका नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं हो सकेगा। ऐसी स्थिति के लिए प्रशासन उत्तरदायी नहीं होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिले में 17085 मतदाता ऐसे हैं जिन्होंने अब तक अपना गणना प्रपत्र जमा नहीं किया है। प्रखंडवार आंकड़ों के अनुसार पेशरार में 1463, किस्को में 1733, कुडू में 5056, कैरो में 1356, लोहरदगा प्रखंड में 3897 तथा नगर परिषद क्षेत्र में 3580 मतदाताओं ने अभी तक गणना प्रपत्र जमा नहीं किया है।

उपायुक्त ने सभी शेष मतदाताओं से आग्रह किया है कि इस कार्य को अत्यंत आवश्यक समझते हुए बिना विलंब अपना गणना प्रपत्र भरकर संबंधित बीएलओ के पास जमा करें, ताकि उनका नाम मतदाता सूची में सुरक्षित रूप से शामिल किया जा सके।

नीट मामले में केंद्र सरकार पर बरसे सांसद सुखदेव भगत, बोले- ट्वीट नहीं, शिक्षा मंत्री का इस्तीफा चाहिए

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा लोकसभा के सांसद सुखदेव भगत ने ठएएळ पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के ट्वीट और अपील से छात्रों को न्याय नहीं मिलेगा, बल्कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा ही छात्रों का विश्वास वापस ला सकता है। सांसद ने कहा कि, बहुत देर कर दी हुजूर आते-आते। उसके बावजूद भी कोई ठोस कार्रवाई नजर नहीं आ रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री के हालिया ट्वीट का जिक्र करते हुए कहा कि ट्वीट करने के बजाय शिक्षा मंत्री से इस्तीफा ले लिया जाता तो लोगों और छात्रों का सरकार पर विश्वास बढ़ता। सुखदेव भगत ने आरोप लगाया कि पिछले दो वर्षों से राहुल गांधी लगातार ठएएळ और छात्रों से जुड़े मुद्दों को उठा रहे हैं। छात्रों ने भी अपनी आवाज कई बार बुलंद की, लेकिन सरकार ने उनकी बात सुनने के बजाय अनदेखी की। उन्होंने कहा कि जितना समय अपील करने में लगाया गया, उतने समय में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाया जा सकता था। उनका कहना था कि कांग्रेस पार्टी, छात्र और आम जनता केवल अपील नहीं, बल्कि दोषियों के खिलाफ ठोस कार्रवाई चाहती है। सांसद ने सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब तक किसी की जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले शिक्षा मंत्री की जवाबदेही तय कर उनका इस्तीफा लिया जाए, उसके बाद ही इस पूरे मामले में आगे की कार्रवाई और बातचीत होनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

आज से शुरू होगा अग्रवाल महिला मंडल का भव्य सावन उत्सव मेला

हजारीबाग(बिभा) : अग्रवाल महिला मंडल द्वारा आयोजित दो दिवसीय सावन उत्सव मेला का शुभारंभ शनिवार, 25 जुलाई से अग्रसेन भवन में होगा। मेले की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और अग्रसेन भवन को दुल्हन की तरह आकर्षक ढंग से सजाया गया है। पूरे परिसर को रंग-बिरंगी सजावट, पारंपरिक राजस्थानी थीम और सांस्कृतिक माहौल से सुसज्जित किया गया है, जिससे आगंतुकों को एक अलग ही अनुभव मिलेगा। मेले का मुख्य आकर्षण राजस्थानी शैली की चौकी-ढाणी होगी, जहां आगंतुकों को जयपुर की संस्कृति, परंपरा और लोकजीवन की खूबसूरत झलक देखने को मिलेगी। पारंपरिक सजावट, राजस्थानी कला और लोक परिवेश लोगों को राजस्थान की याद दिलाएगा ।कार्यक्रम के दौरान शानदार राजस्थानी लोक नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की जाएंगी, जो मेले में आने वाले लोगों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। इसके अलावा विभिन्न शहरों से आए आकर्षक स्टॉलों पर महिलाओं, बच्चों और परिवारों के लिए फैशन, ज्वेलरी, होम डेकोर, खानपान सहित अनेक उत्पाद उपलब्ध रहेंगे ।अग्रवाल महिला मंडल की पदाधिकारियों ने हजारीबागवासियों से अपील की है कि वे परिवार सहित सावन उत्सव मेले में पहुंचकर राजस्थानी संस्कृति, मनोरंजन, खरीदारी और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लें तथा इस आयोजन को सफल बनाएं। यह मेला सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए यादगार अनुभव साबित होगा।

72 घंटे तक पहचान का इंतजार, फिर अज्ञात शवों को दी गई सम्मानजनक अंतिम विदाई

हजारीबाग(बिभा) : मानवता की मिसाल पेश करते हुए मुक्तिधाम सेवा संस्थान ने शुक्रवार को खिरगांव मुक्तिधाम में दो अज्ञात शवों का पूरे सम्मान और विधि-विधान के साथ अंतिम संस्कार किया। संस्थान के संस्थापक नीरज कुमार के नेतृत्व में दोनों दिवंगतों को श्रद्धापूर्वक अंतिम विदाई दी गई। जानकारी के अनुसार, पहला अज्ञात पुरुष का शव 18 जुलाई को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल से प्राप्त हुआ था, जबकि दूसरा अज्ञात व्यक्ति का शव 20 जुलाई 2026 को लोहसिंघना थाना के माध्यम से मत्स्य विभाग क्षेत्र से बरामद होने के बाद संस्थान को सौंपा गया था। प्रशासनिक निदेर्शों के अनुरूप दोनों अज्ञात शवों को पहचान होने की संभावना को देखते हुए 72 घंटे तक मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया, लेकिन निर्धारित अवधि तक किसी भी परिजन या पहचानकर्ता के सामने नहीं आने पर विधि-विधान के अनुसार खिरगांव मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार कराया गया। इस अवसर पर मुक्तिधाम सेवा संस्थान के संस्थापक नीरज कुमार ने कहा कि हर व्यक्ति को सम्मानजनक अंतिम विदाई मिलना उसका मानवीय अधिकार है। चाहे उसकी पहचान हो या नहीं, हमारा प्रयास रहता है कि कोई भी शव लावारिस न रहे और उसे पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार मिले मुक्तिधाम सेवा संस्थान लंबे समय से हजारीबाग में अज्ञात एवं असहाय मृतकों के सम्मानजनक अंतिम संस्कार का कार्य कर समाज के सामने मानव सेवा की प्रेरणादायक मिसाल प्रस्तुत कर रहा है।

लिटिल फोक्स प्ले स्कूल का 14वां वार्षिक उत्सव 26 जुलाई को

हजारीबाग(बिभा) : शहर के प्रतिष्ठित लिटिल फोक्स प्ले स्कूल द्वारा 14वें वार्षिक उत्सव का आयोजन 26 जुलाई 2026 (रविवार) को पैराडाइज रिजॉर्ट में सुबह 11 बजे से किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर विद्यालय प्रबंधन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस आयोजन में नन्हे-मुन्ने बच्चों की प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मविश्वास का भव्य प्रदर्शन देखने को मिलेगा। वार्षिक उत्सव के दौरान प्ले स्कूल एवं एसआईपी एबाकस के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, नृत्य, संगीत और अन्य आकर्षक कार्यक्रम पेश किए जाएंगे। इसके साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रोडिजी विनर्स को सम्मानित किया जाएगा तथा शिक्षकों को भी उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया जाएगा। विद्यालय के संस्थापक मनप्रीत बावा ने बताया कि वार्षिक उत्सव का उद्देश्य बच्चों के सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना और उन्हें मंच पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर देना है। इस तरह के आयोजन बच्चों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और रचनात्मक सोच का विकास करते हैं।

केरेडारी में राहुल दुबे गैंग से पुलिस की मुठभेड़, दो बदमाश गिरफ्तार, एक के पैर में लगी गोली

बिभा संवाददाता

हजारीबागः हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र में पुलिस और राहुल दुबे गैंग के सक्रिय सदस्यों के बीच शुक्रवार तड़के मुठभेड़ हुई। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में गैंग का एक सदस्य गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका एक साथी भी गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों के पास से एक देसी पिस्टल, तीन मोबाइल फोन और एक चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की गई है।

पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि राहुल दुबे गैंग के अपराधी पगार ओपी क्षेत्र के चंदरपुर कोल ट्रांसपोर्टिंग परियोजना के आसपास किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना के आधार पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़कागांव के नेतृत्व में केरेडारी थाना, पगार ओपी और सशस्त्र बल की संयुक्त टीम का गठन कर इलाके में घेराबंदी की गई।

तड़के करीब 3:20 बजे पुलिस को दो संदिग्ध बाइक सवार दिखाई दिए। पुलिस को देखते ही दोनों जंगल की ओर भागने लगे। पीछा करने के दौरान अपराधियों ने पुलिस टीम पर 3झ4 राउंड फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें रागिब अफजल के दाहिने पैर में गोली लग गई। वहीं उसका साथी जितेंद्र सोनी भी मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे राहुल दुबे गिरोह के सक्रिय सदस्य हैं। पुलिस के अनुसार, कुछ दिन पहले ट्रांसपोर्टिंग कंपनी द्वारा लेवी नहीं दिए जाने पर कंपनी के कर्मचारियों को धमकाने और उपद्रव करने की घटना में भी दोनों की संलिप्तता सामने आई है।

घायल रागिब अफजल को पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए बड़कागांव अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान भी जारी है।

उपायुक्त ने सामान्य शाखा का किया औचक निरीक्षण

लोहरदगा। उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने शुक्रवार को समाहरणालय स्थित सामान्य शाखा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शाखा में संधारित विभिन्न पंजियों एवं संचिकाओं का गहन अवलोकन करते हुए उनके रख-रखाव एवं अद्यतन संधारण की समीक्षा की। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने निर्गत पंजी, उपस्थिति पंजी, विक्टिम कंपनसेशन संचिका, उग्रवादी हिंसा संचिका, आत्मसमर्पित नक्सली संचिका, रेकड़ पंजी, ट्रेजरी मैसेंजर बुक, एलॉटमेंट संचिका, शस्त्र पंजी, निर्गत लाइसेंस पंजी, विस्फोटक (पटाखा) लाइसेंस पंजी, चरित्र प्रमाण पत्र पंजी, आवास आवंटन पंजी सहित अन्य महत्वपूर्ण पंजियों एवं संचिकाओं का बारीकी से अवलोकन किया। अवलोकन के उपरांत उपायुक्त ने प्रभारी सामान्य शाखा को सभी पंजियों एवं संचिकाओं का नियमित अद्यतन, व्यवस्थित संधारण तथा अभिलेखों के बेहतर रख-रखाव को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालयीन अभिलेखों का सुव्यवस्थित संधारण प्रशासनिक कार्यों की पारदर्शिता, जवाबदेही एवं दक्षता के लिए अत्यंत आवश्यक है। सभी पंजियों एवं संचिकाओं को निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप अद्यतन रखा जाए।

बीएफसीएल में उत्कृष्ट काइजेन सुझाव देने वाले कर्मचारियों को किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः बिहार फाउंड्री एंड कास्टिंग्स लिमिटेड (बीएफसीएल) में बिजनेस एक्सीलेंस विभाग द्वारा कर्मचारियों द्वारा दिए गए उत्कृष्ट काइजेन सुझावों एवं निरंतर सुधार के प्रयासों को सम्मानित करने के उद्देश्य से 23 जुलाई को काइजेन गिफ्ट वितरण समारोह का आयोजन किया।

समारोह का आयोजन एचएएसपी प्रशिक्षण हॉल में किया गया, जिसमें विभिन्न बिजनेस यूनिट्स के प्रमुख, विभागाध्यक्ष, काइजेन पुरस्कार विजेता एवं बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर प्रबंधन ने कर्मचारियों के नवाचार, रचनात्मक सोच तथा कार्यस्थल पर सतत सुधार की संस्कृति को सराहते हुए कहा कि काइजेन केवल एक सुझाव प्रणाली नहीं, बल्कि संगठन में उत्कृष्टता, गुणवत्ता, सुरक्षा एवं उत्पादकता को बढ़ावा देने वाला एक प्रभावी माध्यम है।

समारोह के दौरान उत्कृष्ट काइजेन सुझाव देने वाले कर्मचारियों को उपहार प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रबंधन ने सभी कर्मचारियों से भविष्य में भी अधिक से अधिक काइजेन सुझाव देने तथा संगठन में निरंतर सुधार, नवाचार एवं टीमवर्क की भावना को और सुदृढ़ करने का आह्वान किया।

यह कार्यक्रम कर्मचारियों के योगदान को सम्मानित करने के साथ-साथ संगठन में उत्कृष्ट कार्य संस्कृति एवं निरंतर सुधार की भावना को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

90 दिवसीय जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के अंतर्गत नालसा योजनाओं की प्रदर्शनी का आयोजन

बिभा संवाददाता

रामगढ़ः झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण राँची के निदेर्शानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश -सह -अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण रामगढ़ तौफीकुल हसन के मार्गदर्शन एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अनिल कुमार के तत्वावधान मे 90 दिवसीय जागरूकता एवं आउटरीच अभियान के अंतर्गत शुक्रवार को सिविल कोर्ट के सम्मेलन कक्ष मे राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

इस प्रदर्शनी का उद्देश्य आमजन को राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा संचालित विभिन्न विधिक सहायता एवं जनहितकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना तथा समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को उनके विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना था। प्रदर्शनी में नालसा के विभिन्न योजनाओं, जैसे महिलाओं एवं बच्चों के लिए विधिक सेवाएं, वरिष्ठ नागरिकों हेतु विधिक सहायता, द्वियांगजन एवं मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्तियों के लिए विधिक सेवाएं, असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विधिक सहायता, मानव तस्करी के पीड़ितों, अम्ल (एसिड) हमले के पीड़ितों, आपदा पीड़ितों, बाल हितैषी विधिक सेवाएं तथा वर्ष 2025 में प्रारंभ की गई विभिन्न नई योजनाओं से संबंधित जानकारी पोस्टर, बैनर एवं सूचना - पत्रों के माध्यम से प्रदर्शित की गई।

प्रदर्शनी का अवलोकन न्यायिक पदाधिकारियों, अधिवक्ताओं, एल.ए.डी.सी.एस. के सदस्यों, पैनल अधिवक्ताओं, पैरा लीगल वोलेंटियर्स, न्यायालय कर्मियों एवं बड़ी संख्या में उपस्थित न्यायालय आगंतुकों एवं आम नागरिकों द्वारा किया गया ।

उपस्थित लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं की विस्तृत जानकारी भी दी गई।

इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने कहा कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण का उद्देश्य समाज के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण विधिक सहायता उपलब्ध कराना तथा न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करना है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे विधिक समस्याओं के समाधान हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सेवाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहें । नालसा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों का एक प्रमुख उद्देश्य विधिक साक्षरता बढ़ाना और पात्र व्यक्तियों तक निःशुल्क विधिक सहायता पहुँचाना है।

झारखंड सरकार के जगन्नाथ महोत्सव-2026 में 'ऑपरेशन सिंदूर' लघु नाटक ने जीता दर्शकों का दिल, भावुक प्रस्तुति से नम हुईं आंखें

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड सरकार के कला, संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय द्वारा आयोजित जगन्नाथ महोत्सवझ2026 के मंच पर हजारीबाग की सम्राट हजारीबाग संस्थान ने अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति से सभी का ध्यान आकर्षित किया। संस्था की ओर से प्रस्तुत 'ऑपरेशन सिंदूर' लघु नाटक ने अपनी सशक्त कहानी, जीवंत अभिनय और भावनात्मक प्रस्तुति से दर्शकों के दिलों को छू लिया।

नाटक में देशभक्ति, त्याग, साहस और मानवीय संवेदनाओं का ऐसा मार्मिक चित्रण किया गया कि सभागार में मौजूद अनेक दर्शकों की आंखें नम हो गईं। प्रस्तुति के दौरान पूरा सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा और दर्शकों ने कलाकारों के अभिनय की मुक्तकंठ से सराहना की।इस लघु नाटक का निर्देशन अमिताभ श्रीवास्तव शाह ने किया, जबकि दीपक झा ने निर्देशन सहयोग देकर प्रस्तुति को प्रभावशाली बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। नाटक में कुंदन हजरा, रैंबो, गुलशन कुमार, पी. कुमारी, नंदनी कुमारी, माधुरी कुमारी, मनोज पुरी, प्रवीण जायसवाल, अमिताभ श्रीवास्तव एवं अमन कुमार ने अपने सशक्त अभिनय से पात्रों को जीवंत कर दिया। सभी कलाकारों ने अपने-अपने किरदारों को पूरी संवेदनशीलता और समर्पण के साथ निभाया, जिससे नाटक का प्रभाव दर्शकों के मन पर लंबे समय तक बना रहा।सम्राट हजारीबाग संस्थान की इस प्रस्तुति ने यह साबित कर दिया कि हजारीबाग की सांस्कृतिक प्रतिभाएं राज्य स्तर पर भी अपनी अलग पहचान बनाने में सक्षम हैं। संस्था की इस उपलब्धि पर कला प्रेमियों और शहरवासियों ने सभी कलाकारों एवं पूरी टीम को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं.: ईएल-36-26; दिनांक 23.07.2026; वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (जी), पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन हेतु विद्युत ठेकेदारी का वैध लाइसेंस रखने वाले तथा नीचे वर्णित कार्य सम्पन्न करने में आर्थिक रूप से सक्षम प्रतिष्ठित निविदादाताओं से ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **कार्य का नाम साथ में उसका स्थानः** आसनसोल मंडलः अंडाल एवं दुर्गापुर स्टील एक्सचेंज यार्ड के वर्तमान कंबाइंड रनिंग रूम का विस्तार तथा दुर्गापुर स्टील एक्सचेंज यार्ड क्रू लॉबी का उन्नयन, पांडवेश्वर के रनिंग रूम का विस्तार। **निविदा मूल्यः** रु. 78,52,666; **बयाना राशिः** रु. 1,57,100; **निविदा दस्तावेज की कीमतः** शून्य। **कार्य समापन अवधिः** 12 महीने। **बंद एवं खुलने की तारीख एवं समयः** 24.08.2026 को 11.00 बजे। सम्पूर्ण विवरण रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखे जा सकते हैं। (ASN-194/2026-27)

निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in / www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें अनुसरण करें: @EasternRailway
@easternrailwayheadquarter

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

ललित गर्ग

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्वं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है।

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मयार्दाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है।

राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रूवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना।

जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें।

भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मयार्दा भी जुड़ी होती है। प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है। इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता।

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्वं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा। विपक्ष का दायित्व केवल विरोध करना नहीं, बल्कि रचनात्मक विकल्प प्रस्तुत करना भी है। उसी प्रकार सरकार का दायित्व केवल शक्ति प्रदर्शन करना नहीं, बल्कि असहमति को सम्मानपूर्वक सुनना भी है। लोकतंत्र में किसी की पूर्ण विजय या पूर्ण पराजय नहीं होती, यहां अंततः संवाद, सहमति और समाधान ही सबसे बड़ी जीत होती है। छात्रों और युवाओं की समस्याओं का समाधान भी अत्यंत आवश्यक है। युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा हैं। यदि उनकी आशाओं और अपेक्षाओं की उपेक्षा होगी, तो असंतोष स्वाभाविक रूप से बढ़ेगा। इसलिए सरकार को चाहिए कि वह युवाओं से नियमित संवाद स्थापित करे, उनकी समस्याओं को समयबद्ध ढंग से सुने और समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए। वहीं युवाओं को भी यह समझना होगा कि हिंसा उनके आंदोलन की सबसे बड़ी शत्रु है। पत्थर और लाठी किसी समस्या का समाधान नहीं करते, वे केवल संवाद के पुलों को तोड़ते हैं। आज आवश्यकता लोकतंत्र को अधिक परिपक्व बनाने की है। हमें ऐसी राजनीतिक संस्कृति विकसित करनी होगी जिसमें विरोध हो, लेकिन वैमनस्य न हो। मतभेद हों, लेकिन मनभेद न हों। संघर्ष हो, लेकिन हिंसा न हो। लोकतंत्र में बहस जितनी प्रखर होगी, राष्ट्र उतना ही मजबूत होगा। किंतु बहस का स्थान यदि हिंसा ले लेगी, तो लोकतंत्र की आत्मा आहत होगी। जंतर-मंतर से संसद तक जो कुछ हुआ, उसे लोकतांत्रिक आदर्श नहीं कहा जा सकता। यह किसी परिपक्व राजनीतिक सोच का भी परिचायक नहीं है। राष्ट्र निर्माण का मार्ग टकराव नहीं, सहयोग है। हिंसा नहीं, सहमति है। उग्रता नहीं, उदारता है। इसलिए आवश्यक है कि सभी पक्ष अपने-अपने आग्रहों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें।

आज देश को ऐसे नेतृत्व और ऐसी जनचेतना की आवश्यकता है जो संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे। सरकार उदारता और संवेदनशीलता दिखाए, आंदोलनकारी संयम और अनुशासन अपनाएं तथा राजनीतिक दल अल्पकालिक लाभ के बजाय लोकतंत्र की दीर्घकालिक मजबूती को प्राथमिकता दें। यही भारत की लोकतांत्रिक परंपरा की वास्तविक पहचान भी है और भविष्य की आवश्यकता भी। अंततः यही कामना की जानी चाहिए कि जिन शक्तियों के कारण आंदोलनों में हिंसा और टकराव का वातावरण बनता है, उन्हें सद्बुद्धि प्राप्त हो। सभी पक्ष संवाद की मेज पर बैठें, अपनी बात तर्क, तथ्यों और संवैधानिक मयार्दाओं के साथ रखें तथा समाधान का मार्ग खोजें। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विजय किसी पक्ष की जीत नहीं होती, बल्कि वह क्षण होता है जब विरोधी पक्ष भी एक-दूसरे की बात सुनने और समझने के लिए तैयार हो जाते हैं। यही आदर्श लोकतंत्र की पहचान है और यही विकसित भारत की सबसे मजबूत बुनियाद भी है।

संपादकीय

खतरे में दिल

अब वह धारणा निर्मूल साबित हो रही है कि हृदय रोग व्यक्ति को बुढ़ापे में ही गिरफ्त में लेता है। हाल के दिनों में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं कि उत्तर भारत में बड़ी संख्या में युवा दिल की बीमारियों के शिकार हो रहे हैं। निश्चय ही यह स्थिति इस क्षेत्र में बीमारियों के बदलते पैटर्न की एक चिंताजनक तस्वीर पेश करती है। दरअसल, पंजाब व हरियाणा के युवाओं के बाबत आई हालिया रिपोर्ट ने इस गंभीर संकट की हकीकत को उजागर किया है। रिपोर्ट बताती है कि पंजाब के युवाओं को दिल के बेहतर इलाज की जरूरत लगातार बढ़ रही है। दूसरी तरफ हरियाणा में बढ़ते टेली-ईसीजी नेटवर्क ने यह दशार्या है कि शुरूआती चरण में रोग का पता चलने से कैसे अधिक से अधिक जानें बचायी जा सकती हैं। निश्चय ही ये स्थितियां बताती हैं कि उत्तर भारत में बढ़ती इस चुनौती के मुकाबले के लिये तुरंत गंभीर प्रयासों की जरूरत है। दरअसल, हृदय रोग के इस संकट के मूल में हमारी जीवनशैली में आ रहे बदलावों की बड़ी भूमिका है। जिसमें शारीरिक सक्रियता में आई लगातार कमी का भी बड़ा रोल है। वहीं कसरत व खेल गतिविधियों में कमी, प्रोसेस्ड भोजन का अधिक सेवन, तंबाकू व नशीले पदार्थों की लत, व्यक्ति के जीवन में लंबे समय तक रहने वाला तनाव, पर्याप्त नींद न लेना और कम उम्र में ही मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी समस्याओं से मिलकर एक गंभीर स्थिति उत्पन्न हो जाती है। आज बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की है जो लंबी सिटिंग में पढ़ाई करते हैं, कार्यस्थल पर लगातार काम करते हैं व स्क्रीन पर लगातार घंटों बिताते हैं। वे शारीरिक सक्रियता, कसरत,योग व मनोरंजन के लिये बहुत कम समय दे पाते हैं। वहीं पढ़ाई का दबाव, बेरोजगारी का तनाव और आर्थिक अनिश्चितता के कारण होने वाला मानसिक तनाव दिल की बीमारियों के खतरे को और अधिक बढ़ा देता है। लेकिन आम लोग इस तनाव व उच्च रक्तचाप आदि को गंभीरता से नहीं लेते। विडंबना यह है कि हम उन तमाम शुरूआती संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं, जो दिल की बीमारियों की आहट देते हैं। इन लक्षणों में शामिल सांस का फूलना, अत्यधिक थकान व सीने का दर्द तक की अनदेखी कर दी जाती है। समाज में आज भी यह धारणा बनी हुई है कि दिल की बीमारी तो बुजुर्गों का रोग होता है। सही मायने में आज समाज में उपचार से पहले व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। ऐसे में अस्पतालों के जरिये पब्लिक हेल्थ सिस्टम को इसमें बड़ी भूमिका निभानी चाहिए।

चिंतन-मनन

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली।

उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बबार्दी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

भ्रष्टाचार के लिए मृत्यु दंड, एक नई बहस का जन्म

निखिल भट्ट

इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन ने उत्तर प्रदेश में बुलडोजर कार्रवाई से जुड़े मामले में फैसला सुनाते हुए देश में व्याप्त भ्रष्टाचार पर एक अत्यंत तीखी टिप्पणी की उन्होंने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी से जुड़ा हालिया विवाद ईमानदारी के पतन की पराकाष्ठा को दशार्ता है उन्होंने आगे कहा कि यह घटना सब्र के घड़े के टूटने जैसा है। जो समाज राम मंदिर जैसी पवित्र जगह में चोरी से विचलित ना हो उसे भला कोई क्या शर्म दिला सकता है। भ्रष्टाचार पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार इस कदर सामान्य हो चुका है कि जब तक कोई पकड़ न जाए तब तक लोग उसे गलत नहीं मानते। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की रैंकिंग में देश की स्थिति भी समाज को लज्जित नहीं करती यदि सरकार भ्रष्टाचार समाप्त करने के लिए प्रति गंभीर है तो भ्रष्टाचार के दोषियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान करने पर विचार करना चाहिए।

देश में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन की इस टिप्पणी में एक नई बहस को जन्म दिया है इसमें कोई संदेह नहीं है कि वर्तमान में भ्रष्टाचार पूरे शासन, प्रशासन और समाज में व्याप्त हो चुका है ऐसा कोई क्षेत्र नहीं बचा जहां भ्रष्टाचार ने प्रवेश न किया हो किसी भी सरकारी विभाग में तब तक काम नहीं होता जब तक संबंधित अधिकारियों की जेबें गर्म नहीं की जाती और यदि कोई व्यक्ति ऐसा नहीं करता है तो उसकी चप्पलें अपने काम के लिए चक्कर लगा लगा कर घिस जाती है इन परिस्थितियों में वह मजबूर होकर भ्रष्टाचार को अपनाता है और देखते ही देखते उसका काम मिनिटों में हो जाता है। अक्सर हम समाचार पत्रों में ये पढ़ते हैं कि अमुक अधिकारी के यहां करोड़ों की संपत्ति मिली या किसी नेता की काली कमाई का पता चला यहां तक कि महिला अधिकारी भी इस भ्रष्टाचार में आतंक डूब गई हैं जबकि ये माना जाता था कि महिलाएं भ्रष्टाचार से दूर रहती है लेकिन जब वे सिस्टम में आती है तो फिर उन्हें भी सिस्टम का हिस्सा बनना ही पड़ता है। छोटे से छोटे नेता से लेकर बड़े से बड़े नेता तक भ्रष्टाचार की गंगोत्री में डुबकी लगाते नजर आते हैं अक्सर ये देखा जाता है कि जो लोग रिश्वत लेते हुए पकड़े जाते हैं वे बाद में रिश्वत देखकर छूट भी जाते हैं भ्रष्टाचार ने हमारे समाज को इतना भ्रष्ट कर दिया है कि अब लोगों ने भ्रष्टाचार को शिष्टाचार के रूप में अपना लिया है। किसी जमाने में यदि कोई व्यक्ति रिश्वत लेते हुए पकड़ा जाता था तो उसका सामाजिक बहिष्कार होता था लेकिन आज की तारीख में आए दिन इस तरह की खबरें अखबारों की सुर्खियां बनती है जब भ्रष्टाचार के आरोप में लोगों को रंगे हाथ पकड़ा जाता है लेकिन उनके प्रति समाज में किसी प्रकार की कोई असम्मान की भावना नहीं उपजती क्योंकि समाज में रह रहे लोगों को भी यह एक साधारण सी बात लगने लगी है। भ्रष्टाचार को रोकने के लिए सरकारी नारों में इस बात का उल्लेख होता है सरकार के मुखिया और बड़े-बड़े नेता ये कहते हैं कि भ्रष्टाचार के मामले में जीरो टॉलरेंस की नीति है लेकिन उनकी नाक के नीचे ही जबरदस्त भ्रष्टाचार चलता रहता है। हाल ही में एक अधिकारी को जब रिश्वत लेते पकड़ा गया तो उसने खुले आम एक वीडियो बनाकर कहा कि मैं अकेला दोषी कहां हूं ये पैसा तो ऊपर तक जाता है उसका ये बयान सोशल मीडिया पर बहुत वायरल हुआ लेकिन लोगों ने कोई प्रतिक्रिया व्यक्त नहीं की क्योंकि उन्होंने इसे नियति ही मान लिया है।

न्यायमूर्ति श्री अतुल श्रीधरन ने भ्रष्टाचार के मामले में मृत्यु दंड के प्रावधान करने पर विचार करने की बात कही है वर्तमान में भारत में मृत्युदंड केवल दुर्लभ से दुर्लभतम मामलों में ही दिया जाता है। यह सजा केवल उन जघन्य अपराधियों को मिलती है, जिन्होंने अत्यंत क्रूरता से हत्या, बच्चियों के साथ बलात्कार और हत्या, या राष्ट्र के विरुद्ध युद्ध जैसे हालात पैदा किए हों मृत्युदंड को भी लेकर तमाम नियम कायदे है मृत्युदंड की सजा जब सत्र न्यायालय द्वारा सुनाई जाती है, इसे लागू करने से पहले संबंधित उच्च न्यायालय की मंजूरी अनिवार्य होती है। दोषी व्यक्ति के पास सजा को चुनौती देने और सुप्रीम कोर्ट तक अपील करने का पूरा अधिकार भी होता है।सजा की पुष्टि हो जाने के बाद, अपराधी के पास राष्ट्रपति या राज्यपाल के समक्ष दया याचिका दायर करने का अंतिम विकल्प होता है।हाल के वर्षों में निचली अदालतों द्वारा मौत की सजाएं सुनाई गई हैं, लेकिन उच्च स्तर पर इनकी लंबी कानूनी समीक्षा और अपील प्रक्रिया चलती रहती है।...

आतंकवाद का बदलता चेहरा और भारत की जीरो टॉलरेंस नीति

कांतिलाल मांडोत

सोशल मीडिया से ब्रेनवॉश और क्रिप्टो फंडिंग तक आतंक का नया जाल, लेकिन सतर्क सुरक्षा एजेंसियां हर साजिश को कर रही हैं नाकाम...

आतंकवाद का स्वरूप समय के साथ लगातार बदलता रहा है। कभी सीमा पार से घुसपैठ, हथियारों की तस्करी और प्रत्यक्ष प्रशिक्षण इसके प्रमुख साधन हुआ करते थे, लेकिन तकनीक के विस्तार ने आतंकवादी संगठनों को नए रास्ते उपलब्ध करा दिए हैं। अब आतंक का नेटवर्क बंदूक और बारूद से कहीं अधिक मोबाइल फोन, सोशल मीडिया, एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग एप, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टोकरेंसी के सहारे संचालित हो रहा है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की हालिया कार्रवाई और विभिन्न मामलों में दायर आरोपपत्रों ने इस बदलते स्वरूप की स्पष्ट तस्वीर सामने रखी है। जांच से यह संकेत मिला है कि आतंकवादी संगठन अब एक सुनियोजित थ्री-एप मॉडल के माध्यम से युवाओं को अपने जाल में फंसाने का प्रयास कर रहे हैं। पहले सोशल मीडिया के जरिए संपर्क स्थापित किया जाता है, फिर एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर वैचारिक कट्टरता फैलाकर ब्रेनवॉश किया जाता है और अंत में क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाती है।

यह नया मॉडल केवल तकनीकी बदलाव नहीं है बल्कि आतंकवाद की रणनीति में आया बड़ा परिवर्तन भी है। पहले आतंकवादी संगठनों को भर्ती और संपर्क के लिए भौतिक नेटवर्क की आवश्यकता होती थी, जबकि अब इंटरनेट ने दुनिया के किसी भी कोने में बैठे व्यक्ति तक उनकी पहुंच आसान बना दी है। सोशल मीडिया पर सामान्य धार्मिक या वैचारिक सामग्री के माध्यम से युवाओं का विश्वास जीतने का प्रयास किया जाता है। धीरे-धीरे उन्हें बंद समूहों में जोड़ा जाता है जहां उग्र और हिंसक विचारधारा से परिचित कराया जाता है। इसके बाद हथियारों, विस्फोटकों और आतंकी गतिविधियों से संबंधित सामग्री साझा कर उन्हें हिंसा के रास्ते पर धकेलने की कोशिश की जाती है।

एनआईए की जांच में सामने आए विभिन्न मॉड्यूल इस नए खतरे की गंभीरता को दशार्ते हैं। तमिलनाडु में ऐसे समूहों का पता चला जिनमें सोशल मीडिया और एन्क्रिप्टेड एप के माध्यम से युवाओं को जोड़ने का प्रयास किया गया। विजयवाड़ा से जुड़े मामले में विदेशी हैंडलरों के संपर्क, भारत में कट्टरपंथ फैलाने और प्रशिक्षण के लिए विदेश भेजने जैसी योजनाओं का खुलासा हुआ। मंगलुरु मॉड्यूल में डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से विस्फोटक बनाने की जानकारी और क्रिप्टोकरेंसी के जरिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की बात सामने आई। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि आतंकवादी संगठन अब पारंपरिक नेटवर्क से अधिक डिजिटल माध्यमों पर निर्भर होते जा रहे हैं।

इन मॉड्यूल का सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि इनके निशाने पर 18 से 30 वर्ष आयु वर्ग के पढ़े-लिखे युवा हैं। यह वर्ग इंटरनेट और सोशल मीडिया का सबसे अधिक उपयोग करता है। आतंकवादी संगठन इसी मनोविज्ञान का लाभ उठाने का प्रयास करते हैं। वे पहले धार्मिक, सामाजिक या भावनात्मक विषयों पर चर्चा के बहाने संपर्क स्थापित करते हैं और धीरे-धीरे युवाओं को कट्टर विचारधारा की ओर मोड़ते हैं। कई बार यह पूरी प्रक्रिया इतनी सुनियोजित होती है कि व्यक्ति को स्वयं यह एहसास भी नहीं होता कि वह किस प्रकार एक खतरनाक नेटवर्क का हिस्सा बनता जा रहा है।

तकनीक के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग भी आतंकवाद के लिए नई चुनौती बनकर उभर रहा है। फर्जी वीडियो, परिवर्तित आवाज, नकली पहचान और स्वचालित संदेशों के माध्यम से लोगों को भ्रमित करने की कोशिश की जाती है। एन्क्रिप्टेड संचार के कारण जांच एजेंसियों के लिए इन नेटवर्क तक पहुंचना पहले की तुलना में अधिक कठिन हो जाता है। वहीं क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाला लेन-देन पारंपरिक बैंकिंग व्यवस्था से अलग होने के कारण इसकी निगरानी भी चुनौतीपूर्ण रहती है। यही कारण है कि आधुनिक आतंकवाद केवल सुरक्षा का नहीं बल्कि साइबर सुरक्षा और तकनीकी क्षमता का भी विषय बन चुका है।

हालांकि इन चुनौतियों के बीच भारत की सुरक्षा और जांच एजेंसियों की सतर्कता लगातार मजबूत हुई है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी, विभिन्न राज्यों की आतंकवाद निरोधी इकाइयां, खुफिया एजेंसियां और साइबर विशेषज्ञ समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। देशभर में लगातार छापेमारी, संदिग्ध डिजिटल गतिविधियों की निगरानी, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ सूचनाओं का आदान-प्रदान और समय रहते कार्रवाई के कारण अनेक साजिशों को विफल किया गया है। यह स्पष्ट संकेत है कि आतंकवादी संगठन चाहे जितनी नई तकनीक अपनाएं, भारतीय सुरक्षा तंत्र भी उसी गति से अपनी क्षमता का विस्तार कर रहा है।

भारत ने पिछले कुछ वर्षों में आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति को पूरी दृढ़ता के साथ लागू किया है। इस नीति का मूल उद्देश्य यह है कि आतंकवाद के प्रति किसी भी स्तर पर नरमी न बरती जाए। चाहे सीमा पार से संचालित नेटवर्क हों, देश के भीतर सक्रिय मॉड्यूल हों या आर्थिक सहायता पहुंचाने वाले तंत्र, सभी के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। यही कारण है कि अनेक आतंकी संगठन आज पहले की तुलना में काफी कमजोर पड़े हैं। उनके पारंपरिक नेटवर्क लगातार ध्वस्त हुए हैं और उन्हें नए-नए तरीके अपनाने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

यह भी सच है कि आतंकवादी संगठन अपनी गतिविधियां जारी रखने के लिए लगातार नए रास्ते खोज रहे हैं। कभी सोशल मीडिया, कभी एन्क्रिप्टेड एप, कभी क्रिप्टोकरेंसी और कभी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सहारा लेकर वे अपनी मौजूदगी बनाए रखने का प्रयास करते हैं। लेकिन दूसरी ओर भारत की खुफिया और जांच एजेंसियां भी समान रूप से सजग हैं। वर्षों के अनुभव, आधुनिक तकनीक और मजबूत समन्वय के कारण वे संदिग्ध गतिविधियों की पहचान करने में पहले से कहीं अधिक सक्षम हुई हैं। अनुभवी अधिकारी व्यवहार, डिजिटल गतिविधियों और संदिग्ध संपर्कों का विश्लेषण कर समय रहते खतरे का आकलन कर लेते हैं। यही सतर्कता अनेक संभावित घटनाओं को घटित होने से पहले ही रोक देती है।

आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष केवल सुरक्षा एजेंसियों का दायित्व नहीं है बल्कि समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। परिवार, शिक्षण संस्थान, धार्मिक संगठन और सामाजिक संस्थाएं युवाओं को सकारात्मक दिशा देने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं। डिजिटल साक्षरता, तथ्य आधारित सोच और अफवाहों से बचने की आदत विकसित करना आज की आवश्यकता है। यदि समाज जागरूक रहेगा तो आतंकवादी संगठनों के लिए युवाओं को भ्रमित करना कठिन हो जाएगा। भारत ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वह आतंकवाद के किसी भी रूप को स्वीकार नहीं करेगा। सीमा पर कठोर सुरक्षा व्यवस्था, देश के भीतर मजबूत जांच तंत्र, आधुनिक तकनीक का उपयोग और जीरो टॉलरेंस की नीति ने आतंकवादी संगठनों की गतिविधियों को लगातार सीमित किया है। यदि कोई आतंकी नेटवर्क भूमिगत होकर छिपने का प्रयास भी करता है तो सुरक्षा एजेंसियां उसे खोज निकालने और कानून के दायरे में लाने के लिए निरंतर सक्रिय रहती हैं। यही दृढ़ इच्छाशक्ति भारत की सबसे बड़ी ताकत है।

आतंकवाद का स्वरूप चाहे कितना भी आधुनिक क्यों न हो जाए, उसका उद्देश्य समाज में भय, अस्थिरता और विभाजन पैदा करना ही होता है। इसके मुकाबले के लिए केवल हथियार नहीं बल्कि तकनीकी दक्षता, मजबूत खुफिया तंत्र, सामाजिक जागरूकता और राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता होती है। भारत ने इन सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। यही कारण है कि आतंकवाद का नया डिजिटल मॉडल भी भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के सामने लंबे समय तक सफल नहीं हो पाएगा। जीरो टॉलरेंस की नीति, सतर्क सुरक्षा बलों की प्रतिबद्धता और जागरूक नागरिकों के सहयोग से आतंकवाद के हर नए रूप का प्रभावी ढंग से मुकाबला किया जा सकता है। यही राष्ट्रीय सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार-स्तम्भकार हैं)

बीजों का सुरक्षित भण्डारण

पिंकी शर्माए पूनम यादव
पादप व्याधि विभाग, श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर-303329

कृषि में उन्नत बीज का स्थान सर्वोपरि है क्योंकि उन्नत खेती को नीव एक अच्छे बीज पर ही आधारित है अतः बीजों का उचित भण्डारण बहुत जरूरी है। बीज पैदा करके उसे बोने तक भण्डारण का महत्वपूर्ण स्थान है। भण्डारित किये गये बीजों में ज्यादात्तर नुकसान कीटों द्वारा ही होता है। इसके अलावा चूहें, चिड़िया, दीमक एवं फफूंद आदि द्वारा भी नुकसान होता है। बीजों में कीट पैदा होने से बीजों की अंकुरण क्षमता, ओज एवं गुणवत्ता पर सबसे ज्यादा प्रभाव पड़ता है। इससे खराब बीज न तो बाने`लाइक और न ही खाने लाइक रहता है। इसलिए बीजों का भण्डारण पूरी सावधानी एवं देखरेख के साथ करनी चाहिए।

भण्डारित बीजों का नुकसान निम्न कारकों पर निर्भर करता है

1. बीज में अधिक आर्द्रता का होना।
2. खेत से ही सक्रमणित बीजों का भण्डारण
3. कीटों द्वारा संक्रंमणित भण्डारण
4. भण्डारण के दौरान ताप एवं नमी में वृद्वि
5. भण्डारण में ऑक्सीजन की उपलब्धता

हमारे देष में अधिकतर किसान बीज स्वयं भण्डारित करते है और उनमें से अधिकतमर बीजों का नुकसान कीटों से होता है। इन भण्डारित कीटों (खपरा, सुरसुरी, घून, पंतगा, तीली आदि) को लगभग सभी किसान जानते है परन्तु इन कीटों के प्रकोप से बचने के लिए उचित भण्डारण एवं नियन्त्रण पर ध्यान देकर होने वाले भौतिक नुकसान के साथ-साथ बीज की अकुंरण क्षमता एवं ओज को भी बरकरार रख सकते हे।

बीजों में लगने वाले प्रमुख कीट:-

भण्डारण के दौरान कीटों की लगभग चार दर्जन प्रजातियॉ बीजों को नुकसान पहुंचाती है। जिनमें से 10-15 प्रजातियॉ ज्यादा महत्वपूर्ण है। विभिन्न प्रकार के कीटों द्वारा विभिन्न प्रकार बीजों का नुकसान किया जाता है जिनमें से कुछ दानों को बाहर से खाते है। एवं कुछ अन्दर रहकर खाते हैं, जिनमें से प्रमुख कीट निम्नलिखित है।

1. टनाज की फसलों के बीज:- सूंड वाली सुरसुरी (सिटोफिलस, ओरायजी), चावल की सुरसुरी (ओराइजीफिलस सुरी नामेनसिस), गोदाम का पंतगा (कैडरा कॉटेला), मक्का का पंतगा (कोरसाइरा सिफैलोनिका), आटे का कीट (ट्राइबोलियम कैस्टेनियम), एवं खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम)
2. दलहनी फसलों के बीज:- ढोरा (चार प्रजातियॉ- कैलोसोब्रुकस मैकुलेटस, कै. चाइनेनसिस, कै. एनालिए एवं ब्रुकस पाइसोरम घुन (राइजोपरथा डोमिनिका), खपरा बीटल (ट्रोगोडरमा ग्रेनेरियम), चावल पंतगा (कोरसाइरा सिफैलेनिका), एवं गोदाम का पंतगा (केडरा कॉटेला) समय छाया में सुखाकर बोरों या थैलियों में भरकर भण्डारित करना चाहिए।
3. बीजों में उचित नमी:- बीजों को भण्डारित करने से पूर्व यह जॉच कर ले कि बीजों में सामान्यत: 10 प्रतिषत से अधिक नमी न हो, लेकिन मूॅगफली एवं सरसों में 7 प्रतिषत एवं धान में 12 प्रतिषत एवं अरण्डी में 8 प्रतिषत से अधिक नमी नही होनी चाहिए।
4. भण्डारण कक्ष/पात्र को कीट मुक्त करना:- बीजों को जिस किसी कक्ष या पात्र में भण्डारित करना हो उसे भण्डारण पूर्व कीट मुक्त करना चाहिए। यदि भण्डारण कमरे या गोदाम में करना है तो उसे अच्छी तरह साफ करके मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करना चाहिए। यदि बीज को मटके में भण्डारित करना हो तो मटके के अन्दर व बाहर 10 मि.ली. मैलाथियान का छिड़काव करें।
5. बीज भण्डारण के पश्चात् बीजों कें नमी की वृद्वि रोकना एवं प्रघूमन करना:- बीज भरे बोरों या थैलियों को लकड़ी के तख्ते या पॉलीथीन चादर या बॉस की चटाई पर रखना चाहिए ताकि उनमें नमी का प्रवेष न हो।। वर्षा ऋतु में भण्डारगृह में भण्डारित बीज होने के कारण कीटनाषी द्वारा उपचारित नही किया गया तो खेत से आये कीटों को नष्ट करने हेतु बीज को एल्युमिनियम फॉसफाइड से 6-9 ग्राम मात्रा प्रति टन बीज के हिसाब से प्रधूमित करना चाहिए।
6. कीट प्रकोप पर निगरानी एवं कीटनाषी का छिड़काव:- भण्डार कक्ष को प्रत्येक 15 दिन में एक बार जरूर देखना चाहिए ताकि बीज में कीट या फर्श पर कोई जीवित कीट दिर्खइ देने पर समय पर आवष्यकतानुसार कीटनाषी का छिड़काव या प्रधूमन किया जा सकें। सामान्यत: भण्डार कक्ष एवं बोरों पर 15 दिन के अन्तराल पर मैलाथियान, क्लोरोपाइरीफॉस की 1 लीटर मात्रा 100 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बीज भण्डारण में प्रधूमन द्वारा कीटों से बचाव छिड़काव की अपेक्षा अधिक लाभकारी हैं इसलिए प्रधुमन का ही अधिकतम प्रयोग करें।

सावधानियॉ

1. बीजोपचार करते समय कीटनाषी को खुले हाथों से न छुए बल्कि किसी ड्रम में डालकर हिलाकर उपचारित करें।
2. उपचारित बोरियों या थेलियों पर स्पष्ट लिखा होना चाहिए।
3. कीटनाषी बच्चों की पहुॅच से दूर रखनी चाहिए।
4. कीटनाषकों का छिड़काव बदल-बदलकर करें।
5. प्रधुमन सदैव प्रभिक्षित व्यक्ति द्वारा ही करवायो।

गोभीवर्गीय में पोषक तत्वों की आवश्यकता

भूरापन या ब्राउनिंग - यह समस्या गोभीवर्गीय फसलों में बोरान की कमी से होता है।

लक्षण - भूरापन में शुरूआत में फूल में जल अवशोषित धब्बे पड़ जाते हैं, जो कि बाद में बड़े हो जाते हैं। इसके बाद तने में भी जल अवशोषित धब्बे पड़ते हैं तथा तना अंदर से खोखला हो जाता है। यदि भूरापन का प्रकोप ज्यादा होता है तो पूरा फूल में कुछ दिन बाद गुलाबी या भूरे रंग के धब्बे पड़ जाते हैं।

उपचार - बोरान की कमी को दूर करने के लिये 10-15 किलो बोरेक्स प्रति हेक्टर भूमि में पौध रोपण के समय देना चाहिए अथवा जब फसल खड़ी हो 0.1 प्रतिशत बोरेक्स घोल का छिड़काव करना चाहिए प्रथम छिड़काव पौध रोपण के दो सप्ताह पश्चात और दूसरा छिड़काव फूल बनने से दो सप्ताह पहले करना चाहिए।

व्हिपटेल - यह लक्षण गोभीवर्गीय फसलों में मालीब्डिनम नामक तत्व की कमी के कारण होता है।

लक्षण - मुख्यत: मालीब्डिनम की कमी अम्लीय भूमि में हो जाती है अर्थात् मालीब्डिनम अनुपलब्ध रूप से हो जाता है, जिससे पौधे इस तत्व का अवशोषण नहीं कर पाते और व्हिपटेल के लक्षण दिखाई देते है, इसमें शुरूआत में पौधे की वृद्धि रुक जाती है और पत्तियाँ सिकुड़ कर सफेद पड़ने लगती हैं तथा कुछ दिन बाद पत्तियां अपना आकार खो देती हैं और मिडरिब के अलावा शेष भाग सूख जाता है, जिसके कारण इसे सामान्यत: व्हिपटेल कहा जाता है।

उपचार - मालीब्डिनम की कमी को दूर करने के लिए अम्लीयता कम करने के उद्देश्य से 50-70 क्विंटल बुझा चूना प्रति हेक्टर खेत की तैयारी के समय भूमि में मिला देना चाहिए। इसके साथ ही पौध रोपण के पहले 2.5 से 5 किलो सोडियम मालीब्डेट प्रति हेक्टर भूमि में मिला देना चाहिए अथवा खड़ी फसल में 0.05ज सोडियम मालीब्डिट घोल का पौधों पर छिड़काव करना चाहिए।

बटनिंग - बटनिंग की समस्या गोभी वर्गीय फसलों के कई कारणों से होती है जैसे अधिक उम्र के रोप के कारण, नाइट्रोजन की कमी के कारण या समय के अनुसार उचित किस्मों को ना लगाने से ऐसा होता है।

लक्षण - फूलों का विकसित ना होकर छोटा रह जाना बटनिंग कहलाता है। इसमें फूलों का आकार छोटा हो जाता है तथा कम विकसित पत्तियाँ होती हैं।

उपचार - बटनिंग को रोकने के लिये अगेती या पिछेती किस्में अनुशंसित समय पर ही लगाएं, पौधे की वृद्धि चाहे वह नर्सरी में हो या खेत में नहीं रूकनी चाहिए। अधिक सिंचाई न करें। जो पौधा नर्सरी में अधिक दिन के हो उन्हें खेत में न लगाएं और नाइट्रोजन की उचित मात्रा पौधों को समय-समय पर दें।

रेसीयनेस - रेसीयनेस के लक्षण मुख्यत: वातावरण में अनुकूल तापमान की कमी, अधिक नाइट्रोजन देने के कारण तथा अधिक आर्द्रता के कारण होती हैं।

लक्षण - समय से पूर्व अविकसित कली को रेसीयनेस कहते हैं। इसमें फूल की ऊपरी सतह ढीली पड़ जाती है तथा सफेद छोटी कलिका बन जाती है।

उपचार - रेसीयनेस से उपचार के लिये उचित किस्म का चयन करें, समय पर पौधों की रोपाई करें, नाइट्रोजन की उचित मात्रा का प्रयोग करें तथा प्रतिरोधी किस्मों का चयन करें।

बगीचों की स्थापना व प्रबंधन

नवीन उद्यान का विन्यास (लेआउट) कैसे करें-

नवीन उद्यान का विन्यास (रेखांकन) एक बहुत तकनीकी एवं महत्वपूर्ण क्रिया है। सर्वप्रथम क्षेत्रफल नाप लिया जाये तथा उसका क्षेत्रफल ज्ञात करें फिर चयनित फल एवं उसकी प्रजाति के आधार पर निर्धारित करें कि कतार से कतार एवं पौधे से पौधे की दूरी निर्धारित करें। उद्यान रेखांकन करते समय निम्नलिखित उद्यान स्थल निर्धारित करें-

- सड़क एवं मार्ग
- फार्म हाउस (कार्यालय, भंडार, निवास) के लिए स्थल
- सिंचाई पद्धति के लिये पम्प हाउस, नलकूप, कुआं, फार्म पाँड का स्थान निर्धारित करें। आजकल ड्रिप एवं फव्वारा सिंचाई प्रचलित है। अत: उसके रेखाकंन के लिये स्थल निर्धारित करें।
- जल निकास हेतु नाली आदि निर्माण हेतु स्थल
- पौधों को लगाने का स्थल
- फार्म पर कम्पोस्ट, नाडेप, केंचुआ खाद आदि का स्थल
- बगीचे के लिये स्वयं की रोपणी हेतु भी स्थल निर्धारित करें।

नवीन बगीचे के लिये प्रारंभिक तैयारियां - स्थल निर्धारण के पश्चात भूमि की सप्लाई, सर्वेक्षण, मिट्टी परीक्षण, समतलीकरण, मिट्टी की जुताई, बगीचे के चारों ओर बागड़-तार, पत्थर की दीवार, वायु अवरोध लगाएं.

फल पौध रोपण - फल पौध रोपण की प्रचलित पद्धतियां निम्न प्रकार की है - **वर्गाकार पद्धति** - वृक्ष की आवश्यकता के अनुसार वर्ग का आकार रखा जाता है। इस पद्धति में पौधे वर्ग के कोने पर लगाए जाते हैं।

आयताकार- इस पद्धति में कतार से कतार की दूरी तथा पौधों की दूरी निर्धारित की जाती है॥

त्रिभुजाकार या षटभुजाकार पद्धति।

पंचवृक्षीया गौपूरक पद्धति- यह वर्गाकार की परिवर्तित पद्धति है इसके वर्ग के मध्य से एक और पौधा बनाया जाता है।आजकल संकर प्रजातियां आम में विकसित की गयी है उन्हें कम दूरी पर बनाया जाता। इसके अतिरिक्त हाईडेन्सिटी पद्धति से रोपण ऊंचाई के आधार पर किया जाता है।

कंटूर के आधार पर रोपण - ऊंची-नीची एवं ढाल भूमि में समोच्च (कन्टूर) के आधार पर रोपण किया जाता है।

पौधों की दूरी निर्धारित करना एवं वृक्षों की वृद्धि को ध्यान में रखकर पौध रोपण के लिये गड्ढों का खोदना - यह एक महत्वपूर्ण कार्य है। भूमि में मिट्टी की गहराई को ध्यान में रखते हुए फल चयन करें तथा उसकी भावी वृद्धि एवं विकास को ध्यान में रखते हुए रोपण के लिए गड्ढे वर्गाकार पद्धति से या मिट्टी आकार द्वारा खोदें।

रोपण के लिये पौधों का चयन

- पौधे जो वानस्पतिक तरीके या टिशू कल्चर अथवा बीज से तैयार हो उनकी पूरी विश्वसनीयता की जानकारी प्राप्त करके ही लें। उनकी पे डिग्री ज्ञात कर लें. जब तक शासकीय/ पंजीकृत रोपणी से ही पौधे लें तथा पौधों पर टैग लगा हो।
- प्रत्येक पौधे को देखें कि उसकी जूटी जिसमें पौधों की जड़ पंकी हो वह सही हो। ग्राफ्ट की जड़े सायन एवं रूट स्टाक की मोटाई बराबर हो तथा सही तरीके से जुड़ी हों।
- पौधे की बीमारी आदि से ग्रसित न हों। उनकी आयु आदि ज्ञात कर लें।
- जो पौधे चाहे ग्राफ्ट हो,गूटी कलम आदि जैसे भी हो उन्हें भली-भांति परख लें तथा एक सप्ताह तक क्यारी में उतार कर रखें। जो पौधे सही तरह के स्वस्थ हों उन्हें ही लगायें।
- पौधे लगाते समय पौधा गड्ढे के बीज में सीधा लगाया जाये। जड़ को दोनों हाथों से ढीला बांध भली-भांति गड्ढे की मिट्टी के साथ दवाएं जिससे वह भली-भांति स्थिर हो जावे सिंचाई करें। रोपण क्रिया जुलाई, अगस्त, सितम्बर या फरवरी मार्च में लगायें। उसकी सुरक्षा करें तथा कुछ पौधे पृथक रखें जिससे मृदा पौधों के स्थान पर रोपण करें।

फल देने वाले बगीचों का प्रबंधन- जो पौधे फलन स्थिति या किशोर अवस्था में हो उनकी देखभाल एवं वांछित औद्योगिक क्रियाएं क्षेत्र के लिये अनुशंसित विधि से करें। जैसे- कांटछांट का कृन्तन क्रिया कृषि क्रियाएं अनुशंसित खाद एवं उर्वरक निर्धारित मात्रा में डालें, तने को पानी के सम्पर्क में सीधे न आने दें इसलिये उनकी आयु के अनुसार मिट्टी जड़ के ऊपर लगाये, समय पर सिंचाई, निंदाई तथा पौध संरक्षण उपाय करें। फलों की तुड़ाई करें। आम के वृक्षों पर माम फोर्मेशन हो उसे काटकर पृथक करें। जिन पौधों के तने कमजोर हो उन्हें सहारा दें। पौधे के मूल वृन्द से निकलने वाली शाखाओं को काट दें। पौधोंको सही आकार देने के लिए कटाई, छंटाई जरूरी है।

दिल्ली में आज भी 17 मेट्रो स्टेशन बंद, यात्रियों को परेशानी

-तीन स्टेशनों पर इंटरचेंज सुविधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के चलते दिल्ली में यातायात व्यवस्था प्रभावित बनी हुई है। दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने शुक्रवार को भी 17 मेट्रो स्टेशनों को सुबह 7-30 बजे से अगले आदेश तक बंद रखने का फैसला किया है। हालांकि यात्रियों की सुविधा के लिए राजीव चौक, मंडी हाउस और सेंट्रल सेक्रेटेरिएट मेट्रो स्टेशनों पर इंटरचेंज की सुविधा जारी रहेगी। बंद रहने वाले स्टेशनों में लोक कल्याण मार्ग, राजीव चौक, पटेल चौक, रामकृष्ण आश्रम मार्ग, बाराखंभा रोड, सुप्रीम कोर्ट, सेवा तीर्थ, जनपथ, मंडी हाउस, सेंट्रल सेक्रेटेरिएट, आईटीओ, दिल्ली गेट, इंद्रप्रस्थ, खान मार्केट, जोर बाग, शिवाजी स्टेडियम और झंडेवालान शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को भी मध्य दिल्ली में यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित रही थी। कई प्रमुख सड़कों पर बैरिकेडिंग और मेट्रो स्टेशनों के बंद रहने से लोगों को जाम का सामना करना पड़ा। यात्रियों ने बताया कि मेट्रो सेवा प्रभावित होने के कारण उनके सफर में 40 से 45 मिनट तक अतिरिक्त समय लगा। शाम के समय दफ्तरों की छुट्टी के बाद स्थिति और ज्यादा खराब हो गई। बसों में भीड़ बढ़ गई और कई लोगों को घर पहुंचने के लिए वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ा। प्रशासन ने लोगों से यात्रा की योजना बनाकर निकलने की अपील की है।

हजारीबाग में मुठभेड़ के बाद राहुल दुबे गिरोह के दो अपराधी गिरफ्तार, एक जख्मी

हजारीबाग (एजेंसी)। हजारीबाग के केरेडारी थाना क्षेत्र में शुक्रवार तड़के पुलिस और राहुल दुबे गिरोह के सदस्यों के बीच हुई मुठभेड़ में एक अपराधी पुलिस की जवाबी फायरिंग में घायल हो गया, जबकि दो अन्य को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि राहुल दुबे गिरोह के सदस्य चंद्रगुप्त कोल परियोजना क्षेत्र में लेवी वसूलने की फिराक में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की तैयारी में हैं। इसी सूचना पर केरेडारी थाना और पगार ओपी की संयुक्त टीम ने बुकरु गांव के पास ट्रांसपोर्टिंग मार्ग पर घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही अपराधियों ने जंगल की ओर भागने का प्रयास किया और फायरिंग शुरू कर दी। आत्मरक्षा में पुलिस की जवाबी फायरिंग में एक अपराधी के पैर में गोली लगी। घायल अपराधी को इलाज के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, हजारीबाग में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से एक मोटरसाइकिल और एक अवैध पिस्तौल भी बरामद की है। घटना की सूचना पर हजारीबाग एसपी अमन कुमार और बड़कागांव एसडीपीओ अमित आनंद ने भी मौके का मुआयना किया। गिरफ्तार अपराधियों से राहुल दुबे गिरोह के नेटवर्क और लेवी वसूली से जुड़ी अन्य जानकारी जुटाई जा रही है।

असम में कई इलाके जलमग्न, बाढ़ से 7.21 लाख लोग प्रभावित, 6 लोगों की हुई मौत

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के कई हिस्से जलमग्न हैं। अधिकारियों ने बताया कि 11 जिले बाढ़ की चपेट में हैं। इससे 7.21 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि मरने वालों की संख्या 6 हो गई है। एएसडीएमए के मुताबिक बाढ़ से प्रभावित जिले गोलाघाट, होजई, कामरूप, चराइदेव, जोरहाट, डिब्रूगढ़, शिवसागर, नागांव, कामरूप (मेट्रो), कार्बी आंगलोंग और तिनसुकिया हैं। कुल 37 राजस्व सर्कल और 883 गांव प्रभावित हुए हैं, जबकि बाढ़ के कारण 25,375.44 हेक्टेयर फसल को नुकसान पहुंचा है। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ का सबसे गंभीर असर शिवसागर जिले में देखा गया है, जहां 3,75,682 लोग प्रभावित हुए। इसके बाद चराइदेव में 1,86,351 और जोरहाट में 1,15,764 लोग प्रभावित हुए हैं। आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने पुष्टि की कि अब तक बाढ़ के कारण 6 लोगों की मौत हुई है। शिवसागर में 4, जबकि चराइदेव जिले में दो लोग बाढ़ की चपेट में आए। बाढ़ की ताजा रिपोर्ट में किसी के लापता होने की सूचना नहीं है। ग्रामीण के साथ शहरी क्षेत्र भी बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 5 राजस्व सर्कल और 17 इलाके या वार्ड प्रभावित हुए हैं, जिससे 592 लोग प्रभावित हुए हैं। शहरी इलाकों में पानी भरने से कई निचले इलाकों में सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। प्रशासन ने प्रभावित जिलों में राहत सुविधाएं शुरू की हैं। अभी 103 राहत शिविर और 255 राहत वितरण केंद्र चल रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि 24,000 से ज्यादा लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं, जबकि 2.39 लाख से ज्यादा लोगों को मदद पहुंचाई गई है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि सबसे अधिक प्रभावित जिलों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, अग्निशमन व आपातकालीन सेवाएं और जिला प्रशासन की टीमें राहत व बचाव अभियान में जुटी हैं।

आंदोलन का असर चुनाव की तैयारियों पर दिखा, भाजपा नेतृत्व हुआ सतर्क

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में छात्रों और विभिन्न संगठनों के आंदोलनों का असर अब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर भी दिखाई देने लगा है। भाजपा नेतृत्व चुनाव से पहले किसी भी प्रकार के जनाक्रोश को लेकर सतर्क हो गया है। इसी रणनीति के तहत केंद्रीय मंत्रियों, प्रदेश मंत्रियों और विधायकों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहने तथा जनता के बीच लगातार संवाद बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं। पार्टी संगठन ने जनप्रतिनिधियों से कहा है कि वे बूथ स्तर तक पहुंचकर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करें, केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करें तथा जनता की शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि दिल्ली में चल रहे आंदोलनों और विपक्ष के हमलों को देखते हुए भाजपा चुनावी माहौल को अपने पक्ष में बनाए रखने के लिए कोई जोखिम नहीं लेना चाहती। सूत्रों के अनुसार, पार्टी नेतृत्व नियमित समीक्षा बैठकों के माध्यम से जनप्रतिनिधियों के दौरे और जनसंपर्क अभियानों की निगरानी भी कर रहा है। वहीं विपक्ष का दावा है कि भाजपा जनता के बढ़ते असंतोष से चिंतित है, जबकि भाजपा का कहना है कि यह चुनाव पूर्व सामान्य संगठनात्मक तैयारी का हिस्सा है। आगामी उत्तर प्रदेश चुनावों को देखते हुए प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियां लगातार तेज होती जा रही हैं।

प्रदर्शन में पैलेट गन दागी, युवक का कान कटकर नीचे गिरा

मेडिकल रिपोर्टों में दर्ज हुए चोटों के निशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। जंतर-मंतर पर हाल ही में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान घायल हुए प्रदर्शनकारियों की मेडिकल रिपोर्टों में ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जिनसे पैलेट गन और रबर बुलेट के इस्तेमाल की आशंका मजबूत हुई है। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इन आरोपों से साफ इनकार किया है, जबकि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है।

घायलों की मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) रिपोर्टों में कई गंभीर चोटों का उल्लेख किया गया है। राम मनोहर लोहिया अस्पताल से जारी एक महिला प्रदर्शनकारी टोप्पो की रिपोर्ट में संदिग्ध गोली लगने से चोट दर्ज है। टोप्पो का दावा है कि उन्हें रबर बुलेट लगी थी, जिससे उनके दाहिने कान का एक हिस्सा कटकर जमीन पर गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। उन्होंने बताया कि घटना के समय पुलिस आंसू गैस के गोले छोड़ रही थी और फायरिंग भी की जा रही थी। इसी दौरान उनके कान पर रबर बुलेट लगी और कान का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती 28 वर्षीय एक पत्रकार की मेडिकल रिपोर्ट में कमर और हाथों पर पैलेट इंजरी के निशान दर्ज किए गए हैं। रिपोर्ट में उल्लेख है कि जंतर-मंतर पर पैलेट गन से हमला हुआ था। घायल पत्रकार का कहना है कि डॉक्टरों ने उन्हें बताया कि उनके शरीर में कई छर्रे धंसे हुए हैं, जिन्हें अधिक संख्या में होने के कारण सर्जरी के जरिए निकालना आसान नहीं है। प्रदर्शन में घायल 19 वर्षीय साहिल का इलाज एम्स में चल रहा है। परिजनों के अनुसार, उनकी दाहिनी आंख में पैलेट घुस गया, जिससे आंख में गंभीर चोट आई है और एक और सर्जरी की आवश्यकता पड़ सकती है। इसके अलावा उनके चेहरे, गर्दन, छाती और पेट में भी कई छर्रे फंसे हुए हैं। वहीं लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज में भर्ती एक अन्य घायल मंसूरी ने बताया कि उनके चेहरे और गर्दन से छर्रे निकालने के लिए दो सर्जरी करनी पड़ीं। उनका कहना है कि आंसू गैस का गोला फटने के बाद उन्हें चेहरे पर तेज जलन महसूस हुई और बाद में गंभीर चोटों का पता चला।

दूसरी ओर, दिल्ली पुलिस ने पैलेट गन या रबर बुलेट के इस्तेमाल से स्पष्ट इनकार किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के पास दंगा नियंत्रण के उपकरण होते हैं, लेकिन उनके इस्तेमाल को लेकर वे कोई पुष्टि नहीं कर सकते। वहीं सीआरपीएफ ने इस पूरे मामले पर आधिकारिक टिप्पणी करने से परहेज किया है। हालांकि, सूत्रों के अनुसार आरएएफ के पास पैलेट गन जैसे दंगा-रोधी उपकरण उपलब्ध होते हैं और भीड़ नियंत्रण के दौरान उनका उपयोग किया जा सकता है। मेडिकल रिपोर्टों के सामने आने के बाद प्रदर्शन के दौरान बल प्रयोग को लेकर सवाल तेज हो गए हैं। अब इस मामले में स्वतंत्र जांच और संबंधित एजेंसियों की आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है।

बुलावा नहीं आया, तो सोशल मीडिया पर छलका दर्द-ए-दिल, भाजपा में सब कुछ ठीक है?

मुंबई (एजेंसी)। गोरखपुर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में पूर्वांचल के पहले सिक्सलेन फ्लाईओवर के लोकार्पण समारोह से एक राजनीतिक संदेश भी निकलकर सामने आया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जहां 995 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया, वहीं भाजपा के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय मंत्री डॉ. राधा मोहन

दास अग्रवाल का दर्द सोशल मीडिया पर सुर्खियां बन गया। उन्होंने लिखा कि घर के सामने फ्लाईओवर का उद्घाटन हुआ, जाने की इच्छा भी थी, लेकिन निमंत्रण नहीं मिला।

राजनीतिक गलियारों में इसे लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं। सवाल उठ रहा है कि क्या भाजपा में अब निमंत्रण भी राजनीतिक संदेश देने का माध्यम बन गया है? चार बार गोरखपुर शहर से विधायक रह चुके और वर्तमान में पार्टी के राष्ट्रीय मंत्री जैसे अहम पद पर बैठे नेता को यदि मंच तक बुलावा नहीं मिले, तो इसे महज प्रशासनिक चूक मानना आसान नहीं होगा। डॉ. अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए जनता को बधाई भी दी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को टैग कर अपनी पीड़ा सार्वजनिक कर दी। अब राजनीतिक विश्लेषक इसे फ्लाईओवर से ज्यादा ऊंची होती सियासी दूरियां बताकर चर्चा कर रहे हैं। आखिर बुलावे की राजनीति में किसका कद बढ़ा और किसका घटा, यह सवाल फिलहाल गोरखपुर की सियासत में सबसे ज्यादा गूंज रहा है।

पीएम मोदी के वीडियो पर बोले खड़गे- पहले धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त कर संसद आइए

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक मामले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देर रात जारी किए गए वीडियो संदेश के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जब संसद का सत्र चल रहा हो, तब प्रधानमंत्री को सदन में आकर बयान देना चाहिए, न कि संसद के बाहर वीडियो संदेश जारी करना चाहिए।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेट्फार्म एक्स पर प्रधानमंत्री को संबोधित करते हुए लिखा कि संसद में आने से पहले केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को उनके पद से बर्खास्त किया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार जवाबदेही से बचने का प्रयास कर रही है और छात्रों के साथ हुए अन्याय पर अब तक कोई ठोस राजनीतिक जिम्मेदारी तय नहीं की गई है। कांग्रेस अध्यक्ष ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की मांगों को दोहराते हुए कहा कि प्रधानमंत्री पहले छात्रों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। साथ ही प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज और पेलेट गन के इस्तेमाल के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। खड़गे ने कहा कि इन कदमों के बाद ही शिक्षा व्यवस्था और पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दों पर सार्थक चर्चा संभव होगी।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने देर रात जारी वीडियो संदेश में कहा था, कि पेपर लीक रोकने के लिए सरकार सख्त कानून लाने की तैयारी कर रही है। उन्होंने बताया कि अधिकारियों ने फास्ट ट्रैक कोर्ट के गठन और दोषियों को शीघ्र एवं कड़ी सजा दिलाने संबंधी मसौदा तैयार कर उन्हें सौंप दिया है। इस प्रस्ताव पर शुक्रवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में चर्चा होगी और मंत्रियों के सुझावों के बाद इसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

राहुल ने पीएम मोदी पर कसा तंज बोले- पहले शिक्षा मंत्री को हटाइए

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक विवाद को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री आधी रात को वीडियो जारी कर प्रदर्शनकारी छात्रों की समझदारी का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को पद से हटाया जाए, प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज करने वालों को सजा दी जाए और सरकार इस पूरे मामले पर देश के छात्रों से माफी मांगे।

राहुल गांधी का यह बयान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस घोषणा के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कैबिनेट की बैठक में पेपर लीक के खिलाफ और अधिक सख्त कदम उठाने पर चर्चा की जाएगी। राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर केंद्र सरकार पर राजनीतिक दबाव लगातार बढ़ रहा है। विपक्षी दल इस मुद्दे को लेकर लगातार सरकार की जवाबदेही तय करने और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे पर अड़े हुए हैं।

दूसरी ओर, कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेता अभिजीत दिपके ने लद्दाख के पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक द्वारा 26 दिनों से जारी अपनी भूख हड़ताल समाप्त करने पर राहत जताई है। दिपके ने कहा कि वांगचुक के त्याग और साहस ने पूरे देश की अंतरात्मा को जगाने का काम किया है। उन्होंने साफ किया कि जब तक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अपने पद से इस्तीफा नहीं दे देते, तब तक जंतर-मंतर पर उनका शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। उल्लेखनीय है कि सोनम वांगचुक ने गुरुग्राम के एक निजी अस्पताल में केंद्रीय मंत्रियों जे.पी. नड्डा और जितेंद्र सिंह, लेह-लद्दाख की एपेक्स बॉडी के वरिष्ठ नेताओं तथा अपने परिवार की मौजूदगी में उपवास तोड़ा। संसद के 65 सदस्यों द्वारा की गई अपील और देश भर से समर्थन मिलने के बाद उन्होंने अपना 26 दिनों का अनशन समाप्त किया।

26 जुलाई को पूरे देश में सपा मनाएगी संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस

-अखिलेश बोले- जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा, संविधान ही है ढाल

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि 26 जुलाई को पूरे यूपी और देशभर में संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस मनाया जाएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि इसी दिन कोल्हापुर के तत्कालीन शासक राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने महात्मा ज्योतिबा फुले की विचारधारा से प्रेरित होकर आरक्षण व्यवस्था लागू की थी। उनके मुताबिक यह सामाजिक न्याय को व्यवहार में उतारने की एक ऐतिहासिक पहल थी, जिसने आगे चलकर संविधान में समानता और सामाजिक न्याय के प्रावधानों की मजबूत नींव रखी।

सपा प्रमुख ने शुक्रवार को एक्स पर लिखा कि आरक्षण दिवस 26 जुलाई को समाजवादी पार्टी ने संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस के रूप में भी मनाने का फैसल लिया है क्योंकि इसी दिन महात्मा ज्योतिबा फुले द्वारा संकल्पित 'आरक्षण' को कोल्हापुर के परम आदरणीय-अनुकरणीय

श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज ने अपने कोल्हापुर राज्य में लागू किया था। इसी दिन आरक्षण देने का शुभारंभ हुआ था। उन्होंने आगे कहा कि सामाजिक न्याय की भावना को आरक्षण के रूप में इसी दिन अमल में लाया गया था, जो आगे चलकर बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के सद्प्रयासों से हमारे संविधान में एक जनाधिकार के रूप में सामाजिक न्याय को सुनिश्चित करने का मूल आधार बना और देश के लोकतंत्र की स्थापना का मूल सिद्धांत भी। इसके लिए हर वर्ष 26 जुलाई से अधिक ऐतिहासिक अवसर और क्या हो सकता है, क्योंकि विचार को सही में लागू करना ही तो सबसे बड़ा और प्रभावशाली उदाहरण होता है, जो परम आदरणीय-अनुकरणीय श्रीमंत महाराज राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज जी ने इस दिन लागू करके दिखलाया था।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि इसी परिप्रेक्ष्य में इस वर्ष भी 26 जुलाई को पूरे उत्तर प्रदेश और देश में समाजवादी पार्टी संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस का आयोजन कर रही है। इस दिन सपा के मुख्यालय व सभी कार्यालयों में एक सादगीपूर्ण समारोह में भारत के संविधान की प्रति के सानिध्य में संविधान-मानस्तंभ स्थापना दिवस आयोजित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इसके पीछे मूल भावना यही है कि संविधान-मानस्तंभ वस्तुतः पीडीए-प्रकाशस्तंभ के रूप में हमारे सामाजिक न्याय के राज' की स्थापना के संकल्प का मार्ग सदैव प्रकाशित और प्रशस्त करता रहे। जब संविधान बचेगा तभी आरक्षण बचेगा। संविधान ही ढाल है, संविधान ही कवच है। संविधान ही गैर बराबरी दूर करके समता-समानता को सुनिश्चित करेगा और हमारे 'बंधु राष्ट्र' बनाने के महा-संकल्प को भी।

अब जगन्नाथ धाम और महाप्रसाद का व्यावसायिक उपयोग करना होगा अवैध

पुरी जगन्नाथ मंदिर प्रशासन को मिले 5 नए ट्रेडमार्क

पुरी (एजेंसी)। हिंदुओं के पवित्र चार धामों में से एक, ओडिशा स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन (एसजेटीए) ने 12वीं सदी के इस ऐतिहासिक मंदिर की पहचान और अनूठी परंपराओं की सुरक्षा के लिए एक बड़ी कानूनी उपलब्धि हासिल की है। ट्रेड मार्क्स रजिस्ट्री ने जांच के दूसरे चरण के बाद मंदिर प्रशासन के पांच नए ट्रेडमार्क आवेदनों को स्वीकार कर लिया है। इन नए स्वीकृत शब्दों में जगन्नाथ धाम, श्रीक्षेत्र, महाप्रसाद, नीलचक्र और कोइली बैकुंठ शामिल हैं, जिन्हें जल्द ही ट्रेड मार्क्स जर्नल में प्रकाशित किया जाएगा। मंदिर कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह कदम महाप्रभु श्री जगन्नाथ की पवित्र संस्कृति से जुड़े धार्मिक चिह्नों और पहचान के अनधिकृत तथा व्यावसायिक दुरुपयोग को रोकने के लिए उठाया गया है।

हाल के वर्षों में कई व्यक्तियों और निजी संस्थाओं द्वारा इन पवित्र नामों का व्यावसायिक इस्तेमाल करने के मामले सामने आ रहे थे। विशेष रूप से पश्चिम बंगाल के दीघा में बने एक नए मंदिर के लिए जगन्नाथ धाम शब्द के इस्तेमाल के बाद यह विवाद काफी गहरा गया था, जिसके बाद मंदिर प्रशासन ने ट्रेडमार्क संरक्षण की प्रक्रिया को और तेज कर दिया। मान्यता के अनुसार, जगन्नाथ धाम पुरी स्थित भगवान जगन्नाथ के मुख्य निवास स्थान को कहा जाता है, जिसे श्रीक्षेत्र या धरती का बैकुंठ भी माना गया है। वहीं, मंदिर की रसोई में तैयार होने वाले विशेष भोग को महाप्रसाद कहा जाता है। नीलचक्र मंदिर के शिखर पर स्थापित अष्टधातु का सुदर्शन चक्र है और कोइली बैकुंठ मंदिर परिसर का वह पवित्र उद्यान है, जहां नव कलेवर के दौरान पुराने विग्रहों का समाधि-विसर्जन किया जाता है। अब इन सभी नामों का बिना अनुमति व्यावसायिक प्रयोग दंडनीय अपराध होगा।

मंदिर प्रशासन ने जगन्नाथ संस्कृति से जुड़ी कुल 29 पहचानों और शब्दों के ट्रेडमार्क संरक्षण के लिए आवेदन किया था। इससे पहले पिछले महीने भी एसजेटीए को आनंद बाजार, पतितपावन और नीलचक्र के आधिकारिक लोगो के लिए ट्रेडमार्क पंजीकरण मिल चुका है। ट्रेड मार्क्स अधिनियम के तहत किए गए ये पंजीकरण पुरी मंदिर की समृद्ध विरासत, प्रामाणिकता और धार्मिक भावनाओं को सुरक्षित रखने में दूरगामी भूमिका निभाएंगे।

भारत ने पीएम रहमान को ब्रिक्स सम्मेलन का भेजा न्योता

-बांग्लादेश से संबंधों को पटरी पर लाने की पहल

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद से भारत और पड़ोसी मुल्क के बीच उपजे कूटनीतिक तनाव के बीच भारत ने दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। भारत ने बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान को 12-13 सितंबर 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का आधिकारिक निमंत्रण भेजा है। बांग्लादेश के ब्रिक्स का सदस्य देश न होने के बावजूद ढाका को आमंत्रित करना दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को पुन- पटरी पर लाने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबैद इस्लाम ने पुष्टि की है कि भारतीय पक्ष से प्राप्त निमंत्रण विदेश मंत्रालय को मिल चुका है, जिसे प्रधानमंत्री कार्यालय को भेज दिया गया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे पहले फरवरी में भी तारिक रहमान को भारत यात्रा का न्योता दिया था। हालांकि, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में रहने के कारण बांग्लादेश की घरेलू राजनीति में किसी प्रतिकूल प्रतिक्रिया के डर से रहमान अब तक भारत यात्रा को लेकर सतर्क रुख अपनाए हुए हैं। पद संभालने के बाद वह अपनी पहली विदेश यात्रा पर परंपरा से हटकर भारत के बजाय चीन गए थे। बांग्लादेश लंबे समय से ब्रिक्स समूह का सदस्य बनने की महत्वाकांक्षा रखता है और इस दिशा में उसे चीन व रूस का समर्थन भी प्राप्त है। ऐसे में नई दिल्ली में होने वाला यह शिखर सम्मेलन ढाका के लिए कूटनीतिक दृष्टिकोण से बेहद खास माना जा रहा है। इस सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भी शामिल होने की संभावना है। इससे पहले 2016 में भी जब भारत ने ब्रिक्स की मेजबानी की थी, तब बांग्लादेश को बिम्सटेक सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया था। हाल ही में मनीला में आसियान फोरम के दौरान भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान के बीच भी संक्षिप्त मुलाकात हुई थी। भारत की इस वर्ष की ब्रिक्स अध्यक्षता बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी विषय पर केंद्रित है। इस बड़े मंच पर बांग्लादेश की भागीदारी से दक्षिण एशिया में क्षेत्रीय स्थिरता और व्यापारिक संबंधों को एक नई दिशा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

प्रोटेस्ट के बीच सरकार के संकटमोचक कैसे बन गए नड्डा?

-वांगचुक का अनशन तुड़वाने में निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट पेपर लीक विवाद और विभिन्न संगठनों के बढ़ते विरोध-प्रदर्शनों के चलते केंद्र सरकार पर चौतरफा राजनीतिक दबाव बना हुआ है। सड़क से लेकर संसद तक जारी इस संग्राम के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता जेपी नड्डा सरकार के प्रमुख संकटमोचक बनकर उभरे हैं। जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों से बातचीत करने से लेकर घायल छात्रों से मुलाकात और गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में सोनम वांगचुक से दो दौर की बातचीत तक, हर मोड़ पर उन्होंने अहम भूमिका निभाई है।

आंदोलन की शुरुआत से ही जेपी नड्डा ने सरकार की ओर से संवाद के रास्ते खोले रखे। 20 जुलाई को जब प्रदर्शन उग्र हुआ और प्रदर्शनकारियों ने संसद मार्च का ऐलान किया, तब उन्होंने तुरंत बैक-चैनल संवाद सक्रिय कर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रतिनिधियों से मुलाकात की। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया कि उनकी मांगों को उचित मंच पर उठाया जाएगा। हिंसा के दौरान घायल हुए प्रदर्शनकारियों से मुलाकात कर उन्होंने उन्हें हर संभव चिकित्सा सहायता प्रदान करने का भरोसा दिया और संसद में भी स्पष्ट किया कि सरकार हर मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है। गतिरोध को सुलझाने की दिशा में बड़ा मोड़ तब आया जब जेपी नड्डा आधी रात को मेदांता अस्पताल पहुंचे और 26 दिनों से अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक से मुलाकात की। इस पहल के बाद वांगचुक ने सरकार के समक्ष अपनी मांगें रखीं। सरकार ने इन मांगों का सिलसिलेवार अध्ययन कर एक रूपरेखा तैयार की, जिसके बाद प्रधानमंत्री के बयान और जेपी नड्डा की सीधी मौजूदगी में सोनम वांगचुक ने अपना अनशन समाप्त कर दिया। सोनम वांगचुक का अनशन तुड़वाकर जेपी नड्डा ने इस संकट को टालने की दिशा में पहली बड़ी सफलता हासिल कर ली है। हालांकि, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर प्रदर्शनकारियों को क्या आश्वासन मिला है, यह सवाल अभी भी बना हुआ है। अब उनकी अगली बड़ी चुनौती जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध-प्रदर्शन को पूरी तरह से समाप्त कराने की होगी।

भाजपा ने फूंका कांग्रेस का पुतला, संसद में बहस की दी चुनौती

जेपीएससी-जेएसएससी की गड़बड़ियों पर भाजपा का हमला, कांग्रेस-झामुमो को घेरा

संसद में चर्चा से भाग रही कांग्रेस, छात्रों को कर रही गुमराह : अनंत

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । पेपर लीक और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर शुक्रवार को साहेबगंज में भाजपा कार्यकताओं ने कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया। जिसका नेतृत्व नगर अध्यक्ष विनोद चौधरी ने किया। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने स्वामी विवेकानंद चौक से रैली निकाल कर स्टेशन चौक पहुंचकर कांग्रेस और राहुल गांधी का पुतला दहन किया। इस दौरान मुख्य रूप से भाजपा के पुर्व विधायक अनंत कुमार ओझा शामिल थे। वहीं पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दल छात्रों, युवाओं तथा देशवासियों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार संसद में पेपर लीक समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष चर्चा से बच रहा है। उन्होंने झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों का भी उल्लेख करते हुए कांग्रेस और झामुमो सरकार पर निशाना साधा। साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस शासित राज्यों केरल, पंजाब, झारखंड सहित अन्य राज्यों में पेपर लीक सहित परीक्षा में गड़बड़ी पर कांग्रेस व उसके सहयोगी दल चुप्पी साधे है। कांग्रेस अराजकतत्वों को संरक्षक देने का कार्य कर रही है। कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति कर रही है। झारखंड के अंदर जितना भी परीक्षा हुई सब भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। वहीं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गणेश तिवारी ने भी कांग्रेस पर देश में अराजकता फैलाने और विदेशी फंडिंग के जरिए राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार छात्रों और युवाओं की मांगों के समाधान के लिए प्रतिबद्ध है तथा कांग्रेस को संसद में बहस करनी चाहिए। इस दौरान कार्यक्रम में भाजपा कार्यकताओं ने कांग्रेस विरोधी नारे लगाए। मौके पर अनुराग राहुल, सुनील टाइगर, चंद्रभान शर्मा, धर्मेंद्र कुमार, जयकांत वर्मा, रामप्रताप चौधरी, चांदनी देवी, सागर मंडल, धनंजय मंडल, गौतम पंडित, सलखु उरांव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आठ दिनों बाद मौसी के घर से अपने घर लौटे भगवान जगन्नाथ

बिभा संवाददाता

तालझारी। जगन्नाथ रथयात्रा महोत्सव की समाप्ति हो गई है। 08 दिनों तक मौसी के घर विश्राम के बाद 24 जुलाई को भगवान जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा की घर वापसी हुई जो कन्हैया स्थान स्थित मुन्नापटाल गांव स्थित रविंद्र कर्मकार के निवास स्थान पर विधि विधान से तीनों देवी देवताओं की पूजा-अर्चना के बाद स्थापना की गई। वहीं भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा रथ में सवार होकर तालझारी से लौटे। पहले भगवान जगन्नाथ, भ्राता बलभद्र और बहन सुभद्रा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा तालझारी स्टेशन के समीप अपने मौसी के घर शंभू के यहां से यात्रा शुरू हो कर तालझारी, बेलदारचक, लालमाटी, मखानी, मंगलहाट, कन्हैया स्थन होते हुए मुन्नापटाल पहुंची। इस दौरान रास्तेभर रथ को खींचने श्रद्धालुओं में होड़ लगी रही। रास्ते भर दर्शनार्थियों के बिच प्रसाद बांटा गया। वहीं आठ दिन विश्राम के बाद भगवान अपने घर लौट गए हैं। भगवान जगन्नाथ की वापसी के बाद मुन्नापटाल में विशेष पूजा अर्चना की गई। इसकी पूरे जोर शोर से तैयारी की गई थी। इस दौरान रास्ते भर भजनों की धुन ने भक्तों को भक्तिभाव में बांधे रखा।

संक्षिप्त खबरें

लंबित अबुआ व प्रधानमंत्री आवासों को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित, दिए दिशा-निर्देश

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड कार्यालय कक्ष में शुक्रवार को लंबित अबुआ आवास व प्रधानमंत्री आवासों को लेकर समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता प्रखंड समन्वयक आवास संदीप कुमार गुप्ता ने किया। इस दौरान उन्होंने आवास कर्मियों के साथ पंचायतवार समीक्षा करते हुए लंबित आवासों को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने बताया कि अबुआ आवास योजना में वित्तीय वर्ष 23-24 में कुल 36 आवास तथा वर्ष 24-25 में कुल 53 आवास लंबित है। साथ ही बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में वित्तीय वर्ष 24-25 में 1044 आवास लंबित है। उक्त लाभुकों के बैंक खातों में द्वितीय किस्त की राशि भेजी गई है। साथ ही उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना में वित्तीय वर्ष 24-25 में प्रथम किस्त प्राप्त करने वाले कुल 1763 आवासों में निर्माण कार्य चल रहा है। वहीं प्रखंड समन्वयक संदीप कुमार गुप्ता ने आवास कर्मियों को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि कार्य में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि वैसे लाभुक जो राशि लेकर लंबे समय से निर्माण कार्य शुरू नहीं किए है, वैसे लाभुकों को चिंहित कर उन्हें नोटिस सौंपकर जल्द से जल्द निर्माण कार्य प्रारंभ करने का निर्देश दिया। मौके पर आवास प्रभारी प्रेमनंदन चौड़े, सिकंदर अली, महाताब आलम, समशाद अली, शशि कपूर दुबे, विनोद कुमार, जावेद इकबाल, माउद आलम, सर्वोदय रंजन, उत्तम रजक, मोजामिल अंसारी सहित अन्य मौजूद थे।

विशेष ड्राइविंग लाइसेंस शिविर का सफल आयोजन, ग्रामीणों को मिली राहत

राजमहल(बिभा)। झारखंड सरकार के निर्देश एवं जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन आईंद के मार्गदर्शन में साहिबगंज जिले के राजमहल प्रखंड परिसर में 24 और 27 जुलाई 2026 को दो दिवसीय विशेष ड्राइविंग लाइसेंस शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर प्रतिदिन पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक संचालित हुआ। शिविर का उद्देश्य दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को प्रखंड स्तर पर ही ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराना था, ताकि उन्हें बार-बार जिला मुख्यालय का चक्कर न लगाना पड़े। शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं, वाहन चालकों और आम नागरिकों ने भाग लिया। आवेदकों ने लर्निंग लाइसेंस एवं स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन कर निर्धारित प्रक्रियाएं पूरी कीं। परिवहन विभाग की टीम ने दस्तावेजों का सत्यापन, आवेदन पंजीकरण तथा अन्य औपचारिकताएं पारदर्शी, सरल और सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराईं। जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन आईंद ने कहा कि झारखंड सरकार का उद्देश्य परिवहन विभाग की सेवाओं को आम जनता तक सरल, सुलभ और पारदर्शी तरीके से पहुंचाना है। इसी सोच के तहत जिले के विभिन्न प्रखंडों में विशेष ड्राइविंग लाइसेंस शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इस पहल से ग्रामीणों के समय और धन दोनों की बचत हो रही है तथा अधिक से अधिक पात्र नागरिकों को वैध ड्राइविंग लाइसेंस उपलब्ध कराना विभाग की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी वाहन चालकों से बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन नहीं चलाने तथा सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की। साथ ही सुरक्षित, जिम्मेदार और अनुशासित यातायात व्यवस्था को मजबूत बनाने में आम नागरिकों से सहयोग देने का आग्रह किया। शिविर में परिवहन विभाग के कंप्यूटर ऑपरेटर सुमित प्रकाश, जगन्नाथ साहा, रितिका चौधरी सहित विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। शिविर को मिले बेहतर जनसमर्थन को देखते हुए विभाग ने भविष्य में भी इस तरह के विशेष कैंप आयोजित करने के संकेत दिए हैं।

घुरती रथयात्रा संपन्न, भगवान मदन मोहन की विधि-विधान से हुई घर वापसी

बिभा संवाददाता

पाकुड़। जिले में शुक्रवार को पारंपरिक श्रद्धा, धार्मिक आस्था और उत्सवी माहौल के बीच घुरती रथयात्रा का आयोजन धूमधाम से संपन्न हुआ। सात दिनों के प्रवास के बाद भगवान मदन मोहन को विधि-विधान, वैदिक मंत्रोच्चार और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ पीतल के रथ पर विराजमान कर नगर भ्रमण कराया गया। नगर भ्रमण के उपरांत भगवान को पुनः उनके मूल मंदिर में स्थापित किया गया। रथयात्रा के दौरान पूरे मार्ग में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और जय जगन्नाथ व जय मदन मोहन के जयघोष से वातावरण भक्तिमय बना रहा। रथयात्रा प्रारंभ होने से पूर्व स्थानीय पुरोहितों ने भगवान मदन मोहन की विशेष पूजा-अर्चना एवं मंत्रोच्चार कराया। शुभ मुहूर्त में भगवान को पीतल के रथ पर विराजमान किया गया, जिसके बाद शोभायात्रा कालीबाड़ी मैदान से शुरू होकर राजा पाड़ा, इंदिरा चौक, बिरसा चौक, नगर थाना और भगत पाड़ा होते हुए पुनः मंदिर परिसर पहुंची। मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं ने भगवान के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और पुष्पवर्षा कर स्वागत किया।

धार्मिक मान्यता के अनुसार रथयात्रा के अवसर पर भगवान मदन मोहन अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलराम के साथ मौसी घर जाते हैं, जहां सात दिनों तक प्रवास करते हैं। घुरती रथयात्रा के दिन उन्हें पुनः रथ पर सवार कर उनके धाम लौटाया जाता है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए शुक्रवार को भगवान की विधिवत घर वापसी कराई गई। मेले में सुबह से देर शाम तक लोगों की भारी भीड़ रही। रथ मिठाई, जलेबी, कटहल, आम सहित अन्य स्थानीय उत्पादों की दुकानों पर अच्छी बिक्री हुई। ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने भगवान के दर्शन-पूजन के साथ मेले का भरपूर आनंद लिया। बच्चों और युवाओं में मेले को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला।

जिला मुख्यालय में घुरती रथयात्रा वर्षों से धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। यही कारण है कि हर वर्ष इस आयोजन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा आसपास के इलाकों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस बार भी पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धा, अनुशासन और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिला, जिसने नगर के धार्मिक वातावरण को और अधिक जीवंत बना दिया।

खेत-खलिहानों में चहल-पहल बढ़ी, धान की रोपाई में आई तेजी

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में इन दिनों खेत-खलिहानों में चहल-पहल काफी बढ़ गई है। किसान अपने खेतों में ट्रैक्टर व हल-बैल के माध्यम से जुताई करने में जुटे है। वहीं खेतों में धान की रोपाई तेजी से चल रही है। जानकारी के अनुसार सुतियारपाड़ा, जोंका, मोहनपुर, मसना, आतापुर, कटहलबाड़ी सहित अन्य इलाकों में धान की रोपाई तेजी से चल रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी कई किसान पारंपरिक तरीके से बैलों के सहारे खेत जुताई पसंद करते है। खेत में पानी भर जाने के बाद बैलों द्वारा जुताई करने से मिट्टी अच्छी तरह मुलायम हो जाती है। जिससे धान की रोपाई आसान होती है। किसान बताते है कि समय पर बारिश होने से खेती का कार्य गति पकड़ चुका है और रोपाई का मौसम अनुकूल बना हुआ है। खेतों में भरा पानी और बैलों के साथ काम करता किसान ग्रामीण जीवन की मेहनत और खेती की परंपरा को जीवंत रूप में दशार्ता है। कृषि कार्यों में तेजी आने से ग्रामीण इलाकों में खेतों की रौनक लौट आई है। सुबह से शाम तक किसान परिवार खेतों में जुटे हुए है ताकि धान की रोपाई निर्धारित समय पर पूरी की जा सकें। इस संबंध में प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी ओमप्रकाश साहा ने बताया कि प्रखंड क्षेत्र में अब-तक 65 प्रतिशत धान की रोपाई हो गया है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में धान रोपाई का कार्य चल रहा है।

राजकीय श्रावणी मेला : श्रद्धालुओं की सुगमता के लिए अनुमंडल पदाधिकारी श्री रवि कुमार के नेतृत्व में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

देवघर : राजकीय श्रावणी मेला, 2026 के सफल और सुरक्षित आयोजन को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। मेले के दौरान बाबा मंदिर आने वाले देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम आवागमन को ध्यान में रखते हुए आज अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार के नेतृत्व में मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक सघन अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। श्रावणी मेले के दौरान कांवरियों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए रास्तों को साफ और खुला रखना अनिवार्य है। इसी के तहत अभियान के दौरान मंदिर परिसर के मुख्य मार्गों, फुटपाथों और संकीर्ण गलियों में अवैध रूप से लगाए गए दुकानों, काउंटरों, शेड और ठेलों को पूरी तरह हटा दिया गया। इसके अलावा इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार ने कहा कि राजकीय श्रावणी मेला में आने वाले कांवरियों को सुलभ जलार्पण और सुरक्षित मार्ग प्रदान करना प्रशासन का मुख्य संकल्प है। भीड़ नियंत्रण और सुव्यवस्थित यातायात के लिए रास्तों का अतिक्रमण मुक्त होना बेहद जरूरी है। उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि श्रावणी मेले के दौरान यदि दोबारा किसी भी दुकानदार द्वारा मार्ग बाधित या अतिक्रमण किया गया, तो सामान जब्त करने के साथ-साथ उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई और भारी जुमार्ना लगाया जाएगा।

बाबा बैद्यनाथ मंदिर के 18 दानपात्रों में मिली 17.67 लाख की राशि

बिभा संवाददाता

देवघर : देवघर के बाबा मंदिर प्रांगण स्थित 18 दानपात्रों में कुल 17,67,086 रुपये नकद का प्राप्ति हुई है. शुक्रवार को मंदिर प्रशासन की देखरेख में कड़ी सुरक्षा के बीच दानपात्रों को खोला गया. इसके बाद मंदिर के प्रशासनिक भवन में दानपात्रों से प्राप्त राशि की गिनती कराई गई.

डीसी सौरभ कुमार भुवानिया ने बताया कि दानपात्रों की गिनती के बाद कुल 17,67,086 रुपये की नकद राशि मिली है. इसके अलावा श्रद्धालुओं ने विदेशी मुद्रा के रूप में 1,630 नेपाली रुपये, 21 अमेरिकी डॉलर और 17 रियाल भी दान किए. दानपात्र खोलने और राशि की गिनती की पूरी प्रक्रिया मंदिर प्रशासन की निगरानी में संपन्न हुई. प्राप्त राशि को नियमानुसार मंदिर प्रबंधन के अभिलेख में दर्ज किया गया.

सावन से पहले मोतीझरना धाम की तैयारियों का जायजा, श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा पर प्रशासन का फोकस

बिभा संवाददाता

तालझारी । सावन माह के आगमन से पहले मोतीझरना स्थित मोतीनाथ धाम मंदिर में श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। जिसको लेकर शुक्रवार को तालझारी सीओ सह बीडीओ राम सुमन प्रसाद व थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों का संयुक्त निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वहीं निरीक्षण के दौरान मंदिर से मोतीझरना पंचायत भवन तक जाने वाली जर्जर सड़क को तत्काल मरम्मत कराने का निर्देश दिया गया, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। साथ ही सड़क किनारे जमा गिट्टी और बालू हटवाकर रास्ते को सुगम बनाने की व्यवस्था कराई गई। वहीं बीडीओ राम सुमन प्रसाद ने बताया कि सावन के दौरान झारखंड के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल और अन्य राज्यों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा मोतीनाथ पर जलाभिषेक के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में पेयजल, साफ-सफाई, आवागमन और अन्य मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों और मंदिर समिति को दिए गए हैं। वहीं थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने कहा कि पूरे सावन माह में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में पुलिस पदाधिकारी और जवान तैनात रहेंगे। भीड़ प्रबंधन, यातायात व्यवस्था और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी, ताकि श्रद्धालु शांतिपूर्ण और सुरक्षित वातावरण में पूजा-अर्चना कर सकें।

विद्युत विभाग की टीम ने किया सोलर पावर प्लांट व विद्युत वितरण प्रणाली का निरीक्षण

बिभा संवाददाता

उधवा । उधवा प्रखंड क्षेत्र के दक्षिण पलाशगाछी पंचायत स्थित बानू टोला में स्थापित सोलर पावर प्लांटों एवं विद्युत वितरण प्रणाली का विद्युत विभाग की टीम ने भौतिक सत्यापन किया। जानकारी के अनुसार बीते 28 जून को उपायुक्त दीपक कुमार दुबे एवं स्थानीय विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा गोलढाव चुआर पहुंचे थे। इस दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने सोलर पावर प्लांट से 24 घंटे निर्बाध बिजली आपूर्ति की मांग की थी। वहीं राजमहल विद्युत प्रमंडल के कनिष्ठ अभियंता चंदन कुमार अपनी टीम के साथ बानू टोला पहुंचे। उन्होंने सभी चार सोलर पावर प्लांटों का बारी-बारी से निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी सोलर पावर प्लांट, सोलर पैनल, इन्वर्टर, बैटरी बैंक तथा विद्युत वितरण प्रणाली सामान्य एवं कार्यशील अवस्था में पाएं गए। हालांकि स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों ने विभागीय टीम को बताया कि सोलर प्लांट से बिजली की आपूर्ति तो हो रही है, लेकिन प्रतिदिन केवल 12 से 15 घंटे ही बिजली मिल पाती है। ग्रामीणों ने बताया कि सीमित अवधि तक बिजली मिलने से पेयजल के लिए मोटर चलाने, फ्रिज, पंखा, बच्चों की पढ़ाई तथा अन्य घरेलू एवं कृषि कार्यों में परेशानी होती है। उन्होंने विभाग से मांग किया है कि सोलर पावर प्लांट की क्षमता, बैटरी बैकअप एवं अन्य तकनीकी संसाधनों का विस्तार कर क्षेत्र में 24 घंटे नियमित एवं निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाएं। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि विभाग उनकी मांग पर सकारात्मक पहल करते हुए सोलर प्रणाली को और सुदृढ़ बनाएगा। जिससे क्षेत्र के लोगों को चौबीसों घंटे गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति का लाभ मिल सकें। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि ताजेरूल हक सहित अन्य मौजूद थे।

पूर्व मध्य रेल

विविध वैद्युतिक कार्य हेतू ई–निविदा सूचना
विद्युत (सामान्य) विभाग के लिए
खुली निविदाएँ

मंडल रेल प्रबंधक (विद्युत) पूर्व मध्य रेल, धनबाद द्वारा भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निम्नलिखित कार्यों के निष्पादन के लिए ई–निविदा आमंत्रित की जाती है:

ई–निविदा संख्या– ईएल/05/खुली/2026–27 से ईएल/08/खुली/2026–27

ई–निविदा संख्या– ईएल/05/खुली/2026–27, 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : धनबाद डिवीजन में अलग–अलग रनिंग रूम और ट्रेनिंग स्कूल के लिए पाँच साल तक एयर कंडीशनिंग मशीनें किराए पर लेना। (कार्य समापन अवधि:–60 माह), **2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि** : रूपया 4345784.55/–, **3. बीड सिक्युरिटी:** : रूपया 86900/–

ई–निविदा संख्या– ईएल/06/खुली/2026–27, 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : धनबाद डिवीजन के विभिन्न स्टेशनों पर हाई मास्ट टावर की मरम्मत। (कार्य समापन अवधि:–12 माह), **2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि** : रूपया 3031448.34/–, **3. बीड सिक्युरिटी:** : रूपया 60600/–

ई–निविदा संख्या– ईएल/07/खुली/2026–27, 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : ROB/GOMO पर खराब सोलर लाइटों की जगह नई केवल बिछाकर स्ट्रीट लाइटिंग की व्यवस्था करना। (कार्य समापन अवधि:–12 माह), **2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि** : रूपया 2199895.12/– , **3. बीड सिक्युरिटी:** : रूपया 44000/–

ई–निविदा संख्या– ईएल/08/खुली/2026–27, 1. कार्य का नाम, स्थान एवं समापन अवधि : धनबाद डिवीजन के रास्ते में पड़ने वाले रेलवे स्टेशनों (57 Nos) पर लाइटिंग और पंखों की व्यवस्था में सुधार। (कार्य समापन अवधि:–12 माह), **2. कार्य के लिए प्राक्कलित राशि** : रूपया 20407824.16/–, **3. बीड सिक्युरिटी:** : रूपया 408200.00/–

4. सभी ई–निविदा की बिड मूल्यांकन प्रणाली: एक पैकेट प्रणाली

5. सभी ई–निविदा बंद होने एवं खुलने की तिथि एवं समय: ई–निविदा बंद होने की तिथि: 14.08.2026 को 11:00 बजे।, ई–निविदा खुलने की तिथि: 14.08.2026 को 11:30 बजे के बाद

6. वेबसाइट का विवरण: वेबसाइट: **www.ireps.gov.in**, ई निविदा के तहत मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नही किए जायेंगे।

वरीय मंडल विद्युत अभियंता (सा०)
पूर्व मध्य रेल, धनबाद

पीआर/0610/डीएचएन/ईएलईसीटी/टी/26–27/68

निदेशक ने कृषि, आत्मा, भूमि संरक्षण व उद्यान योजनाओं की समीक्षा की

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। साहेबगंज आत्मा सभागार में निदेशक, समेति, झारखंड, रांची की अध्यक्षता में कृषि, आत्मा, भूमि संरक्षण एवं उद्यान विभाग की योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, बीटीएम, एटीएम तथा विभागीय अधिकारियों और कर्मियों ने भाग लिया। वहीं बैठक में आत्मा योजना के तहत किसान समृद्धि योजना, सोलर पंप अधिष्ठापन, कृषक पाठशालाओं के संचालन तथा विभागीय व्यय की प्रगति की समीक्षा की गई। निदेशक ने निर्देश दिया कि सभी प्रखंडों में अधिक से अधिक किसानों को योजनाओं का लाभ दिया जाए, निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप सोलर पंप स्थापित किए जाएं तथा कृषक पाठशालाओं का शीघ्र संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विभागीय योजनाओं के व्यय में भी अपेक्षित वृद्धि लाने पर बल दिया। वहीं बैठक के बाद निदेशक भूमि संरक्षण विकास कुमार ने बरहेट प्रखंड के गोपलाडीह पंचायत स्थित भागाबांध गांव में वर्ष 2025-26 में जीर्णोद्धारित तालाब का निरीक्षण किया। उन्होंने लाभुक समिति से संवाद करते हुए जल संरक्षण, कृषि उत्पादकता बढ़ाने और विभिन्न योजनाओं के अभिसरण के माध्यम से किसानों तक लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। इस दौरान 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराए गए ट्रैक्टर के उपयोग का भी जायजा लिया। इसके बाद राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के तहत बरहेट प्रखंड की कुसमा पंचायत स्थित बायो इनपुट रिसोर्स सेंटर (बीआरसी) का निरीक्षण किया गया। यहां प्राकृतिक खेती के लिए जैव आदानों के उत्पादन, वितरण और योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। केंद्र पर कार्यरत आठ सीआरपी सखी दीदियों ने बीजामृत, जीवामृत, नीमास्त्र, अग्निअस्त्र सहित अन्य जैव आदानों की स्थानीय स्तर पर उपलब्धता और किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने के प्रयासों की जानकारी दी। वहीं निदेशक ने प्राकृतिक खेती को पर्यावरण संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य सुधार और किसानों की उत्पादन लागत कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताते हुए गुणवत्तापूर्ण जैव आदानों के उत्पादन तथा अधिकाधिक किसानों को इस अभियान से जोड़ने पर जोर दिया। वहीं बैठक एवं निरीक्षण कार्यक्रम में जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोक्ता, जिला उद्यान पदाधिकारी अमितेश रंजन, भूमि संरक्षण पदाधिकारी राहुल कुमार गुप्ता, उप परियोजना निदेशक (आत्मा) मंटू कुमार सहित संबंधित प्रखंडों के कृषि पदाधिकारी, बीटीएम, एटीएम एवं विभागीय कर्मी उपस्थित रहे।

भक्ति और उल्लास के बीच निकली भगवान जगन्नाथ की घुरती रथ यात्रा, श्रद्धालुओं ने खींचा रथ

बिभा संवाददाता

खूँटी । भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और बहन सुभद्रा मौसीबाड़ी से एकादशी तिथि को अपने मौसी से विदायी लेकर अपने धाम लौट आए। इस अवसर पर जिलेभर में पारम्परिक घुरती रथ यात्रा शुक्रवार को श्रद्धा और उत्साह के साथ निकाली गई। वहीं खूँटी शहर में शुक्रवार शाम सीआरपीएफ 94वीं बटालियन के तत्वावधान में मिश्रा टोली स्थित दुर्गा मंदिर (मौसीबाड़ी) से भगवान का रथ तजना भवन परिसर स्थित सीआरपीएफ 94 बटालियन परिसर तक श्रद्धापूर्वक लाया गया। रथ यात्रा के दौरान दुर्गा मंदिर प्रबंध समिति ने भगवान को विधिवत विदाई दी। घंट, शंख और जयघोष के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ, दाऊ बलभद्र और बहन सुभद्रा के रथ को खींचते हुए नगर

भ्रमण कराया। रथ यात्रा में महिला, पुरुष, युवक-युवतियों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जगह-जगह श्रद्धालुओं की भीड़ भगवान के दर्शन के लिए उमड़ पड़ी और पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा।

कार्यक्रम में सीआरपीएफ 94वीं बटालियन के अधिकारी एवं जवान भी उपस्थित रहे।

मौके पर, सीआरपीएफ 94 बटालियन खूंटी के कमाण्डेण्ट अशोक कुमार सिंह ने लोगों को कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि भगवान जगन्नाथ के आशिर्वाद से 94 बटालियन सभी के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन करता रहा है। वहीं सीआरपीएफ ने केवल समाज की सुरक्षा का ख्याल रखता है बल्कि समाज को एक अच्छी दिशा देने का भी काम करता रहा है। उक्त रथ यात्रा आयोजन को सफल बनाने में कमांडेंट अशोक कुमार सिंह, उप कमांडेंट रविशंकर, इंस्पेक्टर अजीत ठाकुर सहित सीआरपीएफ 94वीं बटालियन के अधिकारियों, जवानों एवं उनके परिवारजनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जरिया गढ़ में उत्कल परम्परा के अनुसार घुरती रथ यात्रा भक्ति भाव के साथ सम्पन्न

खूँटी । जिले के जरिया गढ़ में पूरे उत्साह के साथ शुक्रवार को घुरती रथ निकाला गया । जो मौसीबाड़ी से वापस अपने धाम मदनमोहन मंदिर पहुँचा वहीं दूसरा रथ भी दसई टांड़ पहुँचकर राधाकृष्ण मंदिर वापस ले जाया गया । यह आयोजन पूरे उत्कल परम्परा के अनुसार लोगों ने जमकर हरि कीर्तन करते हुए भगवान के रथ को घुमाया। जिस रथ में विराजमान भगवान जगन्नाथ बलभद्र और बहन सुभद्रा का दर्शन करने व पूजा करने आरती करने और प्रसाद चढ़ाने के लिए घर-घर से निकलकर रथ के पास पहुँचे । इस दौरान सभी उपस्थित जनों ने रथ को खींचने व रस्सी पकड़ने के लिए दौड़ पड़े। मौके पर , भगवान जगन्नाथ के घुरती रथ यात्रा में काफी संख्या में लोगों के द्वारा चारों ताल में घंट बजाया गया। जिसकी ध्वनि से क्षेत्र गुंजायमान था। जिसे देखने के लिए दूर-दूर से लोग पहुँचे थे। मौके पर जरिया गढ़ दसई टांड़ में मेला लगा था । इस मेले में सकरपाला , जलेबी , बालूशाही आदि की खूब बिक्री रही । वहीं मेले में खिलौने बैलून व अन्य तरह तरह की दुकानें सजी थी। जहां लोगों लोगों ने भक्ति भाव के अलावे मेरे का भी आनन्द लिया।

रोजगार की तलाश में गोवा जा रहे प्रवासी मजदूर मंगरा का ट्रेन से गिरकर पैर कटा

पत्नी 20 हजार उधार लेकर पीड़ित मंगरा को वापस लाने गयी ओंगोल

पत्नी और भाई पीड़ित मंगरा को लेकर लौट रहे हैं वापस

बिभा संवाददाता

रनिया । प्रखंड में प्रवासी मजदूरों के साथ हो रही घटनाएं लगातार चिंता का विषय बनती जा रही हैं। सिक्किम सुरंग हादसे में दो मजदूरों की मौत के बाद अब प्रखंड के रायमुंडा गाँव (गढ़सिदमटोला) निवासी करीब 30 वर्षीय मंगरा हेमरोम ट्रेन दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल हो गए हैं । हादसे में उनका एक पैर कट गया, जिससे पूरे परिवार पर आर्थिक स्थिति तो खराब है ही, साथ में एक और बड़ा संकट गहरा गया है।

जानकारी के अनुसार, मंगरा हेमरोम बेहतर रोजगार की तलाश में 12 जुलाई को रनिया प्रखंड के अलग अलग गाँव 20मजदूर रोजगार के लिए गोवा के लिए निकले थे। वहाँ उन्हें नाव से मछली पकड़ने का काम दिलाने की बात कही गई थी।

बताया जाता है कि वे धनबाद-एलेप्पी एक्सप्रेस के जेनरल कोच में सफर कर रहे थे। 14 जुलाई की रात आंध्र प्रदेश के ओंगोल स्टेशन में चलती ट्रेन से गिर गए। उस दर्दनाक दुर्घटना में उनका एक पैर कट गया। स्थानीय पुलिस ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुँचाया। जहाँ उनका उपचार शुरू किया गया। जो अभी इलाजरत है।

मंगरा की आर्थिक स्थिति पहले से ही कमजोर है। उन्होंने घर निर्माण के लिए महिला मंडल से ऋण लिया था। परिवार में दो छोटे बेटे और डेढ़ वर्ष की एक बेटी है, जिनके भरण-पोषण की पूरी जिम्मेदारी उन्हीं पर थी। दुर्घटना के बाद परिवार के सामने ईलाज के साथ-साथ रोजी-रोटी का भी संकट खड़ा हो गया है। उनकी पत्नी मुनि देवी ने गाँव के पुरुष समूह से 20 हजार रुपए लेकर पति को लाने के लिए ओंगोल गयी है और मंगरा को ट्रेन लेकर झारखंड के लिए चली है।

हादसे के बाद कुछ समय तक परिजनों से संपर्क नहीं हो सका, क्योंकि मंगरा का मोबाइल क्षतिग्रस्त हो गया था। उसके सभी साथ जा रहे गोवा पहुँच गए हैं सिवाय मंगरा को छोड़कर। बाद में पुलिस ने मोबाइल में मिले एक नम्बर के आधार पर गाँव तक सूचना पहुँचायी। सूचना मिलते ही उनकी मंगरा का भाई नंदू हेमरोम परिजनों के साथ आंध्र प्रदेश पहुँचे और घायल मंगरा को लेकर झारखंड लौट रहे हैं।

मंगरा की पत्नी तोरपा विधायक सुदीप गुड़िया तथा रनिया के बीडीओ प्रशांत डांग से संपर्क कर मामले की जानकारी दी है। जानकारी के बाद विधायक द्वारा सहयोग उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। घायल का आगे का उपचार रिम्स में कराने की तैयारी की जा रही है।

कुशवाहा जागरण मंच निकालेगा कांवड़ यात्रा, 10 अगस्त को मुरी स्वर्णरेखा से जल लेकर पहुंचेगी शिव मंदिर

सिल्ली: कुशवाहा जागरण मंच सिल्ली की एक महत्वपूर्ण बैठक शुक्रवार को सुंदर कुंज मैरिज हाल में आयोजित की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 10 अगस्त को सुबह 8:00 बजे से विशाल कांवड़ यात्रा का शुभारंभ किया जाएगा। यात्रा मुरी स्वर्णरेखा नदी के हिंडालको घाट से पवित्र जल लेकर निकलेगी और सिल्ली के मंडप टोला स्थित शिव मंदिर पहुंचेगी। वहां भक्तगण भोले बाबा को जल अर्पित करेंगे। इसके बाद रूद्राभिषेक और आरती का आयोजन किया जाएगा। पूजा संपन्न होने के बाद उपस्थित सभी भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया जाएगा। मंच के अध्यक्ष मुकेश कोईरी ने बताया कि यह कांवड़ यात्रा श्रद्धा और आस्था का प्रतीक होगी। उन्होंने सभी शिव भक्तों से अपील की कि अधिक से अधिक संख्या में यात्रा में शामिल होकर इसे सफल बनाएं और पुण्य के भागी बनें। बैठक में कुशवाहा जागरण मंच के सभी पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

डहुगुटू के सरना टाँड़ में व्यक्ति का शव बरामद, गमछा से गला घोंटकर हत्या की आशंका

खूँटी(बिभा) । नगर पंचायत क्षेत्र के डहुगुटू मुहल्ले के किनारे सरना टाँड़ में सिंदूआर झाड़ी के बीच लगभग 40 वर्ष के एक व्यक्ति का शव शुक्रवार को दुर्गन्धित व फूला हुआ अवस्था में बरामद किया गया। जिसके गले में गमछा था। उक्त मृत व्यक्ति की पहचान डहुगुटू सरना टांड़ निवासी सागर मुण्डा के रुप में की गयी। जो विगत सोमवार से लापता बताया जा रहा है। शव की पहचान सागर मुण्डा के रुप में उसकी पत्नी ने की। पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर शव का जाँच किया और मृत्यु समीक्षा पत्र भरकर पार्थिव शरीर का अन्त्यपरीक्षण कराया और परिजनों को सौंप दिया। मामले की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि सागर दूसरी शादी किया था और उसी के साथ डहुगुटू में रहता था। जिसकी पत्नी द्वारा लिखित शिकायत और बयान दर्ज कराया गया है कि एक व्यक्ति के साथ सोमवार को शराब पीने गया हुआ था। इसलिए आशंका है कि वही इसकी हत्या गमछा से गला घोंटकर किया है। शव को देखने से ऐसा प्रतीत होता है कि उसकी हत्या सोमवार को ही कर दी गयी होगी । क्योंकि उसका शरीर भी फूला हुआ था। वहीं पुलिस आगे का अनुसंधान में जुट गई है।

29 जुलाई तक जमा करें गणना प्रपत्र, नहीं तो ड्राफ्ट मतदाता सूची से छूट सकता है नाम

खूँटी(बिभा) । झारखंड विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत मतदाता सूची के पुनरीक्षण का कार्य अंतिम चरण में पहुंच गया है। गणना प्रपत्र (इन्यूमरेशन फॉर्म) जमा करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। निर्वाचन विभाग ने बताया कि अंतिम तिथि में अब केवल पांच दिन शेष हैं। ऐसे में जिन मतदाताओं ने अभी तक अपना गणना प्रपत्र जमा नहीं किया है, वे बिना विलंब इसे भरकर संबंधित बूथ स्तरीय पदाधिकारी (बीएलओ) अथवा निर्धारित केंद्र पर जमा करें। विभाग ने स्पष्ट किया है कि गणना प्रपत्र सही एवं पूर्ण जानकारी के साथ जमा करना आवश्यक है। अपूर्ण या गलत जानकारी देने से मतदाता सूची में नाम दर्ज करने अथवा संशोधन में कठिनाई हो सकती है। निर्वाचन अधिकारियों के अनुसार जिन मतदाताओं का गणना प्रपत्र 29 जुलाई तक प्राप्त नहीं होगा, उनका नाम 5 अगस्त 2026 को प्रकाशित होने वाली ड्राफ्ट मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जा सकेगा। इसे देखते हुए सभी पात्र मतदाताओं से समय रहते प्रक्रिया पूरी करने की अपील की गई है। प्रशासन ने नागरिकों से कहा है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित समय सीमा के भीतर गणना प्रपत्र अवश्य जमा करें तथा आवश्यकता पड़ने पर अपने संबंधित बीएलओ से संपर्क कर जानकारी प्राप्त करें।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 पर कार्यशाला आयोजित, कचरे का चार श्रेणियों में पृथक्करण होगा अनिवार्य

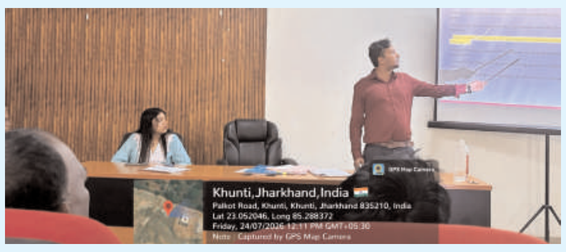

खूंटी(बिभा)। नगर पंचायत कार्यालय परिसर में शुक्रवार को कार्यपालक पदाधिकारी श्रीमती श्रृष्टि दीप्रिया मिंज के निर्देश पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 को लेकर एक कार्यशाला आयोजित की गई। नगर प्रबंधक मोनिस सलाम की अगुवाई में आयोजित इस कार्यशाला में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम) विशेषज्ञों ने नए नियमों के प्रावधानों तथा इस संबंध में माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निदेर्शों की विस्तार से जानकारी दी। कार्यशाला में बताया गया कि नए नियमों के तहत अब प्रत्येक व्यक्ति एवं संस्थान को उत्पन्न होने वाले कचरे को गीला, सूखा, सैनिटरी तथा विशेष देखभाल (स्पेशल केयर) श्रेणियों में अलग-अलग करना होगा। स्त्रोत स्तर पर कचरे के पृथक्करण (सोर्स सेग्रीगेशन) को बढ़ावा देने और जनजागरूकता फैलाने के लिए सभी वार्ड पार्षदों को लीड फैसिलिटेटर के रूप में नामित किया गया है। बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि शहर के अधिक मात्रा में कचरा उत्पन्न करने वाले प्रतिष्ठानों को बल्क वेस्ट जनरेटर (बीडब्ल्यूजी) के रूप में चिन्हित किया गया है। ऐसे संस्थानों के लिए कचरे को चार श्रेणियों में अलग करना तथा गीले कचरे का परिसर में ही वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण करना अनिवार्य होगा। अधिकारियों ने बताया कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 का दायरा अब शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी लागू होगा। इसके प्रभावी अनुश्रवण के लिए उपायुक्त की अध्यक्षता में एक विशेष प्रकोष्ठ (स्पेशल सेल) का गठन किया गया है। कार्यक्रम में नगर अध्यक्षा रानी टूटी, सभी वार्ड पार्षद, बल्क वेस्ट जनरेटर के रूप में चिन्हित सीआरपीएफ 94 बटालियन एवं सदर अस्पताल के प्रतिनिधियों सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

डाहू गांव के लिए शुक्रवार रहा काला दिन ताबूत में बंद होकर लौटा सिक्किम से दो मजदूरों का शव

बिभा संवाददाता

खूँटी । शुक्रवार का दिन रनिया प्रखंड क्षेत्र के डाहु गाँव के लिए काला दिन रहा। एक साथ दो प्रवासी मजदूरों का शव ताबूत में बंद होकर गाँव पहुँचते ही गाँव में मातम पसर गया और मजदूर के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। जो सिक्किम के नामची जिला अंतर्गत समरडुंग एनएचपीसी तीस्ता स्टेज सिक्स जल विद्युत परियोजना के निमार्णाधीन हेड रेस सुरंग में सोमवार 20 जुलाई को गैस रिसाव के बाद हुए विस्फोट में सुरंग के अंदर दबकर विकास कण्डुलना और कृष्णा साहू की मौत हो गई थी। घटना के चार दिन बाद एम्बुलेंस से कृष्णा और विकास का शव को पटेल इंजीनियरिंग कम्पनी द्वारा

मृतक के पैतृक गांव डाहु भेजा गया।

मृतक विकास के परिजनों के द्वारा बताया गया कि रोजगार की तलाश में विकास कण्डुलना तीन महीने पूर्व सिक्किम गया था और सुरंग के अंदर में मजदूरी का काम कर रहा था । विकास परिवार में अकेले कमाने वाले थे। जिसके तीन बच्चे हैं। विकास की मृत्यु से परिवार के सदस्यों के समक्ष रोजी-रोटी की समस्या उत्पन्न हो गई है।

रनिया प्रखंड क्षेत्र के लोगों का कहना है कि झारखंड में मजदूरों को रोजगार उपलब्ध नहीं होने के कारण लगातार रनिया प्रखंड क्षेत्र से दूसरे राज्य रोजगार की तलाश में पलायन का सिलसिला जारी है।काम के दौरान प्रवासी मजदूरों की मौत की संख्या में लगातार बढ़ोत्तरी होने से पीड़ित परिवार का दर्द गहराता जा रहा है। खनिज संपदाओं से परिपूर्ण झारखंड के स्थानीय निवासियों को झारखंड में रोजगार उपलब्ध नहीं होना। बेरोजगारी का एक उदाहरण है। विकास और कृष्णा के परिजनों को अब सरकारी मदद की आस में है। क्योंकि परिवार के सदस्यों में दोनों मृतक अकेला कमाने वाले व्यक्ति थे।

उपायुक्त ने पुनरीक्षण समिति व परामर्शदात्री समिति के साथ की बैठक

बिभा संवाददाता

खूँटी। समाहरणालय खूँटी स्थित सभागार में शुक्रवार को उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पुनरीक्षण समिति एवं जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की बैठक हुई। इस बैठक में एलडीएम समेत जिले के सभी बैंकों के प्रबंधक और प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में चल रही विभिन्न सरकारी योजनाओं में बैंकों द्वारा किए गए कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना तथा विभिन्न बिंदुओं पर बैंकों के कार्यों का आकलन करना था। इस दौरान जिला अंतर्गत मार्च 2026 क्वाटर में सिडी रेशियो, केसीसी योजना, पीएमईजीपी की उपलब्धि, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, एनपीए, एमएसएमई, स्वयं सहायता समूहों को सहायता सहित अन्य कार्यों के अद्यतन स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त ने सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं किसान क्रेडिट कार्ड, महिला स्वयं सहायता समूह की क्रेडिट लिंकेज, पीएमईजीपी की उपलब्धि, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री स्वनिधी योजना आदि की गहन समीक्षा की गई।

उपायुक्त ने बैंकों को सीडी रेशियो बढ़ाने का निर्देश दिया। उन्होंने बैंकर्स को निर्देशित किया कि सीडी रेशियो को बढ़ाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में ऋण उपलब्ध कराने की जरूरत है। समयबद्ध तरीके से लक्ष्य पूर्ण करने और जिले में वित्तीय सेवाओं को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से केसीसी, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, कृषि ऋण जैसी योजनाओं पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप महिला स्वयं सहायता समूह को क्रेडिट लिंकेज का लाभ देने के निर्देश दिए गए। डीपीएम जेएसएलपीएस को क्रेडिट लिंकेज एवं मुद्रा लोन के लिए नए आवेदन जेनरेट करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सांसद प्रतिनिधि खूँटी लोकसभा क्षेत्र, डीडीएम नाबार्ड, अग्रणी जिला बैंक प्रबंधक, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र, प्रबंधक आरसेटी, आरबीआई जिला कृषि पदाधिकारी, डीपीएम जेएसएलपीएस अन्य संबंधित पदाधिकारी, सहित जिले के विभिन्न बैंकों के प्रबंधक/प्रतिनिधि उपस्थित थे।

ग्राम विकास प्रबंधन के विद्यार्थियों ने खूँटी का किया शैक्षणिक क्षेत्र भ्रमण

बिभा संवाददाता

खूँटी । रूरल मैनेजमेंट पाठ्यक्रम की पढ़ाई करनेवाले 20 विद्यार्थियों ने अपने शैक्षणिक पाठ्यक्रम के अंतर्गत खूँटी जिले में संचालित आजीविका गतिविधियों एवं ग्रामीण विकास के विभिन्न प्रारुपों का अध्ययन करने के उद्देश्य से शुक्रवार को शैक्षणिक क्षेत्र में भ्रमण किया।

इस दौरान विद्यार्थियों ने सर्वप्रथम गुटजोरा स्थित आजीविका संसाधन केंद्र पहुँचे। जहाँ उन्होंने ड्रैगन फ्रूट की खेती, पॉलीहाउस नर्सरी, हैचरी यूनिट, हार्डनिंग सेंटर, बागवानी एवं अनानास की खेती सहित विभिन्न आजीविका गतिविधियों का अवलोकन किया। आजीविका संसाधन केंद्र के संचालक दिनेश कुमार ने छात्रों को केंद्र में संचालित गतिविधियों एवं इनके माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आजीविका संवर्धन के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

इसके पश्चात विद्यार्थियों ने खूँटी स्थित पलाश मार्ट का भ्रमण किया। यहाँ उन्होंने पलाश दीदी किचन, बेकरी यूनिट एवं पलाश मार्ट की विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन कर महिलाओं द्वारा संचालित आजीविका एवं उद्यमिता गतिविधियों, उत्पाद निर्माण तथा विपणन की प्रक्रिया को समझा।

फिर, सिलादोन स्थित सिलादोन आजीविका महिला संकुल सहकारी स्वावलम्बी समिति लिमिटेड पहुँचे। यहाँ उन्होंने सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र का भ्रमण किया तथा समिति की कार्यप्रणाली एवं आजीविका गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। इसके उपरांत समिति के बोर्ड सदस्यों के साथ जानकारी प्राप्त करने हेतु बैठक किये।

भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय द्वारा गोपला ग्राम से 'सुजल ग्राम संवाद' आयोजन

सामुदायिक सहभागिता से जलापूर्ति योजनाओं का होगा प्रभावी संचालन : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटी । भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के तत्वावधान में आभासी (वर्चुअल) माध्यम से 'सुजल ग्राम संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में खूंटी जिले के तोरपा प्रखंड अंतर्गत हुसिर पंचायत के गोपला ग्राम को संवाद के लिए चयनित किया गया। इस अवसर पर भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अतिरिक्त सचिव सह मिशन निदेशक, राज्य स्तर से झारखंड ग्रामीण जलापूर्ति मिशन, रांची के पदाधिकारी, जिला स्तर से उपायुक्त , उप विकास आयुक्त, कार्यपालक अभियंता सहित अन्य पदाधिकारी वर्चुअल रूप से जुड़े।

संवाद के दौरान ग्राम के मुखिया, ग्राम जल एवं स्वच्छता समिति, जलसहिया, शिक्षक, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, स्वयं सहायता समूह की दीदियों एवं ग्रामीणों ने हर घर नल जल योजना के संचालन एवं रख-रखाव से संबंधित अनुभव साझा किए। भारत सरकार के सचिव ने ग्राम में प्रत्येक परिवार तक पेयजल की उपलब्धता, जल की गुणवत्ता, जलापूर्ति योजनाओं के संचालन एवं रख-रखाव तथा भविष्य की कार्ययोजना के संबंध में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

मुखिया एवं जलसहिया ने बताया कि ग्रामीणों की सहभागिता से जलापूर्ति योजनाओं का नियमित संचालन किया जा रहा है। साथ ही जल संरक्षण, जल की बबार्दी रोकने तथा योजनाओं के दीर्घकालिक रख-रखाव के लिए समय-समय पर ग्रामसभा एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि आने वाले वर्षों तक योजनाओं का लाभ सभी ग्रामीणों को निरंतर मिलता रहे।

संवाद के दौरान पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, भारत सरकार के अतिरिक्त सचिव सह मिशन निदेशक ने खूंटी जिले में जल जीवन मिशन के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

बैठक के दौरान भारत सरकार की ओर से सभी प्रखंडों में 'जल अर्पण कार्यक्रम' आयोजित करने का निर्देश दिया गया, ताकि आमजन को जल संरक्षण, जल के समुचित उपयोग एवं जलापूर्ति योजनाओं के रख-रखाव के प्रति व्यापक रूप से जागरूक किया जा सके।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ग्राम के मुखिया, जलसहिया, शिक्षक, आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका, स्वयं सहायता समूह की सदस्याएँ, जिला समन्वयक, आईईसी/एचआरडी कर्मी, कनीय अभियंता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

द्वितीय लिटिल चैंप राज्य स्तरीय फुटबॉल : खूंटी ने गढ़वा को 2-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

बिभा संवाददाता

खूंटी। रांची के खेलगांव में आयोजित द्वितीय लिटिल चैंप अंडर-12 राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में खूंटी जिले की बालक टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गढ़वा को 2-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। लीग चरण के अंतिम मुकाबले में खूंटी की ओर से रितिक और अनिकेत ने एक-एक गोल दागकर टीम को जीत दिलाई। अब क्वार्टर फाइनल मुकाबला 25 जुलाई को खेला जाएगा।

प्रतियोगिता 23 से 25 जुलाई तक आयोजित की जा रही है, जिसमें राज्यभर की अंडर-12 बालक एवं बालिका टीमें भाग ले रही हैं। खूंटी जिले का प्रतिनिधित्व बालक वर्ग में आरसी बालक मध्य विद्यालय, खूंटी तथा बालिका वर्ग में राजकीय मध्य विद्यालय, जबरा कन्या (कर्रा) की टीम कर रही है।

टीमों के खेलगांव रवाना होने से पूर्व झारखंड शिक्षा परियोजना, खूंटी की जिला शिक्षा पदाधिकारी दीप्ति कुमारी, जिला शिक्षा अधीक्षक सुरेश कुमार महतो, सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी सुनील लकड़ा, विश्व दीपक झा, वंदना भट्ट, कुलदीप सोय, पंचम कुमार, शारीरिक शिक्षा शिक्षक मोहम्मद रियाज आलम तथा सिकंदर पुराण ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देकर उत्साहवर्धन किया।

बालक टीम के साथ लॉरेंस बुढ़ एवं निरल भेंगरा तथा बालिका टीम के साथ सावित्री कुमारी, कमला प्रभा तिग्गा और नीरज साहू को टीम प्रभारी के रूप में नियुक्त किया गया है। आरसी बालक मध्य विद्यालय की जीत पर झारखंड शिक्षा परियोजना के अधिकारियों, विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवं शिक्षकों ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए अगले मुकाबले के लिए शुभकामनाएं दीं।

चाइना ओपन में सिंधु को करना पड़ा हार का सामना

पीवी दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं

नई दिल्ली। जापान ओपन सुपर 1000 का खिताब जीतकर इतिहास रचने वाली भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु चाइना ओपन में अपना विजयी अभियान जारी नहीं रख पाईं। दूसरे दौर में उन्हें मेजबान चीन की चेन युफेई के खिलाफ 21-16, 20-22, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।पीवी सिंधु दूसरे गेम में चार मैच पॉइंट भी नहीं भुना पाईं। इसके बाद युफेई ने शानदार वापसी करते हुए मैच अपने नाम कर लिया। इसके साथ ही दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का चाइना ओपन सुपर 1000 में सफर दूसरे दौर में ही समाप्त हो गया।

शानदार शुरुआत, पहले गेम में की दमदार वापसी- पीवी सिंधु के लिए मुकाबले की शुरुआत आसान नहीं रही। वह पहले गेम में 6-12 से पीछे चल रही थीं। ऐसा लग रहा था कि चेन युफेई आसानी से बढ़त बना लेंगी, लेकिन कोच इरवांश्या के मार्गदर्शन के बाद पीवी सिंधु ने अपनी रणनीति बदली और लगातार क्रॉस-कोर्ट शॉट्स से चीनी खिलाड़ी को कोर्ट के एक छोर से दूसरे छोर तक दौड़ाया।

● **दूसरे गेम में 4 मैच पॉइंट भी नहीं दिला सके जीत-** दूसरे गेम में भी पीवी सिंधु पूरे समय हावी रहीं।उन्होंने शुरुआत से बढ़त बनाए रखी और एक समय स्कोर 20-16 कर लिया।यानी उनके पास मुकाबला खत्म करने के लिए चार मैच पॉइंट थे, लेकिन यहीं से मैच का रुख बदल गया।ओलंपिक चैंपियन रह चुकीं चेन युफेई ने जबरदस्त धैर्य दिखाया और लगातार छह अंक जीतकर गेम 22-20 से नाम कर लिया।इस दौरान पीवी सिंधु ने कुछ जल्दबाजी भरे फैसले किये और दो बार शटल को बाहर समझकर छोड़ दिया, लेकिन वह लाइन के अंदर गिरी।

● **निर्णायक गेम में 15-13 की बढ़त भी नहीं बचा सकीं-** निर्णायक गेम में भी पीवी सिंधु ने हार नहीं मानी।पीवी सिंधु ने 15-13 तक बढ़त बना ली थी और जीत की ओर बढ़ती दिख रही थीं।हालांकि, लगातार सातवां मैच खेल रही पीवी सिंधु पर थकान साफ दिखाई देने लगी।पीवी सिंधु के स्मैश में पहले जैसी ताकत नहीं रही और कई आक्रमण नेट में फंस गए।दूसरी ओर, घरेलू दर्शकों के समर्थन से खेल रहीं चेन युफेई ने आत्मविश्वास के साथ वापसी की और लगातार अंक जुटाते हुए तीसरा गेम 21-18 से जीत लिया।

● **सुधार की जरूरत भी आई सामने-** इस मुकाबले ने यह भी दिखाया कि पीवी सिंधु का आक्रामक खेल अब भी दुनिया की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को चुनौती देने की क्षमता रखता है। हालांकि, मैच खत्म करने के अहम मौकों पर संयम बनाए रखना उनके लिए अभी बड़ी चुनौती है। चार मैच पॉइंट हासिल करने के बाद मिली यह हार पीवी सिंधु के लिए निराशाजनक जरूर रही, लेकिन जापान ओपन के खिताब और चाइना ओपन में चेन युफेई जैसी मजबूत खिलाड़ी के खिलाफ उनके प्रदर्शन ने यह संकेत भी दिया कि वह फिर अपनी सर्वश्रेष्ठ लय की ओर लौट रही हैं।

दिग्गज विश्वनाथन आनंद बने फिडे के अंतरिम अध्यक्ष

लॉजेन, एजेंसी। भारत के महान शतरंज खिलाड़ी और पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को इंटरनेशनल चेस फेडरेशन (फिडे) का अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। रूसी प्रमुख अर्कांडी द्वोरकोविच को यूरोपीय संघ (ईयू) की नवीनतम प्रतिबंध सूची में शामिल किए जाने के कारण यह फैसला लिया गया है।

क्या है पूरा मामला

यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद यूरोपीय संघ और उसके सहयोगी देशों ने रूस के खिलाफ कई आर्थिक और राजनीतिक प्रतिबंध लगाए हैं। अब ईयू ने प्रतिबंधों का 21वां पैकेज जारी किया है। इसमें 48 लोगों और 170 संस्थाओं सहित कुल 218 नए नाम जोड़े गए हैं।युद्ध शुरू होने के बाद यह अब तक की सबसे बड़ी प्रतिबंध सूची मानी जा रही है। इन प्रतिबंधों के तहत संबंधित लोगों की संपत्तियां फ्रीज की जा सकती हैं।उन्हें आर्थिक मदद या अन्य संसाधन उपलब्ध कराने पर रोक लगाई जाती है। इसके साथ ही उन पर यात्रा संबंधी प्रतिबंध भी लागू हो सकते हैं। प्रतिबंध सूची में नाम आने के बाद अर्कांडी द्वोरकोविच ने कहा कि वह इस फैसले को गैर-कानूनी और गलत मानते हैं। उन्होंने कहा कि वह इस फैसले को कानूनी तरीके से चुनौती देंगे और उन्हें भरोसा है कि आखिरकार उन्हें न्याय मिलेगा।

द्वोरकोविच अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे

हालांकि, उन्होंने यह भी माना कि जब तक यह मामला कानूनी रूप से साफ नहीं हो जाता, तब तक उनके खिलाफ लगे प्रतिबंध फिडे के कामकाज में परेशानी पैदा कर सकते हैं। इसी वजह से उन्होंने स्वेच्छा से फिडे अध्यक्ष के रूप में अपनी सभी शक्तियों और जिम्मेदारियों को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि जब तक उन पर ईयू और स्विट्जरलैंड के नियमों के तहत प्रतिबंध लागू रहेंगे, तब तक वह अध्यक्ष के रूप में काम नहीं करेंगे।

विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बने

फिडे के नियमों के अनुसार, ऐसी स्थिति में डिप्टी प्रेसिडेंट अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभालते हैं। इसी प्रावधान के तहत विश्वनाथन आनंद को अंतरिम अध्यक्ष बनाया गया है। अब वह तब तक फिडे का नेतृत्व करेंगे, जब तक द्वोरकोविच पर लगे प्रतिबंध हट नहीं जाते या स्थिति में कोई बदलाव नहीं आता।

द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दी

फिडे काउंसिल ने भी द्वोरकोविच के फैसले को मंजूरी दे दी है। संगठन ने अपने बयान में कहा कि प्रतिबंध लागू रहने तक द्वोरकोविच फिडे के अध्यक्ष के रूप में मिलने वाले किसी भी अधिकार, जिम्मेदारी या विशेषाधिकार का इस्तेमाल नहीं करेंगे। वह संगठन या उसकी संपत्तियों पर किसी तरह का नियंत्रण भी नहीं रखेंगे। विश्वनाथन आनंद दुनिया के सबसे सफल शतरंज खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने भारत में शतरंज को नई पहचान दिलाई और कई युवा खिलाड़ियों को इस खेल की ओर प्रेरित किया। वह 2022 से फिडे के उपाध्यक्ष हैं और अब उन्हें अंतरिम अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अनकैप्ड स्पिनर को किया शामिल

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टेस्ट टीम की घोषणा की

त्रिनिदाद, एजेंसी। वेस्टइंडीज ने पाकस्तान के खिलाफ 25 जुलाई से 6 अगस्त तक होने वाले दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए गुरुवार को घोषित 15 सदस्यीय टीम में बाएं हाथ के स्पिनर जोशुआ बिशन को जगह दी है। बिशप ने पिछले तीन वेस्टइंडीज चैंपियनशिप सीजन में बारबाडोस प्राइड और वेस्टइंडीज एकेडमी के लिए कुल 91 विकेट लिए हैं, जो उस दौरान किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट हैं। वहीं सलामी बल्लेबाज जॉन कैंपबेल के चोटिल होने के कारण किर्क मैकेंजी की दो साल बाद टीम में वापसी हुई है। कैंपबेल को न्यूजीलैंड के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे इंटरनेशनल सीरीज के दौरान बाएं हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था, जिसके कारण वह बाहर हो गए। मैकेंजी ने हालिया वेस्टइंडीज चैंपियनशिप में छह पारियों में 64.60 की औसत से 323 रन बनाए थे। इस बीच, अल्जारी जोसेफ निजी कारणों से चयन के लिए उपलब्ध नहीं थे। सीरीज का पहला मैच 25 से 29 जुलाई के बीच ब्रायन लारा क्रिकेट अकादमी में खेला जाएगा। यह इस मैदान पर होने वाला पहला टेस्ट मैच

होगा, जिससे यह इस इलाके का 13वां ऐसा मैदान बन जाएगा जहां टेस्ट क्रिकेट खेला जाएगा। दूसरा मैच 2 से 6 अगस्त के बीच ऐतिहासिक क्वींस पार्क ओवल में होगा। वेस्टइंडीज अभी तालिका में आठवें स्थान पर है, जबकि पाकिस्तान सबसे आखिरी स्थान पर है।

पाकिस्तान के खिलाफ वेस्टइंडीज की टेस्ट टीम : रोस्टन चेस (कप्तान), जोमेल वारिकन (उप-कप्तान), जोशुआ बिशप, टैगनारिन चंद्रपॉल, जोशुआ डा सिल्वा, जस्टिन ग्रीव्स, कावेम हॉज, शाई होप, अमीर जांगू, शामार जोसेफ, ब्रैंडन किंग, किर्क मैकेंजी, कीमो पॉल, केमार रोच और जेडन सील्स।

राष्ट्रमंडल खेल में किया कमाल

भारतीय तैराक नटराज 50 मीटर बैकस्ट्रोक के सेमीफाइनल में पहुंचे

ग्लास्गो। भारतीय तैराक श्रीहरि नटराज ने राष्ट्रमंडल खेलों की पुरुषों की 50 मीटर बैकस्ट्रोक स्पर्धा में शुक्रवार को यहां संयुक्त 14वें स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली। दो बार के ओलंपियन और कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम कर चुके नटराज ने 25.52 सेकंड का समय निकाला। उन्होंने बरमूडा के जैक हार्वे के साथ संयुक्त 14वां स्थान हासिल किया। सेमीफाइनल के लिए हीट से शीर्ष-16 तैराकों का चयन किया गया। नटराज अपनी आठ खिलाड़ियों वाली हीट में पांचवें स्थान पर रहे। पैरा तैराकी में भारत के आरवीवीबीके बुडिगिना और इमाम अली ने पुरुषों की 100 मीटर फ्रीस्टाइल एस13 वर्ग के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हीट में हिस्सा लेने वाले सभी आठ तैराक फाइनल में पहुंचे।

जूडोका तुलिका मान निलंबित

बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की रजत पदक विजेता जूडोका तुलिका मान को राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है। पिछले 12 महीनों में तीन बार अपने ठिकाने (वेयरअबाउट्स) की जानकारी न देने के कारण उन पर यह कार्रवाई की गई है, जिसके बाद उन्हें आगामी ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों की टीम से बाहर कर दिया गया है। तुलिका मान ने 2022 के बर्मिंघम खेलों में +78 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक जीता था और वह ग्लास्गो में भी भारत के लिए पदक की एक मजबूत दावेदार मानी जा रही थीं। एक जूडो कोच ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया कि तुलिका ने 12 महीने की अवधि में तीन बार वेयरअबाउट्स विफलताएं की हैं और नाडा ने उन्हें नोटिस भेजा है। इसी वजह से उन्हें टीम से वापस लिया जा रहा है।

आज भारत सीरीज जीतने के करीब जिम्बाब्वे के लिए बड़ी चुनौती

हरारे एजेंसी। भारतीय टीम शनिवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी। जबकि हरारे स्पोर्ट्स क्लब में होने वाले इस मैच में जिम्बाब्वे के लिए 'करो या मरो' वाली स्थिति होगी। श्रेयस अय्यर की अगुवाई वाली युवा भारतीय टीम ने पहले मैच में 7 विकेट से शानदार जीत के साथ सीरीज पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। टीम ने बल्ले और गेंद दोनों से बेहतरीन प्रदर्शन किया। एक और जीत भारत को सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त दिला देगी, जबकि हार जिम्बाब्वे को एक और घरेलू सीरीज हार की ओर धकेल देगी।

भारत की शुरुआती जीत जबरदस्त बल्लेबाजी और अनुशासित गेंदबाजी रही। युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने शानदार अंदाज बल्लेबाजी करते हुए 19 गेंदों में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक जड़कर जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण को ध्वस्त कर दिया, जबकि ईशान किशन (35) और कप्तान अय्यर (28 नाबाद) ने 40 गेंदें शेष रहते हुए 126 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया।

इससे पहले भारत के युवा तेज गेंदबाजो ने मैच का माहौल तैयार किया। मयंक यादव ने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को आउट किया और 18 रन देकर 2 विकेट लिए, जिसके लिए उन्हें'प्लेयर ऑफ़ द मैच'का पुरस्कार मिला। प्रिंस यादव ने दो विकेट लिए, जबकि रवि बिश्नोई और शिवम दुबे ने भी योगदान दिया, जिससे ज़िम्बाब्वे की टीम 7 विकेट पर 125 रन ही बना सकी।

इस शानदार जीत ने भारत के उभरते सितारों पर सबका ध्यान खींचा है। हरारे एक बार फिर देश की अगली पीढ़ी के लिए खुद को साबित करने का मैदान बन गया है, जहाँ सूर्यवंशी और मयंक यादव अब भारत के दबदबे को बनाए रखने और शीर्ष स्तर पर अपनी काबिलियत साबित करने की उम्मीदों को आगे बढ़ा रहे हैं। हालांकि, जिम्बाब्वे के लिए स्थिति साफ हैः या तो जीतें या सीरीज हारें। पहले मैच में पारी की पहली ही गेंद पर बेनेट का विकेट गंवाने के बाद सिकंदर रजा की टीम उबर नहीं पाई; सिर्फ़ वेस्ली मधेवेरे (39), तादिवानाशे मारुमनी (27) और रयान बर्ल (26) ने ही कुछ संघर्ष दिखाया।

मेजबान टीम को अपने टॉप ऑर्डर से कहीं बेहतर प्रदर्शन की ज़रूरत होगी, जबकि तेज़ गेंदबाज़ ब्लेसिंग मुज़राबानी और रिचर्ड नगारवा को शुरुआती विकेट लेने होंगे ताकि भारत के आक्रामक बल्लेबाजों को एक बार फिर मैच पर हावी होने से रोका जा सके।

हरारे स्पोर्ट्स क्लब की पिच पर बल्ले और गेंद के बीच बराबरी का मुकाबला होने की उम्मीद है और मैच के दौरान मौसम भी साफ रहने का अनुमान है। हालांकि इस मैदान पर आम तौर पर पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों को फायदा मिलता रहा है, लेकिन पहले मैच में भारत की आसान जीत से पता चला कि पिच पूरे समय स्ट्रोक-प्ले के लिए अच्छी रहती है। अपनी मजबूत स्थिति के कारण, भारत इस मैच में सीरीज जीतने की प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगा। वहीं, जिम्बाब्वे के पास गलती की कोई गुंजाइश नहीं है; उन्हें जबरदस्त वापसी करनी होगी ताकि वे मुकाबले को तीसरे और निर्णायक टी-20 तक ले जा सकें।

वैभव सबसे युवा अर्धशतकवीर

मयंक की भी यादगार वापसी बतौर कप्तान श्रेयस की पहली जीत

हरारे, एजेंसी। 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी के रिकॉर्डतोड़ अर्धशतक और तेज गेंदबाज मयंक यादव की शानदार वापसी की बदौलत भारत ने गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में खेले गए तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज के पहले मुकाबले में जिम्बाब्वे को सात विकेट से हरा दिया। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की यह पहली जीत रही, जबकि इस जीत के साथ टीम इंडिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त भी हासिल कर ली। टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे को 20 ओवर में सात विकेट पर 125 रन पर रोक दिया। जवाब में भारत ने 13.2 ओवर में तीन विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया।इस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। 15 साल और 118 दिन की उम्र में अर्धशतक जड़कर वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पचास रन बनाने वाले दुनिया के सबसे युवा बल्लेबाज बन गए।

19 गेंदों में वैभव ने मचाया तूफान

126 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और अभिषेक शर्मा केवल एक रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने आते ही मैच का रुख बदल दिया। बाएं हाथ के युवा बल्लेबाज ने शुरुआत से ही आक्रामक तेवर अपनाए और जिम्बाब्वे के गेंदबाजों पर जमकर हमला बोला। वैभव ने रिचर्ड एनगरावा और ब्लेसिंग मुजारबानी जैसे अनुभवी गेंदबाजों के खिलाफ शानदार शॉट लगाए। उन्होंने महज 19 गेंदों में चार चौकों और चार छक्कों की मदद से 50 रन ठोक दिए।

21 महीने बाद मयंक की यादगार वापसी

करीब 21 महीने बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे तेज गेंदबाज मयंक यादव ने अपनी वापसी को खास बना दिया।उन्होंने मैच की पहली ही गेंद पर ब्रायन बेनेट को विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों कैच कराकर भारत को शानदार शुरुआत दिलाई।ऑन-फील्ड अंपायर ने बल्लेबाज को नॉट आउट दिया था, लेकिन डीआरएस लेने पर फैसला भारत के पक्ष में गया।इसके साथ ही मयंक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पहली गेंद पर विकेट लेने वाले तीसरे भारतीय गेंदबाज बन गए।उनसे पहले यह उपलब्धि अर्शदीप सिंह (टी20 विश्व कप 2024 बनाम अमेरिका) और हार्दिक पांड्या (एशिया कप 2025 बनाम पाकिस्तान) ने हासिल की थी।

यादव ने 18 रन देकर दो विकेट झटके

145 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से लगातार गेंदबाजी करने वाले मयंक ने चार ओवर में सिर्फ 18 रन देकर दो विकेट झटके।उन्होंने डियन मायर्स को भी अपनी तेज रफ्तार से परेशान करते हुए पवेलियन भेजा और चोट से वापसी के बाद अपनी फिटनेस और गति दोनों का शानदार परिचय दिया।भारतीय गेंदबाजों ने शुरुआत से ही जिम्बाब्वे पर दबाव बनाए रखा।मयंक यादव ने पहली गेंद पर विकेट लेकर मेजबान टीम को झटका दिया, जबकि प्रिंस यादव ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर दो विकेट लिए।शिवम दुबे और रवि बिश्नोई को एक-एक सफलता मिली।डेब्यू कर रहे अशोक शर्मा ने शुरुआती ओवर में रन जरूर खर्च किए, लेकिन बाद में अच्छी वापसी की।

जेपीएससी परीक्षा में कथित धांधली को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) की परीक्षा में कथित धांधली और भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता की मांग को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को रांची के अल्बर्ट एक्का चौक पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन कर विरोध-प्रदर्शन किया। भाजपा रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू के नेतृत्व में आयोजित इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता शामिल हुए।

प्रदर्शन से पहले भाजपा कार्यकर्ता जिला स्कूल (शहीद चौक) परिसर में एकत्रित हुए। वहां से राहुल गांधी का पुतला और हाथों में तख्तियां लेकर नारेबाजी करते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के कथित दोहरे रवैये, जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल तथा अन्य भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता की मांग को लेकर प्रदर्शन किया और बाद में राहुल गांधी का पुतला दहन किया।

इस अवसर पर रांची की मेयर रोशनी खलखो ने कहा कि कांग्रेस देशभर में परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की बात करती है, लेकिन झारखंड में जेपीएससी, जेएसएससी-सीजीएल और अन्य भर्ती परीक्षाओं को लेकर उठे सवालों पर पूरी तरह मौन है। उन्होंने कहा कि जेपीएससी परीक्षा में कथित गड़बड़ी भी युवाओं से जुड़ा गंभीर मुद्दा है और कांग्रेस तथा झामुमो को इस पर अपनी चुप्पी तोड़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा झारखंड के युवाओं के अधिकारों और उनके भविष्य की रक्षा के लिए लगातार संघर्ष करती रहेगी।

भाजपा रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि कांग्रेस का दोहरा चरित्र देश के सामने उजागर हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर कांग्रेस युवाओं के नाम पर राजनीति करती है, जबकि दूसरी ओर झारखंड के लाखों अभ्यर्थियों के साथ हुए कथित अन्याय पर चुप्पी साध लेती है। उन्होंने कहा कि भाजपा इस मुद्दे को लेकर सड़क से सदन तक संघर्ष जारी रखेगी।

जिला प्रभारी भरत यादव ने कहा कि झारखंड के युवाओं का भविष्य किसी भी कीमत पर दांव पर नहीं लगाया जा सकता। उन्होंने भर्ती प्रक्रियाओं में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा कथित अनियमितताओं के दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा युवाओं के न्याय की लड़ाई में हमेशा उनके साथ खड़ी रहेगी।

उपमहापौर नीरज कुमार ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी झारखंड के युवाओं के हितों, निष्पक्ष भर्ती प्रक्रिया और पारदर्शी व्यवस्था के लिए अपना लोकतांत्रिक संघर्ष आगे भी पूरी मजबूती से जारी रखेगी और युवाओं को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध रहेगी।

प्रदर्शन में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शशांक राज, के.के. गुप्ता, बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा, संजय जायसवाल, रमेश सिंह, ललित ओझा, राजू सिंह, संकेत तिवारी, नीरज चौधरी, रेखा महतो, राम लगन राम, अर्चना सिंह सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रिनपास के विकास को 25 करोड़ की मंजूरी, नए भवन और आधुनिक मशीनों से बढ़ेंगी सुविधाएं

बिभा संवाददाता

रांचीः झारखंड सरकार ने रांची स्थित रिनपास के विकास के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में 25 करोड़ रुपये की मंजूरी प्रदान की है। इस संबंध में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग ने आदेश जारी कर दिया है।

जारी आदेश के अनुसार, आवंटित राशि का उपयोग रिनपास में शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार, नए भवनों के निर्माण, पुराने भवनों के जीर्णोद्धार तथा आधुनिक मशीनों एवं आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए किया जाएगा। इन सभी कार्यों को शासी परिषद की स्वीकृति के बाद ही क्रियान्वित किया जाएगा।

विभागीय जानकारी के अनुसार, कुल राशि में से 10.19 करोड़ रुपये गैर-वेतन मद में बैंक खाते के माध्यम से, 3.80 करोड़ रुपये वेतन मद के लिए तथा 11 करोड़ रुपये गैर-वेतन मद में पीएल खाते के माध्यम से व्यय किए जाएंगे।

सरकार ने रिनपास की निदेशक डॉ. जयाति सिमलाई को निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी नियुक्त किया है। साथ ही निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी संबंधित अभियंताओं को सौंपी गई है।

सरकार ने निर्देश दिया है कि सभी खर्चों का नियमित ऑडिट कराया जाएगा तथा प्रत्येक माह की 10 तारीख तक व्यय और विकास कार्यों की प्रगति रिपोर्ट स्वास्थ्य विभाग को भेजना अनिवार्य होगा। इस पहल से रिनपास में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा शिक्षा और मरीजों को मिलने वाली सुविधाओं में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।

बासुकीनाथ धाम पहुंची डीजीपी तदाशा मिश्रा, पूजा-अर्चना कर श्रावणी मेला की तैयारियों का लिया जायजा

बिभा संवाददाता

दुमका। डीजीपी तदासा मिश्रा शुक्रवार को प्रसिद्ध तीर्थ स्थल बासुकीनाथ धाम पहुंच फौजदारी बाबा बासुकीनाथ में मत्था टेका। विधिवत पूजा-अर्चना के बाद बासुकीनाथ श्रावणी मेला क्षेत्र में की जा रही तैयारियों का उन्होंने जायजा लिया।

इस दौरान संताल परगना प्रमंडल के डीआईजी अंबर लकड़ा, दुमका एसपी पीतांबर सिंह खेरवार और पंडा धर्मरक्षिणी सभा के अध्यक्ष मनोज पंडा ने डीजीपी को बाबा बासुकीनाथ का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मौके पर डीजीपी ने बताया कि इस वर्ष श्रावणी मेला में श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को लेकर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसे लेकर देवघर और बासुकीनाथ के संपूर्ण मेला क्षेत्र में एआई तकनीक का इस्तेमाल कर मेला क्षेत्र की निगरानी की जाएगी। साथ ही ड्रोन एवं सीसीटीवी कैमरे की मदद से सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी जाएगी।

वहीं डीजीपी समाहरणालय स्थित पुलिस कार्यालय में संताल परगना क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, विधि-व्यवस्था और आगामी श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। इस अहम बैठक में क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, लंबित कांडों के निष्पादन, वारंटों के तामीला, फरार अपराधियों की गिरफ्तारी, साइबर अपराध, मादक पदार्थों की तस्करी एवं संगठित अपराध पर प्रभावी कार्रवाई पर जहां चर्चा हुई।

संक्षिप्त खबरें

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा धनबाद-बन्धुआ रेलखंड का निरीक्षण

धनबाद(बिभा): मंडल रेल प्रबंधक अखिलेश मिश्र द्वारा धनबाद-बन्धुआ रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेलखंड में सिग्नलिंग व्यवस्था, पुल-पुलियों, टनल तथा संरक्षा एवं सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। इस क्रम में निमियाघट-पारसनाथ स्टेशन के मध्य स्थित लिमिटेड हाइट सबवे (एलएचएस) का भी निरीक्षण कर आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की इसके उपरांत उन्होंने पारसनाथ एवं हजारीबाग रोड स्टेशनों पर स्टेशन परिसर, फुट ओवर ब्रिज प्रगति पर चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए साथ ही गझंडी स्टेशन के पैनल रूम, रिले रूम एवं अन्य महत्वपूर्ण तकनीकी व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर संरक्षा मानकों के अनुपालन की भी समीक्षा की। इस अवसर पर मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

पटना और इसलामपुर के मध्य श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन 26 से

हाजीपुर(बिभा): श्रावणी मेला के अवसर पर अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु पूर्व मध्य रेल द्वारा पटना और इसलामपुर के मध्य 26.07.2026 से 29 ट्रिप श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन का परिचालन किया जाएगा। यह स्पेशल गाड़ी सं. 19313/14 एवं 19321/22 इंदौर-पटना एक्सप्रेस के रेक का उपयोग करते हुए पटना और इसलामपुर के मध्य 03297/03298 नंबर से परिचालित की जाएगी । गाड़ी सं. 03297 पटना-इसलामपुर श्रावणी मेला स्पेशल दिनांक 26.07.2026 से 29.09.2026 तक प्रत्येक मंगलवार, गुरूवार एवं रविवार को पटना जं. से 16.10 बजे प्रस्थान कर 16.17 बजे राजेन्द्रनगर, 16.31 बजे पटना साहिब, 16.55 बजे फतुहा, 17.13 बजे दनियावां बाजार हाल्ट, 17.38 बजे हिलसा, 17.53 बजे एकंगरसराय स्टेशनों पर रूकते हुए 19.00 बजे इसलामपुर पहुंचेगी । इसी तरह गाड़ी संख्या 03298 इसलामपुर-पटना श्रावणी मेला स्पेशल दिनांक 27.07.2026 से 30.09.2026 तक प्रत्येक बुधवार, शुक्रवार एवं सोमवार को इसलामपुर से 07.45 बजे खुलकर 07.55 बजे एकंगरसराय, 08.09 बजे हिलसा, 08.35 बजे दनियावां बाजार हाल्ट, 08.56 बजे फतुहा, 09.12 बजे पटना साहिब, 09.25 बजे राजेन्द्रनगर रूकते हुए 11.00 बजे पटना जं. पहुंचेगी ।

रेल मंत्रालय की लाल बहादुर शास्त्री तकनीकी मौलिक लेखन पुरस्कार योजना-2025 के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

नई दिल्ली(बिभा) : रेल मंत्रालय द्वारा तकनीकी रेल विषयों पर हिंदी में मौलिक पुस्तक लेखन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाल बहादुर शास्त्री तकनीकी मौलिक लेखन पुरस्कार योजना-2025 प्रारंभ की गई है। इस योजना के अंतर्गत सेवारत एवं सेवानिवृत्त रेलकर्मियों के साथ-साथ देश के सभी भारतीय नागरिक भाग ले सकते हैं। रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलों को योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि अधिक से अधिक योग्य लेखक इसमें सहभागिता कर सकें। योजना के अंतर्गत चयनित मौलिक पुस्तकों को प्रथम पुरस्कार के रूप में 20,000, द्वितीय पुरस्कार 10,000 तथा तृतीय पुरस्कार 7,000 की राशि के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। प्रस्तुत पुस्तक पूर्णतः मौलिक होनी चाहिए। किसी अन्य भाषा से अनूदित, संपादित अथवा इंटरनेट से डाउनलोड/कॉपी की गई पुस्तकों पर विचार नहीं किया जाएगा। वर्ष 2025 के लिए वही पुस्तकें पात्र होंगी जिनका लेखन अथवा प्रकाशन कार्य 1 जनवरी 2023 से 31 दिसंबर 2025 के मध्य पूर्ण हुआ हो। पुस्तकों का विषय रेल संचालन, रेल प्रबंधन अथवा भारतीय रेल से संबंधित अन्य तकनीकी विषयों पर आधारित होना चाहिए। पुस्तक न्यूनतम 100 पृष्ठों की हो तथा उसका आकार 12 से अधिक न हो। जिन पुस्तकों को भारत सरकार, राज्य सरकार अथवा किसी अन्य सरकारी योजना के अंतर्गत पूर्व में पुरस्कार प्राप्त हो चुका है, उन्हें इस योजना में शामिल नहीं किया जाएगा। साथ ही, जो पुस्तकें इस योजना में पहले प्रस्तुत की जा चुकी हैं, उन्हें पुनः स्वीकार नहीं किया जाएगा। इच्छुक प्रतिभागी अपनी पुस्तक की दो मुद्रित अथवा टंकित प्रतियों के साथ निर्धारित आवेदन प्रपत्र एवं घोषणा पत्र भरकर 31 अगस्त 2026 तक निदेशक, राजभाषा, कक्ष संख्या-376 (जी), रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड), रेल भवन, नई दिल्ली-110001 के पते पर भेज सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त प्रविष्टियों पर विचार नहीं किया जाएगा। झांसी मंडल ने साहित्यकारों, तकनीकी विशेषज्ञों, रेलकर्मियों एवं हिंदी में तकनीकी लेखन से जुड़े सभी इच्छुक नागरिकों से इस योजना में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया है।

झारखंड भाजपा 29 जुलाई से 20 फरवरी तक चलाएगी संत रविदास 'समरसता संकल्प अभियान'

बिभा संवाददता

रांची। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू की अध्यक्षता में 'समरसता संकल्प अभियान' को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्देश्य अगले वर्ष 20 फरवरी 2027 को मनाई जाने वाली संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में व्यापक जनजागरण अभियान की रूपरेखा तैयार करना तथा उनके समता, सामाजिक न्याय, सेवा और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना रहा।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि संत रविदास भारतीय संत परंपरा के महान संतों में से एक थे। उन्होंने विषम परिस्थितियों में भारतीय संस्कृति और सामाजिक समरसता की रक्षा का कार्य किया। उनके विचार आज भी समाज को समानता, सद्भाव और मानवता का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा अगले छह माह से अधिक समय तक चलने वाले अभियान के माध्यम से राज्य के गांव-गांव तक संत रविदास के विचारों को पहुंचाएगी।

आदित्य साहू ने बताया कि काशी स्थित संत रविदास की जन्मस्थली से पवित्र मिट्टी लाकर कलश यात्रा निकाली जाएगी। झारखंड में जहां-जहां से यह कलश यात्रा गुजरेगी, वहां भाजपा कार्यकर्ता गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी संत रविदास के समता, सेवा, भक्ति, सामाजिक न्याय और मानवता के संदेश को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने के लिए व्यापक अभियान चलाएगी। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह आज दलितों की बात तो करती है, लेकिन उसने कभी संत रविदास के विचारों और उनके योगदान को उचित सम्मान नहीं दिया।

नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने संबोधन में कहा कि संत रविदास ने जाति-पाति के भेदभाव को समाप्त कर सामाजिक समरसता स्थापित करने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित किया। उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने कहा कि मनुष्य अपने कर्म से महान बनता है। संत रविदास ने छुआछूत और जातिवाद जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने के लिए जो योगदान दिया, उसके लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा।

कार्यशाला के बाद पत्रकारों से बातचीत में भाजपा के प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने बताया कि संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय टीम के निर्देश पर 29 जुलाई 2026 से 20 फरवरी 2027 तक पूरे देश में 'समरसता संकल्प अभियान' चलाया जाएगा। अभियान का उद्देश्य संत रविदास के बताए मार्ग पर चलकर समाज में समरसता, समानता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि संत रविदास ने अपने जीवनकाल में जात-पात, छुआछूत और सामाजिक भेदभाव के खिलाफ संघर्ष करते हुए समाज को एकता और समानता का संदेश दिया। भाजपा उनके विचारों को गांव-गांव तक पहुंचाने का कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी संत रविदास ने भारतीय संस्कृति और धार्मिक मूल्यों की रक्षा का संदेश दिया, जिसे आज भी समाज के सामने रखने की आवश्यकता है।

अमर कुमार बाउरी ने बताया कि अभियान के तहत राज्य के सभी मंडलों के मंदिरों में दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा संत रविदास की जन्मस्थली काशी से पवित्र मिट्टी लाने के लिए भाजपा की एक टोली 29 जुलाई को रवाना होगी। यह टोली गढ़वा, पलामू, लातेहार, लोहरदगा और रांची होते हुए झारखंड पहुंचेगी। इसके बाद पवित्र मिट्टी को राज्य के विभिन्न मंदिरों तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि कलश यात्रा के स्वागत के लिए पूरे राज्य में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यशाला में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद, नीलकंठ सिंह मुंडा, बालमुकुंद सहाय, सुनील सोरेन, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, अमर कुमार बाउरी, मनोज सिंह, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष किशुन दास, प्रदेश मंत्री दिलीप वर्मा, सरोज सिंह, सुनीता सिंह, कृष्णा महतो, मनीर उरांव, शालिनी बैसखियार, दीपक बंका, हेमंत दास, सूरज गुप्ता चौरसिया सहित सभी जिलों के अध्यक्ष, प्रभारी, मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारी और अभियान से जुड़े जिला स्तरीय टोली प्रमुख उपस्थित थे।

देवघर-बढ़नी-देवघर श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन का दुदही एवं रतन सराय स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव

बिहान भारत

आसनसोलः यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे ने देवघर-बढ़नी-देवघर श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन को उत्तर पूर्व रेलवे के दुदही एवं रतन सराय स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने का निर्णय लिया है।

05028 बढ़नी-देवघर श्रावणी मेला स्पेशल दुदही स्टेशन पर 19:45 बजे तथा रतन सराय स्टेशन पर 21:40 बजे पहुँचेगी। इसी प्रकार 05027 देवघर-बढ़नी श्रावणी मेला स्पेशल रतन सराय स्टेशन पर 07:40 बजे तथा दुदही स्टेशन पर 09:50 बजे पहुँचेगी।

उक्त दोनों स्टेशनों पर यह ट्रेन दोनों दिशाओं में 02 मिनट का ठहराव करेगी।

धनबाद स्टेशन पर खाद्य संचालकों के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम का आयोजन

बिभा संवाददाता

धनबाद : यात्रियों को सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आज धनबाद रेलवे स्टेशन पर खाद्य संचालकों के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण एवं प्रमाणन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण के दौरान खाद्य संचालकों को बुनियादी खाद्य स्वच्छता, खाद्य संस्थानों में अपनाई जाने वाली स्वच्छता संबंधी प्रक्रियाओं, व्यक्तिगत स्वच्छता, भोजन को हानिकारक जीवाणुओं, वायरस, परजीवियों एवं रासायनिक संदूषण से सुरक्षित रखने, खाद्य पदार्थों को संक्रमण से बचाने तथा भोजन को निर्धारित एवं सुरक्षित तापमान पर संग्रहित एवं परोसने जैसे महत्वपूर्ण विषयों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा मानकों के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा धनबाद स्टेशन को ईट राइट स्टेशन के मानकों के अनुरूप विकसित करने की दिशा में प्रारंभिक एवं महत्वपूर्ण कदम उठाना है। इस पहल से स्टेशन परिसर में यात्रियों को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में और अधिक मजबूती मिलेगी।

कार्यक्रम में खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण के प्रतिनिधि डॉ. अनूप कुमार तिवारी, सहायक मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. स्वाती गौतम, सहायक वाणिज्य प्रबंधक राजीव कुमार, आईआरसीटीसी के जेजीएम सोरेंग सहित मंडल के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे ।

प्रयागराज मंडल में रेल हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

बिहान भारत

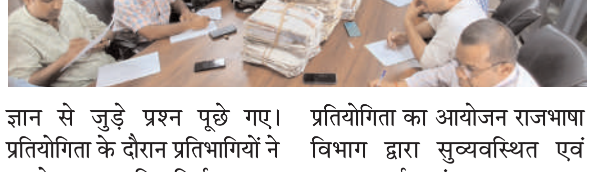

प्रयागराज : राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार को बढ़ावा देने तथा अधिकारियों एवं कर्मचारियों में हिंदी के प्रति अभिरुचि विकसित करने के उद्देश्य से रेलवे बोर्ड के निदेर्शानुसार अखिल रेल हिंदी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के प्रथम चरण का आयोजन आज उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल कार्यालय में सफलतापूर्वक किया गया।

इस प्रतियोगिता में प्रयागराज मंडल के विभिन्न स्टेशनों एवं कार्यालयों से कुल 21 कर्मचारियों ने पूरे उत्साह एवं प्रतिस्पर्धात्मक भावना के साथ भाग लिया। प्रतियोगिता का आयोजन पूर्णतः हिंदी माध्यम में किया गया, जिसमें प्रतिभागियों से रेलवे संबंधी विषयों, हिंदी भाषा एवं साहित्य, राजभाषा तथा सामान्य ज्ञान से जुड़े प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने अपने ज्ञान, त्वरित निर्णय क्षमता एवं टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य कर्मचारियों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ राजभाषा नीति के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा रेलवे से संबंधित ज्ञान का विस्तार करना है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से चयनित टीम आगामी क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रयागराज मंडल का प्रतिनिधित्व करेगी।

प्रतियोगिता का आयोजन राजभाषा विभाग द्वारा सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों में विशेष उत्साह एवं सकारात्मक प्रतिस्पर्धा का वातावरण देखने को मिला। प्रतियोगिता के विजेता कर्मचारियों को मंडल रेल प्रबंधक द्वारा आगामी आयोजित होने वाले सम्मान समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। प्रयागराज मंडल प्रशासन ने सभी प्रतिभागियों के उत्साह, अनुशासन एवं उत्कृष्ट सहभागिता की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल प्रदर्शन की कामना की।

भारतीय वीरता, राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा, शौर्य और आत्म बलिदान की प्रेरणा का जीवंत प्रतीक

संजय सर्राफ

हिंदी साहित्य भारती के उपाध्यक्ष सह झारखंड पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि कारगिल विजय दिवस प्रत्येक वर्ष 26 जुलाई को पूरे भारत में अत्यंत गर्व और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। यह दिवस वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सेना द्वारा प्राप्त ऐतिहासिक विजय की स्मृति में मनाया जाता है। इसी दिन भारतीय सैनिकों ने दुर्गम कारगिल की चोटियों से पाकिस्तानी घुसपैठियों और उनके समर्थित सैनिकों को पूरी तरह खदेड़कर 'ऑपरेशन विजय' को सफल बनाया था। यह दिवस देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर सैनिकों के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है। कारगिल युद्ध जम्मू-कश्मीर (वर्तमान लद्दाख) के कारगिल, द्रास, बटालिक और टोलोलिंग क्षेत्रों की ऊँची पर्वत चोटियों पर लड़ा गया। वर्ष 1999 में पाकिस्तान समर्थित सैनिकों और घुसपैठियों ने भारतीय सीमा में घुसपैठ कर कई महत्वपूर्ण चोटियों पर कब्जा कर लिया था। भारतीय सेना ने कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, अत्यधिक ऊँचाई, बर्फीले मौसम और दुश्मन की मजबूत स्थिति के बावजूद अदम्य साहस और अद्वितीय पराक्रम का परिचय देते हुए इन सभी क्षेत्रों को पुनः अपने नियंत्रण में लिया। लगभग दो माह तक चले इस युद्ध में भारत के 527 से अधिक वीर सैनिकों ने सर्वोच्च बलिदान दिया, जबकि हजारों सैनिक घायल हुए। उनके अद्वितीय साहस के कारण भारत ने निर्णायक विजय प्राप्त की। कारगिल विजय दिवस का प्रमुख उद्देश्य देशवासियों में राष्ट्रभक्ति, राष्ट्रीय एकता, साहस, अनुशासन और मातृभूमि के प्रति समर्पण की भावना को सुदृढ़ करना है। यह दिवस हमें याद दिलाता है कि देश की सुरक्षा केवल सीमाओं पर तैनात सैनिकों के त्याग और सतर्कता के कारण ही संभव है। उनके बलिदान का सम्मान करना प्रत्येक भारतीय का नैतिक कर्तव्य है इस अवसर पर देशभर में शहीद स्मारकों पर श्रद्धांजलि सभाएँ, पुष्पांजलि कार्यक्रम, सैन्य परेड, देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक कार्यक्रम, विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में निबंध, भाषण, चित्रकला और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाता है। विशेष रूप से लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक में शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की जाती है। वीर सैनिकों के परिजनों का सम्मान कर उनके योगदान को भी स्मरण किया जाता है।आज के युवाओं के लिए कारगिल विजय दिवस केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रप्रेम, कर्तव्यनिष्ठा और आत्मबलिदान की प्रेरणा का जीवंत प्रतीक है। यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि जब राष्ट्र की रक्षा का प्रश्न हो, तब भारतीय सैनिक असंभव को भी संभव बना देते हैं। कारगिल के वीरों का अमर बलिदान सदैव देशवासियों को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने, एकजुट रहने और भारत की अखंडता एवं संप्रभुता की रक्षा के लिए समर्पित रहने की प्रेरणा देता रहेगा। उनकी वीरगाथा आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव साहस, सम्मान और देशभक्ति का अमिट स्रोत बनी रहेगी।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com